स्वर्ग में आपसे मिलने वाले पाँच लोग

मिच एल्बोम

मिच एल्बोम द्वारा अन्य रचनाएँ
मॉरी के साथ मंगलवार
शानदार पाँच
बो
लाइव एल्बम
लाइव एल्बम II
लाइव एल्बम III
लाइव एल्बम IV

स्वर्ग में आपसे मिलने वाले पाँच लोग

मिच एल्बोम

न्यूयॉर्क

तुमने मुझे तुमसे प्यार करना सिखाया
कॉपीराइट 1913 (नवीकृत) ब्रॉडवे म्यूजिक कॉर्प, एडविन एच. मॉरिस कंपनी, रेडवुड म्यूजिक लिमिटेड। ब्रॉडवे म्यूजिक कॉर्प की ओर से सभी अधिकार सोनी/एटीवी म्यूजिक पब्लिशिंग, 8 म्यूजिक स्क्वायर, नैशविले, टीएन 37203 द्वारा प्रशासित हैं। सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति से उपयोग किया गया।
कॉपीराइट © 2003 मिच एल्बोम

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में उपयोग या पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मुद्रित। अधिक जानकारी के लिए पता: हाइपेरियन, 77 वेस्ट 66वीं स्ट्रीट, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10023-6298।
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा
एल्बोम, मिच।
स्वर्ग में आपसे मिलने वाले पाँच लोग / मिच एल्बोम।
पी. सेमी.
ISBN 0-7868-6871-6 (भाषण पत्र)
1. दुर्घटना पीड़ित—काल्पनिक। 2. मनोरंजन पार्क—काल्पनिक। 3. मनोरंजन झूले—काल्पनिक। 4. भविष्य का जीवन—काल्पनिक। 5. वृद्ध पुरुष—काल्पनिक। 6. स्वर्ग—काल्पनिक। 7. मृत्यु—काल्पनिक। I. शीर्षक।
PS3601.L335F59 2003 813'.6-dc21
2003047888
हाइपेरियन की किताबें विशेष प्रोमोशन और प्रीमियम ऑफ़र के साथ उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए, माइकल रेंटास, मैनेजर, इन्वेंटरी और प्रीमियम सेल्स, हाइपेरियन, 77 वेस्ट 66वीं स्ट्रीट, 11वीं मंजिल, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10023-6298 से संपर्क करें या 212-456-0133 पर कॉल करें।
प्रथम संस्करण

यह पुस्तक मेरे प्रिय चाचा एडवर्ड बीटचमैन को समर्पित है, जिन्होंने मुझे स्वर्ग की पहली अवधारणा से परिचित कराया। हर साल, थैंक्सगिविंग के अवसर पर, वे अस्पताल में बिताई एक रात की कहानी सुनाते थे, जब वे जागे तो उन्होंने देखा कि उनके दिवंगत प्रियजनों की आत्माएं बिस्तर के किनारे बैठी उनका इंतजार कर रही थीं। मैं वह कहानी कभी नहीं भूला। और मैं उन्हें भी कभी नहीं भूला।

हर किसी के मन में स्वर्ग की एक अवधारणा होती है, जैसा कि अधिकांश धर्मों में होता है, और उन सभी का सम्मान किया जाना चाहिए। यहाँ प्रस्तुत अवधारणा मात्र एक अनुमान है, एक तरह से एक कामना है कि मेरे चाचा और उनके जैसे अन्य लोग —जो इस धरती पर खुद को महत्वहीन समझते थे—अंततः यह महसूस करें कि वे कितने महत्वपूर्ण थे और उन्हें कितना प्यार किया जाता था।

स्वर्ग में आपसे मिलने वाले पाँच लोग

समाप्त

यह कहानी एडी नाम के एक आदमी के बारे में है और इसकी शुरुआत अंत से होती है, जब एडी धूप में दम तोड़ देता है। किसी कहानी की शुरुआत अंत से करना शायद अजीब लगे। लेकिन हर अंत एक नई शुरुआत भी होता है। बस उस समय हमें इसका एहसास नहीं होता।

एडी के जीवन का अंतिम समय, बाकी लोगों की तरह, रूबी पियर में बीता, जो एक विशाल धूसर समुद्र के किनारे स्थित एक मनोरंजन पार्क था। पार्क में आम आकर्षण थे - एक पैदल मार्ग, एक फेरिस व्हील, रोलर कोस्टर, बम्पर कार, एक टॉफी स्टैंड और एक आर्केड जहाँ आप एक जोकर के मुँह में पानी की धारें फेंक सकते थे। इसमें फ्रेडीज़ फ्री फॉल नाम का एक नया बड़ा झूला भी था, और यहीं एडी की मौत हो गई, एक ऐसी दुर्घटना में जिसकी खबर पूरे राज्य के अखबारों में छपी।

अपनी मृत्यु के समय, एडी एक छोटे कद का, सफ़ेद बालों वाला बूढ़ा आदमी था, जिसकी गर्दन छोटी, सीना चौड़ा, बांहें मज़बूत और दाहिने कंधे पर सेना का धुंधला टैटू था। उसके पैर पतले और नसों से भरे हुए थे, और युद्ध में घायल हुआ उसका बायां घुटना गठिया से खराब हो चुका था। वह चलने के लिए छड़ी का इस्तेमाल करता था। धूप से उसका चेहरा चौड़ा और झुर्रीदार हो गया था, दाढ़ी के बाल सफ़ेद हो गए थे और उसका निचला जबड़ा थोड़ा बाहर निकला हुआ था, जिससे वह जितना महसूस करता था उससे कहीं ज़्यादा गर्वित दिखता था। वह अपने बाएं कान के पीछे एक सिगरेट और कमर में चाबियों का गुच्छा रखता था। वह रबर के तले वाले जूते पहनता था। उसने एक पुरानी सूती टोपी पहन रखी थी। उसकी हल्के भूरे रंग की वर्दी एक मज़दूर की याद दिलाती थी, और वह सचमुच एक मज़दूर ही था।

एडी का काम झूलों की "देखभाल" करना था, जिसका असल मतलब था उन्हें सुरक्षित रखना। हर दोपहर, वह पार्क में घूमता और टिल्ट-ए-व्हर्ल से लेकर पाइपलाइन प्लंज तक, हर झूले की जाँच करता। वह टूटे हुए तख्तों, ढीले बोल्टों और घिसे हुए स्टील की जाँच करता। कभी-कभी वह रुक जाता, उसकी आँखें बेजान सी हो जातीं, और वहाँ से गुज़रने वाले लोग सोचते कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन वह बस सुन रहा था, बस। इतने सालों बाद, वह कहता था कि वह उपकरणों की लड़खड़ाती आवाज़ों, अटक-अटक कर चलने वाली आवाज़ों में भी परेशानी को पहचान सकता था।

धरती पर अपने जीवन के शेष 50 मिनट के साथ, एडी ने रूबी पियर पर अपनी अंतिम सैर की। वह एक बुजुर्ग दंपति के पास से गुजरा।
"दोस्तों," उसने अपनी टोपी को छूते हुए धीरे से कहा।
उन्होंने विनम्रता से सिर हिलाया। ग्राहक एडी को जानते थे। कम से कम नियमित ग्राहक तो जानते ही थे। वे उसे हर गर्मी में देखते थे, एक ऐसा चेहरा जिसे देखकर किसी जगह की पहचान बन जाती है। उसकी काम वाली कमीज़ पर सीने पर एक पैच लगा था जिस पर 'मेंटेनेंस' के ऊपर 'एडी' लिखा था, और कभी-कभी वे कहते थे,

"हाय, एडी मेंटेनेंस," हालाँकि उसे यह कभी मज़ाकिया नहीं लगता था।
आज संयोगवश एडी का जन्मदिन था, उनका 83वां जन्मदिन। पिछले हफ्ते एक डॉक्टर ने उन्हें बताया था कि उन्हें दाद हो गया है। दाद? एडी को तो पता ही नहीं था कि ये क्या होता है। एक समय था जब वे इतने ताकतवर थे कि दोनों हाथों से हिंडोले के घोड़े उठा सकते थे। बहुत समय पहले की बात है।

"एडी!" . . . "मुझे ले चलो, एडी!" . . . "मुझे ले चलो!"
उसकी मौत में चालीस मिनट बचे थे। एडी रोलर कोस्टर की लाइन में सबसे आगे पहुँच गया। वह हर हफ्ते कम से कम एक बार हर राइड पर सवार होता था, ताकि उसे यकीन हो जाए कि ब्रेक और स्टीयरिंग ठीक से काम कर रहे हैं। आज रोलर कोस्टर का दिन था—जिसे वे "घोस्टर कोस्टर" कहते थे—और एडी को जानने वाले बच्चे चिल्लाकर उसके साथ गाड़ी में बैठने को कहने लगे।
बच्चों को एडी पसंद था। किशोरों को नहीं। किशोर उसे सिरदर्द देते थे। सालों से एडी ने हर तरह के निकम्मे, चिढ़कर चिढ़ने वाले किशोरों को देख लिया था। लेकिन बच्चे अलग थे। एडी को देखकर, जिसका निचला जबड़ा आगे निकला हुआ था और जो हमेशा डॉल्फ़िन की तरह मुस्कुराता रहता था, बच्चे उस पर भरोसा करते थे। वे ठंडे हाथों की तरह आग की ओर खिंचे चले आते थे। वे उसकी टांग से लिपट जाते थे। वे उसकी चाबियों से खेलते थे। एडी ज़्यादातर बस हल्की-हल्की आवाज़ें निकालता था, ज़्यादा कुछ नहीं बोलता था। उसे लगता था कि शायद इसीलिए बच्चे उसे पसंद करते थे क्योंकि वह ज़्यादा नहीं बोलता था।

तीस मिनट शेष हैं।
"अरे, जन्मदिन मुबारक हो, मैंने सुना है," डोमिंगुएज़ ने कहा।
एडी ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।
"कोई पार्टी नहीं या कुछ भी नहीं?"
एडी ने उसे ऐसे देखा मानो वह पागल हो। एक पल के लिए उसने सोचा कि कॉटन कैंडी की खुशबू से भरी जगह पर बूढ़ा होना कितना अजीब है।

"ठीक है, एडी, याद रखना, मैं अगले हफ्ते सोमवार से छुट्टी पर जा रहा हूँ। मेक्सिको जा रहा हूँ।"
एडी ने सिर हिलाया, और डोमिंगुएज़ ने थोड़ा सा नृत्य किया।
मैं और थेरेसा। पूरे परिवार से मिलने जा रहे हैं। पार्टी।
एडी को घूरते हुए देखकर उसने नाचना बंद कर दिया।
"क्या तुम कभी वहाँ गए हो?" डोमिंगुएज़ ने कहा।
"गया?"
"मेक्सिको के लिए?"
एडी ने नाक से सांस छोड़ी। "बच्चे, मैं कभी ऐसी जगह नहीं गया जहाँ मुझे राइफल के बिना भेजा गया हो।"
उसने डोमिंगुएज़ को सिंक के पास लौटते देखा। उसने एक पल सोचा। फिर उसने अपनी जेब से नोटों का एक छोटा सा बंडल निकाला और उसमें से अपने पास मौजूद बीस-बीस डॉलर के दो नोट निकाले। उसने उन्हें आगे बढ़ाया।
"अपनी पत्नी के लिए कुछ अच्छा खरीदो," एडी ने कहा।
डोमिंगुएज़ ने पैसों को देखा, ज़ोर से मुस्कुराया और बोला, "अरे यार, क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?"
एडी ने पैसे डोमिंगुएज़ की हथेली में थमा दिए। फिर वह वापस भंडारण क्षेत्र की ओर चला गया। सालों पहले लकड़ी के तख्तों में एक छोटा सा "मछली पकड़ने का छेद" बनाया गया था, और एडी ने प्लास्टिक का ढक्कन उठाया। उसने नायलॉन की रस्सी खींची जो 80 फीट नीचे समुद्र में जा गिरी। उसमें बोलोग्ना का एक टुकड़ा अभी भी लगा हुआ था।
"क्या हमें कुछ मिला?" डोमिंगुएज़ चिल्लाया। "बताओ हमें कुछ मिला है!"
एडी को आश्चर्य हुआ कि वह आदमी इतना आशावादी कैसे हो सकता है। उस तरह का कोई मामला तो कभी था ही नहीं।
"एक दिन," डोमिंगुएज़ चिल्लाया, "हम एक हलिबट मछली पकड़ेंगे!"
"हाँ," एडी ने बुदबुदाते हुए कहा, हालाँकि वह जानता था कि इतनी बड़ी मछली को इतने छोटे छेद से कभी नहीं निकाला जा सकता।

जीने के लिए छब्बीस मिनट बचे थे। एडी ने बोर्डवॉक पार करके दक्षिणी छोर की ओर रुख किया। कारोबार मंदा था। टॉफ़ी काउंटर के पीछे खड़ी लड़की कोहनियों के बल झुकी हुई च्युइंग गम चबा रही थी।

एक ज़माने में, रूबी पियर गर्मियों में घूमने की सबसे लोकप्रिय जगह हुआ करती थी। वहाँ हाथी, आतिशबाजी और मैराथन डांस प्रतियोगिताएँ होती थीं। लेकिन अब लोग समुद्री घाटों पर कम ही जाते हैं; वे थीम पार्कों में जाने लगे जहाँ 75 डॉलर का टिकट लेकर एक विशालकाय, रोएँदार किरदार के साथ फोटो खिंचवाई जाती थी।

एडी लंगड़ाते हुए बम्पर कारों के पास से गुजरा और रेलिंग पर झुके किशोरों के एक समूह पर उसकी नजरें टिक गईं। वाह, उसने मन ही मन कहा। मुझे बस इसी की जरूरत थी।

"हट जाओ," एडी ने अपनी छड़ी से रेलिंग पर थपथपाते हुए कहा। चलो। यह सुरक्षित नहीं है।

व्हर्र्सश! एक लहर किनारे से टकराई। एडी ने कुछ ऐसा खांसकर बाहर निकाला जिसे वह देखना नहीं चाहता था। उसने उसे थूक दिया।

व्हर्श... वह पहले मार्गुराइट के बारे में बहुत सोचता था। अब उतना नहीं। वह एक पुराने बैंडेज के नीचे छिपे घाव की तरह थी, और वह उस बैंडेज का आदी हो चुका था।

व्हर्रशशश।

शिंगल्स क्या होते हैं?

व्हर्रशशश।

जीने के लिए सोलह मिनट बचे हैं।

कोई भी कहानी अकेली नहीं होती। कभी-कभी कहानियाँ कोनों पर मिलती हैं और कभी-कभी वे एक-दूसरे को पूरी तरह से ढक लेती हैं, जैसे नदी के नीचे पत्थर।

एडी की कहानी का अंत कुछ महीने पहले घटी एक और मासूम सी दिखने वाली कहानी से प्रभावित था - एक धुंधली रात जब एक युवक अपने तीन दोस्तों के साथ रूबी पियर पर पहुंचा था।

निकी नाम के उस युवक ने अभी-अभी गाड़ी चलाना सीखा था और उसे चाबी का गुच्छा साथ रखने में अभी भी असहजता महसूस होती थी। इसलिए उसने गाड़ी की इकलौती चाबी निकालकर अपनी जैकेट की जेब में रख ली और फिर जैकेट को अपनी कमर के चारों ओर बांध लिया।
अगले कुछ घंटों तक, वह और उसके दोस्त सबसे तेज़ राइड्स का आनंद लेते रहे: फ्लाइंग फाल्कन, स्प्लैशडाउन, फ्रेडीज़ फ्री फॉल, घोस्टर कोस्टर।
उनमें से एक ने चिल्लाकर कहा, "हाथ ऊपर उठाओ!"
उन्होंने अपने हाथ हवा में उठा दिए।
बाद में, जब अंधेरा हो गया, तो वे थके-हारे और हंसते हुए कार पार्किंग में वापस लौटे, भूरे कागज़ के थैलों से बीयर पीते हुए। निकी ने अपनी जैकेट की जेब में हाथ डाला। वह कुछ ढूंढने लगा। उसने बड़बड़ाते हुए गाली दी।
चाबी खो गई थी।

उसकी मृत्यु में चौदह मिनट शेष थे। एडी ने रुमाल से अपना माथा पोंछा। समुद्र में, सूर्य की किरणें पानी पर हीरे की तरह चमक रही थीं, और एडी उनकी फुर्तीली गति को निहार रहा था। युद्ध के बाद से वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाया था।
लेकिन स्टारडस्ट बैंड शेल में मार्गुराइट के साथ वापस आकर, एडी अब भी शालीन था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और उस गीत को याद करने लगा जिसने उन्हें एक साथ लाया था, वही गीत जो जूडी गारलैंड ने उस फिल्म में गाया था। अब वह गीत उसके दिमाग में लहरों के शोर और झूलों पर बच्चों की चीख-पुकार के साथ घुलमिल गया था।
"तुमने मुझे तुमसे प्यार करना सिखाया—"
व्सशशशश।
"—इसे करो, मैं इसे करना नहीं चाहता था—"
SPLLLLDDAASHHHH.
"-मुझे तुमसे प्यार है-"
ईईईईई!
"— वो समय जब आपको पता था, और सब कुछ—"

छह ...
"-इसे जानता था । । ।"
एडी को अपने कंधों पर उसके हाथों का स्पर्श महसूस हुआ। उसने उस याद को करीब लाने के लिए अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं।

जीने के लिए बारह मिनट बचे हैं।
"क्षमा कीजिए।"
एक छोटी लड़की, शायद आठ साल की, उसके सामने खड़ी थी, उसकी धूप रोक रही थी। उसके सुनहरे घुंघराले बाल थे और उसने चप्पल, डेनिम शॉर्ट्स और सामने कार्टून बत्तख वाली लाइम ग्रीन टी-शर्ट पहनी हुई थी। एडी को लगा उसका नाम एमी था। एमी या एनी। वह इस गर्मी में अक्सर यहाँ आती थी, हालाँकि एडी ने कभी उसके माता-पिता को नहीं देखा था।
"माफ़ कीजिए," उसने फिर कहा। "एडी मेंटेनेंस?"
एडी ने आह भरी। "बस एडी," उसने कहा।
"एडी?"
"हम्म?"
"क्या आप मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर कर सकते हैं..."
उसने प्रार्थना करने की मुद्रा में अपने हाथ जोड़ लिए।
"चलो बेटा, मेरे पास पूरा दिन नहीं है।"
"क्या तुम मुझे जानवर बना सकते हो? क्या तुम बना सकते हो?"
एडी ने ऊपर देखा, मानो उसे इस बारे में सोचना हो। फिर उसने अपनी कमीज़ की जेब में हाथ डाला और तीन पीले पाइप क्लीनर निकाले, जिन्हें वह इसी उद्देश्य से अपने साथ रखता था।
"हाँ!" छोटी बच्ची ने अपने हाथों को थपथपाते हुए कहा।
एडी ने पाइप क्लीनर को घुमाना शुरू कर दिया।
तुम्हारे माता-पिता कहाँ हैं?
"राइड्स का आनंद लेना।"
"आपके बिना?"

लड़की ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मेरी माँ अपने प्रेमी के साथ है।"
एडी ने ऊपर देखा। ओह।
उसने पाइप क्लीनर को मोड़कर कई छोटे-छोटे लूप बनाए, फिर उन्हें आपस में घुमा दिया। अब उसके हाथ कांप रहे थे, इसलिए पहले से ज़्यादा समय लग रहा था, लेकिन जल्द ही पाइप क्लीनर से एक सिर, कान, शरीर और पूंछ जैसी आकृति बन गई।
"एक खरगोश?" छोटी बच्ची ने कहा।
एडी ने आँख मारी।
"बहुत-बहुत धन्यवाद!"
वह घूम कर दूर चली गई, उस दुनिया में खो गई जहाँ बच्चे अपने पैरों की हरकत भी नहीं जानते। एडी ने फिर से अपना माथा पोंछा, फिर आँखें बंद कर लीं, बीच चेयर पर धँस गया और उस पुराने गाने को अपने दिमाग में फिर से बिठाने की कोशिश करने लगा।
एक समुद्री चिड़िया ऊपर से उड़ते हुए चीखी।

लोग अपने अंतिम शब्द कैसे चुनते हैं? क्या वे उनकी गंभीरता को समझते हैं? क्या बुद्धिमान होना उनकी नियति है?
अपने 83वें जन्मदिन तक, एडी अपने लगभग सभी प्रियजनों को खो चुका था। कुछ की मृत्यु कम उम्र में ही हो गई थी, और कुछ को बीमारी या दुर्घटना से पहले बुढ़ापा बिताने का मौका मिला था। उनके अंत्येष्टि समारोहों में, एडी शोक मनाने वालों को उनकी अंतिम बातचीत याद करते हुए सुनता था। कुछ लोग कहते थे, "ऐसा लगता है जैसे उसे पता था कि उसकी मृत्यु होने वाली है..."
एडी को इस बात पर कभी यकीन नहीं था। उसकी समझ में, जब आपका समय आता है, तो वह आ जाता है, और बात खत्म। जाते समय आप कोई समझदारी भरी बात कह सकते हैं, लेकिन उतनी ही आसानी से कोई बेवकूफी भरी बात भी कह सकते हैं।
वैसे तो एडी के आखिरी शब्द यही थे, "पीछे हटो!"

ये एडी के धरती पर आखिरी पलों की आवाज़ें हैं। लहरों के टकराने की आवाज़। दूर से आती रॉक संगीत की हल्की सी गूंज। एक छोटे से बाइप्लेन के इंजन की घरघराहट, जो अपनी पूंछ से एक विज्ञापन खींच रहा है। और ये।

हे भगवान! देखो!

एडी को अपनी पलकों के नीचे आँखें झपकने का एहसास हुआ। सालों से, वह रूबी पियर की हर आवाज़ से परिचित हो गया था और उन सभी के बीच लोरी की तरह सो सकता था।

यह आवाज लोरी में नहीं थी।

हे भगवान! देखो!

एडी एकदम सीधा बैठ गया। मोटी, गड्ढों वाली बाहों वाली एक महिला शॉपिंग बैग पकड़े हुए थी और इशारा करते हुए चिल्ला रही थी। उसके चारों ओर एक छोटी सी भीड़ जमा हो गई, सबकी निगाहें आसमान की ओर थीं।

एडी ने इसे तुरंत देख लिया। फ्रेडीज़ फ्री फॉल नामक नए "टावर ड्रॉप" आकर्षण के शीर्ष पर, एक कार्ट एक कोण पर झुकी हुई थी, मानो अपना सामान गिराने की कोशिश कर रही हो। चार यात्री, दो पुरुष और दो महिलाएं, केवल एक सुरक्षा पट्टी से बंधे हुए, बेतहाशा किसी भी चीज़ को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे।

"हे भगवान!" मोटी औरत चिल्लाई। "वो लोग! वे गिरने वाले हैं!"

एडी की बेल्ट पर लगे रेडियो से एक कर्कश आवाज आई। "एडी! एडी!"

उसने बटन दबाया। "मुझे दिख रहा है! सुरक्षा बुलाओ!"

लोग समुद्र तट से दौड़ते हुए आए, मानो उन्होंने इस अभ्यास का खूब अभ्यास किया हो। देखो! आसमान में! एक मनोरंजन झूला बुराई में तब्दील हो गया! एडी ने अपनी छड़ी पकड़ी और चाबियों का गुच्छा कमर से टकराते हुए, चप्पू के आधार के चारों ओर लगी सुरक्षा बाड़ की ओर भागा। उसका दिल ज़ोरों से धड़क रहा था।

फ्रेडीज़ फ्री फॉल में दो गाड़ियों को बेहद खतरनाक तरीके से नीचे गिराया जाना था, लेकिन आखिरी क्षण में हाइड्रोलिक हवा के तेज झोंके से यह रुक गया। आखिर एक गाड़ी इस तरह कैसे अलग हो गई? यह ऊपरी प्लेटफॉर्म से कुछ ही फीट नीचे झुकी हुई थी, मानो नीचे की ओर जाना शुरू किया हो और फिर अपना इरादा बदल दिया हो।

एडी गेट पर पहुंचा और उसे सांस लेने के लिए हांफना पड़ा। डोमिंगुएज़ दौड़ता हुआ आया और लगभग उससे टकरा ही गया।

"मेरी बात सुनो!" एडी ने डोमिंगुएज़ को कंधों से पकड़ते हुए कहा। उसकी पकड़ इतनी मज़बूत थी कि डोमिंगुएज़ का चेहरा दर्द से लाल हो गया। "मेरी बात सुनो! ऊपर कौन है?"

"विली।"

ठीक है। उसने इमरजेंसी स्टॉप बटन दबा दिया होगा। इसीलिए गाड़ी अटकी हुई है। सीढ़ी पर चढ़ो और विली से कहो कि वह सेफ्टी बेल्ट को हाथ से खोले ताकि वो लोग बाहर निकल सकें। ठीक है? यह गाड़ी के पीछे है, इसलिए जब वो बाहर झुकेगा तो तुम्हें उसे पकड़ना होगा। ठीक है? फिर... फिर, तुम दोनों—तुम दोनों, एक नहीं, समझे?—तुम दोनों मिलकर उन्हें बाहर निकालो! एक दूसरे को पकड़े! समझे!?... समझे?

डोमिंगुएज़ ने जल्दी से सिर हिलाया।

"तो फिर उस गाड़ी को नीचे भेजो ताकि हम पता लगा सकें कि क्या हुआ!"

एडी का सिर दर्द से फट रहा था। हालाँकि उसके पार्क में कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई थी, फिर भी उसे अपने व्यवसाय से जुड़ी भयानक कहानियाँ याद थीं। एक बार ब्राइटन में, गोंडोला राइड का एक बोल्ट ढीला हो गया और दो लोग गिरकर मर गए। एक और बार वंडरलैंड पार्क में, एक आदमी रोलर कोस्टर ट्रैक पर चलने की कोशिश कर रहा था; वह नीचे गिर गया और उसकी बगलें फंस गईं। वह चीखता हुआ फंसा रह गया और गाड़ियाँ उसकी ओर तेज़ी से आती गईं और... खैर, वह सबसे भयानक घटना थी।

एडी ने उस विचार को अपने दिमाग से निकाल दिया। अब उसके चारों ओर लोग थे, सबने अपने मुंह पर हाथ रखे हुए थे, डोमिंगुएज़ को सीढ़ी चढ़ते हुए देख रहे थे। एडी ने फ्रेडी के फ्री फॉल के अंदरूनी हिस्सों को याद करने की कोशिश की। इंजन। सिलिंडर। हाइड्रोलिक सिस्टम। सील। केबल। एक गाड़ी कैसे ढीली हो जाती है? उसने ऊपर खड़े चार डरे हुए लोगों से लेकर नीचे ऊंचे शाफ्ट तक, और फिर बेस तक, पूरी राइड को ध्यान से देखा। इंजन। सिलिंडर। हाइड्रोलिक सिस्टम। सील। केबल...

डोमिंगुएज़ ऊपरी चबूतरे पर पहुँच गया। उसने एडी के निर्देशानुसार विली को पकड़ लिया, क्योंकि विली ने गाड़ी के पीछे की ओर झुककर सुरक्षा पट्टी खोलने की कोशिश

की। तभी एक महिला सवार ने विली पर झपट्टा मारा और उसे लगभग चबूतरे से नीचे खींच लिया। भीड़ स्तब्ध रह गई।
"रुको..." एडी ने मन ही मन कहा।
विली ने दोबारा कोशिश की। इस बार उसने सेफ्टी रिलीज़ बटन दबा दिया।
"केबल..." एडी ने धीरे से कहा।
बार ऊपर उठा और भीड़ "आह्ह्ह्ह्ह" चिल्लाई। सवारों को तुरंत प्लेटफॉर्म पर खींच लिया गया।
"केबल खुल रही है..."
और एडी सही था। फ्रेडी के फ्री फॉल के बेस के अंदर, नज़रों से छिपा हुआ, कार्ट नंबर 2 को उठाने वाला केबल पिछले कुछ महीनों से एक जाम पुली से रगड़ खा रहा था। जाम होने के कारण, पुली ने धीरे-धीरे केबल के स्टील के तारों को फाड़ दिया था —जैसे भुट्टे का छिलका उतारते हैं—यहाँ तक कि वे लगभग टूट ही गए थे। किसी ने ध्यान नहीं दिया। भला कैसे ध्यान देते? केवल वही व्यक्ति जो मशीन के अंदर रेंगकर गया हो, इस समस्या के अप्रत्याशित कारण को देख सकता था।
पुली किसी छोटी वस्तु से अटक गई थी जो निश्चित रूप से बिल्कुल सटीक समय पर छेद से अंदर गिरी होगी।
कार की चाबी।

"गाड़ी मत छोड़ो!" एडी चिल्लाया। उसने अपने हाथ हिलाए। "अरे! अरे! यह केबल है! गाड़ी मत छोड़ो! यह टूट जाएगी!"
भीड़ के शोर में उसकी आवाज़ दब गई। विली और डोमिंगुएज़ द्वारा अंतिम सवार को उतारते ही भीड़ ने ज़ोरदार जयकारे लगाए। चारों सवार सुरक्षित थे। उन्होंने चबूतरे के ऊपर एक-दूसरे को गले लगाया।
"डोम! विली!" एडी चिल्लाया। किसी ने उसकी कमर पर ज़ोर से धक्का मारा, जिससे उसका वॉकी-टॉकी ज़मीन पर गिर गया। एडी उसे उठाने के लिए झुका। विली कंट्रोल के पास गया। उसने अपनी उंगली हरे बटन पर रखी। एडी ने ऊपर देखा।
नहीं, नहीं, नहीं, ऐसा मत करो!
एडी ने भीड़ की ओर मुड़कर कहा, "पीछे हटो!"

एडी की आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया; उन्होंने जयकारे लगाना बंद कर दिया और इधर-उधर भागने लगे। फ्रेडी के फ्री फॉल के निचले हिस्से के आसपास एक रास्ता खुल गया।

और एडी ने अपने जीवन का आखिरी चेहरा देखा।

वह झूले के धातु के आधार पर ऐसे पड़ी थी मानो किसी ने उसे धक्का दे दिया हो, उसकी नाक बह रही थी, उसकी आँखों में आँसू भरे थे, पाइप क्लीनर से बने जानवर वाली वह छोटी बच्ची। एमी? एनी?

"माँ...मम्मी...मम्मी..." वह लगभग लयबद्ध ढंग से हांफ रही थी, रोते हुए बच्चों के कारण उसका शरीर सुन्न पड़ गया था।

"आज... माँ... आज... माँ..."

एडी की नज़रें उससे हटकर गाड़ियों पर गईं। क्या उसके पास समय था? उसे गाड़ियों तक ले जाना—

धड़ाम। बहुत देर हो चुकी थी। गाड़ियाँ नीचे गिर रही थीं। हे भगवान! उसने ब्रेक छोड़ दिया! और एडी के लिए, सब कुछ पानी की तरह बहने लगा। उसने अपनी छड़ी गिरा दी और अपने चोटिल पैर से ज़ोर लगाया, तभी उसे दर्द का एक ऐसा झटका लगा कि वह लगभग गिर ही गया। एक बड़ा कदम। एक और कदम। फ्रेडी के फ्री फॉल के शाफ्ट के अंदर, केबल का आखिरी धागा टूट गया और हाइड्रोलिक लाइन फट गई। गाड़ी नंबर 2 अब सीधे नीचे गिर रही थी, उसे रोकने वाला कोई नहीं था, मानो वह किसी चट्टान से गिर रहा हो।

उन आखिरी पलों में, एडी को मानो पूरी दुनिया सुनाई दे रही थी: दूर से आती चीखें, लहरें, संगीत, हवा का तेज़ झोंका, एक धीमी, तेज़, भद्दी आवाज़ जो उसे एहसास हुआ कि उसकी अपनी ही आवाज़ थी जो उसके सीने में गूंज रही थी। छोटी बच्ची ने अपनी बाहें ऊपर उठाईं। एडी झपटा। उसका कमज़ोर पैर लड़खड़ा गया। वह आधा उड़ता हुआ, आधा लड़खड़ाता हुआ उसकी ओर बढ़ा और धातु के चबूतरे पर जा गिरा, जिससे उसकी कमीज़ फट गई और उसकी त्वचा छिल गई, ठीक उस जगह के नीचे जहाँ एडी और मेंटेनेंस लिखा था। उसने अपने हाथों में दो छोटे-छोटे हाथ महसूस किए।

एक आश्चर्यजनक प्रभाव।

तेज रोशनी की एक चमक।

और फिर, कुछ नहीं।

आज एडी का जन्मदिन है

यह सन् 1920 का दशक है, शहर के सबसे गरीब इलाकों में से एक में स्थित एक भीड़भाड़ वाला अस्पताल। एडी के पिता प्रतीक्षालय में सिगरेट पी रहे हैं, जहाँ अन्य पिता भी सिगरेट पी रहे हैं। नर्स हाथ में क्लिपबोर्ड लिए अंदर आती है। वह उनका नाम पुकारती है। वह उसका उच्चारण गलत करती है। बाकी लोग धुंआ उड़ाते हैं। क्या हुआ?

वह अपना हाथ उठाता है।

"बधाई हो," नर्स कहती है।

वह उसके पीछे-पीछे गलियारे से होते हुए नवजात शिशुओं के कमरे तक जाता है। उसके जूतों की आवाज फर्श पर गूंजती है।

"यहीं रुको," वह कहती है।

शीशे के पार से वह उसे लकड़ी के पालनों पर लिखे नंबरों को जाँचते हुए देखता है। वह एक पालने के पास से गुज़रती है, जो उसका नहीं है, फिर दूसरे के पास से, जो उसका नहीं है, फिर तीसरे के पास से, जो उसका नहीं है, फिर चौथे के पास से, जो उसका नहीं है।

वह रुक जाती है। वहीं। कंबल के नीचे। एक छोटा सा सिर नीली टोपी से ढका हुआ। वह अपना क्लिपबोर्ड फिर से देखती है, फिर इशारा करती है।

पिता गहरी साँसें लेते हैं, सिर हिलाते हैं। एक पल के लिए उनका चेहरा मानो टूट जाता है, जैसे कोई पुल नदी में गिर रहा हो। फिर वे मुस्कुराते हैं।

उसका।

यात्रा

एडी ने धरती पर अपने अंतिम क्षण का कुछ भी नहीं देखा, न तो घाट का, न भीड़ का, और न ही टूटी हुई फाइबरग्लास की गाड़ी का।

मृत्यु के बाद के जीवन की कहानियों में, आत्मा अक्सर विदाई के क्षण के ऊपर मंडराती रहती है, राजमार्ग दुर्घटनाओं में पुलिस की गाड़ियों के ऊपर मंडराती है, या अस्पताल के कमरों की छतों से मकड़ी की तरह चिपकी रहती है। ये वे लोग हैं जिन्हें दूसरा मौका मिलता है, जो किसी न किसी कारण से, दुनिया में अपना स्थान पुनः प्राप्त कर लेते हैं।

ऐसा प्रतीत हो रहा था कि एडी को दूसरा मौका नहीं मिलेगा।

कहां...? कहां...? कहां...? आसमान पहले धुंधले कद्दू के रंग का था, फिर गहरे फ़िरोज़ी रंग का, फिर चमकीले हरे रंग का। एडी हवा में तैर रहा था, और उसकी बाहें अभी भी फैली हुई थीं।

कहाँ।।।?

टावर वाली गाड़ी गिर रही थी। उसे याद था। वह छोटी बच्ची—एमी? एनी?—रो रही थी। उसे याद था। उसे याद था कि उसने कैसे छलांग लगाई। उसे याद था कि वह प्लेटफार्म से टकराई थी। उसने उसके दोनों छोटे हाथों को अपने हाथों में महसूस किया।

तब क्या?

क्या मैंने उसे बचाया?

एडी को वह दृश्य दूर से ही दिखाई दे रहा था, मानो वह सालों पहले घटित हुआ हो। उससे भी अजीब बात यह थी कि उसे उससे जुड़ी कोई भावना महसूस नहीं हो रही थी। वह बस शांत था, जैसे कोई बच्चा अपनी माँ की गोद में होता है।

कहाँ।।।?

उसके चारों ओर का आकाश फिर से बदल गया, पहले अंगूर के पीले रंग का, फिर गहरे हरे रंग का, और फिर गुलाबी रंग का जिसे एडी ने क्षण भर के लिए, अजीब बात है, कॉटन कैंडी से जोड़ दिया।
क्या मैंने उसे बचाया?
क्या वह जीवित थी?
कहाँ । । ।
...क्या यही मेरी चिंता है?
मेरा दर्द कहाँ है?
यही तो कमी थी। उसे अब तक जितने भी दर्द और तकलीफें झेलनी पड़ी थीं, सब गायब हो गए थे, जैसे एक साँस निकल गई हो। उसे पीड़ा का एहसास नहीं हो रहा था। उसे उदासी का एहसास नहीं हो रहा था। उसकी चेतना धुंधली, हल्की-सी, शांत के सिवा किसी भी भावना से रहित लग रही थी। अब उसके नीचे, रंग फिर से बदल गए। कुछ घूम रहा था। पानी। एक महासागर। वह एक विशाल पीले सागर के ऊपर तैर रहा था। अब वह तरबूज़ जैसा लाल हो गया। अब वह नीलम जैसा। अब वह नीचे गिरने लगा, सतह की ओर तेज़ी से। यह उसकी कल्पना से भी कहीं ज़्यादा तेज़ था, फिर भी उसके चेहरे पर हवा का एक झोंका भी नहीं था, और उसे कोई डर नहीं था। उसने एक सुनहरे किनारे की रेत देखी।
फिर वह पानी के अंदर चला गया।
फिर सब कुछ शांत हो गया।
मेरी चिंता कहाँ है?
मेरा दर्द कहाँ है?

आज एडी का जन्मदिन है

वह पाँच साल का है। रूबी पियर पर रविवार की दोपहर है। लंबे सफेद समुद्र तट के

नज़ारे वाले बोर्डवॉक के किनारे पिकनिक टेबल लगी हुई हैं। नीली मोमबत्तियों वाला एक वेनिला केक रखा है। संतरे के रस का एक कटोरा भी है। पियर के कर्मचारी इधर-उधर घूम रहे हैं, साथ में शोर मचाने वाले, तमाशा करने वाले, जानवरों को प्रशिक्षण देने वाले और मछली पालन विभाग के कुछ लोग भी हैं। एडी के पिता हमेशा की तरह ताश खेल रहे हैं। एडी उनके पैरों के पास बैठकर खेल रहा है। उसका बड़ा भाई, जो, कुछ बुजुर्ग महिलाओं के सामने पुश-अप्स कर रहा है, जो दिलचस्पी दिखाने का नाटक करती हैं और शिष्टाचारवश ताली बजाती हैं।

एडी ने अपने जन्मदिन का तोहफा, एक लाल काउबॉय टोपी और एक खिलौना होल्स्टर पहना हुआ है। वह उठता है और एक समूह से दूसरे समूह की ओर दौड़ता है, खिलौना बंदूक निकालता है और चिल्लाता है, "बैंग, बैंग!"

"इधर आओ लड़के," मिकी शी ने बेंच से इशारा किया।

"बैंग, बैंग," एडी कहता है।

मिकी शी एडी के पिताजी के साथ झूलों की मरम्मत का काम करता है। वह मोटा है, सस्पेंडर्स पहनता है और हमेशा आयरिश गाने गाता रहता है। एडी को उससे खांसी की दवा जैसी अजीब सी गंध आती है।

"इधर आओ। मैं तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें जन्मदिन की बधाई देता हूँ," वह कहता है। "जैसे हम आयरलैंड में करते हैं।"

अचानक, मिकी के बड़े-बड़े हाथ एडी के हाथों के नीचे आ जाते हैं और उसे ऊपर उठा लिया जाता है, फिर उसे पलटकर पैरों से लटका दिया जाता है। एडी की टोपी गिर जाती है।

"मिकी, संभलकर!" एडी की माँ चिल्लाई। एडी के पिता ने ऊपर देखा, मुस्कुराए और फिर ताश खेलने में जुट गए।

"हो, हो। मैंने उसे पकड़ लिया," मिकी कहता है। "अब। हर साल के लिए एक जन्मदिन की टक्कर।"

मिकी एडी को धीरे से नीचे उतारता है, जब तक कि उसका सिर फर्श को न छू ले।

"एक!"

मिकी एडी को वापस ऊपर उठा लेता है। बाकी लोग भी हंसते हुए उसका साथ देते हैं। वे चिल्लाते हैं, "दो! . . . तीन!"

उलटी दिशा में भटकते हुए एडी को समझ नहीं आ रहा कि कौन क्या है। उसका सिर

भारी होता जा रहा है।
"चार! ..." वे चिल्लाते हैं। "पाँच!"
एडी को सीधा करके नीचे रख दिया जाता है। सब लोग ताली बजाते हैं। एडी अपनी टोपी लेने के लिए हाथ बढ़ाता है, फिर लड़खड़ाकर गिर जाता है। वह उठता है, लड़खड़ाते हुए मिकी शी के पास जाता है और उसकी बांह पर एक मुक्का मारता है।
"हो-हो! ये क्या था, नन्हे बच्चे?" मिकी कहता है। सब हंस पड़ते हैं। एडी मुड़कर भाग जाता है, तीन कदम चलने के बाद उसकी माँ उसे बाहों में भर लेती है।
"क्या तुम ठीक हो, मेरे प्यारे जन्मदिन के लड़के?" वह उसके चेहरे से बस कुछ ही इंच दूर है। वह उसकी गहरी लाल लिपस्टिक, उसके भरे-भरे, कोमल गाल और उसके भूरे बालों की लहर देख सकता है।
"मैं उल्टा हो गया था," वह उससे कहता है।
"मैंने देखा," वह कहती है।
वह उसकी टोपी उसके सिर पर वापस रख देती है। बाद में, वह उसे घाट पर टहलाएगी, शायद उसे हाथी की सवारी कराएगी, या मछुआरों को शाम के जाल खींचते हुए देखेगी, जहाँ मछलियाँ चमकदार, गीले सिक्कों की तरह उछलती हैं। वह उसका हाथ पकड़ेगी और उसे बताएगी कि जन्मदिन पर अच्छा बच्चा होने के लिए भगवान को उस पर गर्व है, और इससे दुनिया फिर से सही लगने लगेगी।

आगमन

एडी एक चाय के कप में जागा।
यह किसी पुराने मनोरंजन पार्क के झूले का हिस्सा था—गहरे रंग की पॉलिश की हुई लकड़ी से बना एक बड़ा सा चाय का प्याला, जिसमें गद्देदार सीट और स्टील के कब्ज़ों

वाला दरवाज़ा था। एडी के हाथ-पैर किनारों से लटक रहे थे। आसमान का रंग लगातार बदल रहा था, जूते के चमड़े जैसे भूरे रंग से लेकर गहरे लाल रंग तक।
उसकी स्वाभाविक इच्छा अपनी छड़ी उठाने की थी। उसने पिछले कुछ वर्षों से इसे अपने बिस्तर के पास रखा हुआ था, क्योंकि कई बार सुबहें ऐसी होती थीं जब छड़ी के बिना उठने की ताकत उसमें नहीं रहती थी। इससे एडी को शर्मिंदगी महसूस होती थी, जो पहले लोगों का अभिवादन करते समय उनके कंधों पर घूंसे मारता था।
लेकिन अब उसके पास कोई छड़ी नहीं थी, इसलिए एडी ने गहरी सांस ली और खुद को ऊपर खींचने की कोशिश की। हैरानी की बात यह थी कि उसकी पीठ में दर्द नहीं था। उसके पैर में भी कोई दर्द नहीं था। उसने और जोर लगाया और आसानी से खुद को चाय के कप के किनारे से ऊपर उठा लिया, लेकिन ज़मीन पर अजीब तरह से उतरा, जहाँ उसके मन में तीन विचार तेज़ी से आए।
पहले तो उन्हें बहुत अच्छा लगा।
दूसरा, वह बिल्कुल अकेला था।
तीसरी बात, वह अभी भी रूबी पियर पर था।
लेकिन अब रूबी पियर पहले जैसा नहीं था। वहाँ कैनवास के तंबू और खाली घास के मैदान थे, और इतनी कम रुकावटें थीं कि समुद्र में फैली काई से ढकी तटबंध साफ दिखाई देती थी। आकर्षणों के रंग गहरे लाल और मलाईदार सफेद थे—नीला या गहरा लाल रंग नहीं—और हर झूले का अपना लकड़ी का टिकट बूथ था। जिस चाय के कप में वह जागा था, वह स्पिन-ओ-रामा नामक एक साधारण आकर्षण का हिस्सा था। इसका साइनबोर्ड प्लाईवुड का था, जैसे कि सैरगाह के किनारे बनी दुकानों पर लगे अन्य छोटे-छोटे साइनबोर्ड भी प्लाईवुड के थे।

एल टिएम्पो सिगार! अब, वह एक धुआं है!
चॉडर, 10 सेंट!
व्हिपर की सवारी करें—युग की सनसनी!

एडी ने पलकें झपकाईं। यह वही रूबी पियर था जो उसके बचपन में था, लगभग 75

साल पहले, बस फर्क इतना था कि सब कुछ नया और एकदम साफ-सुथरा था। उधर लूप-द-लूप झूला था—जो दशकों पहले तोड़ दिया गया था—और उधर स्नानघर और खारे पानी के स्विमिंग पूल थे जिन्हें 1950 के दशक में ध्वस्त कर दिया गया था। उधर, आसमान में ऊंचा उठता हुआ, मूल फेरिस व्हील था—अपने बेदाग सफेद रंग में —और उससे आगे, उसके पुराने मोहल्ले की गलियां और भीड़भाड़ वाली ईंटों की इमारतों की छतें थीं, जिनकी खिड़कियों से कपड़े सुखाने की रस्सियां लटक रही थीं। एडी ने चिल्लाने की कोशिश की, लेकिन उसकी आवाज कर्कश हवा जैसी थी। उसने मुंह से "हे!" कहा, लेकिन उसके गले से कुछ नहीं निकला।

उसने अपने हाथों और पैरों को पकड़ा। आवाज़ न होने के अलावा, वह खुद को अद्भुत महसूस कर रहा था। वह गोल-गोल घूमा। वह कूदा। कोई दर्द नहीं। पिछले दस सालों में, वह यह भूल चुका था कि बिना दर्द के चलना या कमर में दर्द के लिए संघर्ष किए बिना बैठना कैसा होता है। बाहर से, वह सुबह जैसा ही दिख रहा था: टोपी, शॉर्ट्स और भूरे रंग की मेंटेनेंस जर्सी पहने एक गठीला, चौड़े सीने वाला बूढ़ा आदमी। लेकिन वह लचीला था। इतना लचीला कि वह अपने टखनों के पीछे छू सकता था और एक पैर को अपने पेट तक उठा सकता था। वह अपने शरीर को एक शिशु की तरह खोज रहा था, नई यांत्रिकी से मोहित, एक रबर का आदमी रबर के आदमी की तरह खिंचाव कर रहा था।

फिर वह भाग गया।

हा हा! दौड़ना! एडी ने सचमुच 60 से अधिक वर्षों में दौड़ नहीं लगाई थी, युद्ध के बाद से तो बिल्कुल नहीं, लेकिन अब वह दौड़ रहा था, कुछ धीरे-धीरे कदमों से शुरुआत करते हुए, फिर पूरी रफ्तार से, तेज़, तेज़, ठीक वैसे ही जैसे वह अपने बचपन में दौड़ता था। वह बोर्डवॉक पर दौड़ा, मछुआरों के लिए मछली पकड़ने के सामान की दुकान (पाँच सेंट) और तैराकों के लिए स्विमिंग सूट किराए पर देने की दुकान (तीन सेंट) के पास से गुजरा। वह 'द डिपसी डूडल' नाम के एक स्लाइड के पास से गुजरा। वह रूबी पियर प्रोमेनेड पर दौड़ा, भव्य इमारतों के नीचे से, जो मूरिश शैली में बनी थीं, जिनमें शिखर, मीनारें और प्याज के आकार के गुंबद थे। वह पेरिसियन हिंडोले के पास से गुजरा, जिसमें नक्काशीदार लकड़ी के घोड़े, कांच के दर्पण और वर्लिट्ज़र ऑर्गन थे, सब कुछ चमकदार और नया। ऐसा लग रहा था जैसे एक घंटा पहले ही वह दुकान में इसके पुर्जों से जंग साफ कर रहा था।

वह पुराने मेले के बीचोंबीच दौड़ रहा था, जहाँ कभी वजन बताने वाले, ज्योतिषी और नाचने वाले खानाबदोश काम करते थे। उसने अपनी ठुड्डी नीचे झुकाई और बाहें फैला दीं, मानो वह कोई ग्लाइडर चला रहा हो, और हर कुछ कदम पर बच्चों की तरह उछलता, इस उम्मीद में कि दौड़ना उड़ने में बदल जाएगा। देखने वाले किसी को भी यह हास्यास्पद लग सकता था, कि यह सफ़ेद बालों वाला रख-रखाव कर्मचारी, बिल्कुल अकेला, हवाई जहाज की तरह उछल रहा है। लेकिन दौड़ने वाला बच्चा हर इंसान के अंदर होता है, चाहे उसकी उम्र कितनी भी हो जाए।

और फिर एडी दौड़ना बंद कर दिया। उसने कुछ सुना। एक कर्कश आवाज़, मानो मेगाफोन से आ रही हो।
महोदय और महोदय, उनके बारे में आपका क्या कहना है? क्या आपने कभी ऐसा भयावह दृश्य देखा है?
एडी एक बड़े थिएटर के सामने एक खाली टिकट काउंटर के पास खड़ा था। ऊपर लगे बोर्ड पर लिखा था:

दुनिया के सबसे जिज्ञासु नागरिक।
रूबी पियर का साइडशो!
अरे बाप रे! ये तो मोटे हैं! ये तो पतले हैं!
जंगली आदमी को देखो!

तमाशा। अजूबों का अड्डा। शोर-शराबे का अड्डा। एडी को याद आया कि उन्होंने इसे कम से कम 50 साल पहले बंद कर दिया था, लगभग उसी समय जब टेलीविजन लोकप्रिय हुआ और लोगों को अपनी कल्पना को जगाने के लिए तमाशों की ज़रूरत नहीं रही।
"इस असभ्य व्यक्ति पर अच्छी तरह से नजर डालो, जो एक अत्यंत विचित्र विकलांगता के साथ पैदा हुआ है..."

एडी ने प्रवेश द्वार से अंदर झाँका। यहाँ उसकी मुलाकात कुछ अजीबोगरीब लोगों से हुई थी। वहाँ जॉली जेन थी, जिसका वजन 500 पाउंड से अधिक था और उसे सीढ़ियों से ऊपर चढ़ाने के लिए दो आदमियों की ज़रूरत पड़ती थी। वहाँ जुड़ी हुई जुड़वाँ बहनें थीं, जिनकी रीढ़ की हड्डी एक ही थी और वे वाद्य यंत्र बजाती थीं। वहाँ तलवारें निगलने वाले पुरुष थे, दाढ़ी वाली महिलाएँ थीं, और दो भारतीय भाई थे जिनकी त्वचा तेल में भिगोने और खींचने से इतनी लचीली हो गई थी कि उनके अंगों से गुच्छों की तरह लटकने लगी थी।

एडी को बचपन में तमाशों में काम करने वाले कलाकारों पर तरस आता था। उन्हें बूथों या मंचों पर बैठने के लिए मजबूर किया जाता था, कभी-कभी सलाखों के पीछे, जबकि दर्शक उनके पास से गुजरते हुए उन्हें घूरते और उंगली दिखाते थे। एक उद्घोषक उस विचित्रता का शोर मचाता था, और एडी को अब उसी उद्घोषक की आवाज सुनाई दे रही थी।

"केवल भाग्य का एक भयानक मोड़ ही किसी व्यक्ति को ऐसी दयनीय स्थिति में छोड़ सकता है! दुनिया के सबसे दूर कोने से, हम उसे आपकी जांच के लिए लाए हैं—"

एडी अंधेरे हॉल में दाखिल हुआ। आवाज तेज होती चली गई।

"इस दुखद आत्मा ने प्रकृति के विकृत रूप को सहा है—"

यह मंच के दूसरी तरफ से आ रही थी।

"केवल यहीं, दुनिया के सबसे जिज्ञासु नागरिकों के यहाँ, आप इसे करीब से देख सकते हैं. . ."

एडी ने पर्दा एक तरफ खींच दिया।

"सबसे अनोखे दृश्य पर अपनी निगाहें टिकाएं—"

उद्घोषक की आवाज गायब हो गई। और एडी अविश्वास से पीछे हट गया।

वहाँ, मंच पर अकेले, एक कुर्सी पर बैठा हुआ, एक अधेड़ उम्र का आदमी था जिसके कंधे संकरे और झुके हुए थे, और कमर से ऊपर का हिस्सा नंगा था। उसका पेट बेल्ट के ऊपर लटका हुआ था। उसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे। उसके होंठ पतले थे और चेहरा लंबा और मुरझाया हुआ था। एडी उसे बहुत पहले ही भूल गया होता, अगर उसकी एक खास विशेषता न होती।

उसकी त्वचा नीली थी।

"हेलो, एडवर्ड," उसने कहा। "मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था।"

स्वर्ग में एडी की मुलाकात का पहला व्यक्ति

डरो मत...” नीले रंग के आदमी ने धीरे-धीरे अपनी कुर्सी से उठते हुए कहा। “डरो मत...”

उसकी आवाज़ सुकून देने वाली थी, लेकिन एडी बस देखता ही रह गया। वह इस आदमी को ठीक से जानता भी नहीं था। अब वह उसे क्यों देख रहा था? वह उन चेहरों में से एक था जो सपनों में अचानक आ जाते हैं और अगली सुबह आप कहते हैं, "तुम कभी अंदाज़ा नहीं लगा पाओगे कि मैंने कल रात किसके बारे में सपना देखा था।"

"तुम्हारा शरीर किसी बच्चे जैसा लगता है, है ना?"

एडी ने सिर हिलाया।

"जब तुम मुझे जानते थे तब तुम बच्चे थे, इसीलिए। तुम उन्हीं भावनाओं से शुरुआत करते हो जो तुम्हारे मन में थीं।"

क्या शुरू करें? एडी ने सोचा।

नीले रंग के आदमी ने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई। उसकी त्वचा का रंग भद्दा था, जैसे भूरा-भूरा नीला। उसकी उंगलियां झुर्रीदार थीं। वह बाहर चला गया। एडी उसके पीछे-पीछे गया। घाट खाली था। समुद्र तट खाली था। क्या पूरी दुनिया ही खाली थी?

"मुझे कुछ बताओ," ब्लू मैन ने कहा। उसने दूर दिख रहे दो कूबड़ वाले लकड़ी के रोलर कोस्टर की ओर इशारा किया। व्हिपर। यह 1920 के दशक में बना था, जब घर्षण-रहित पहिए नहीं थे, यानी गाड़ियाँ बहुत तेज़ी से नहीं मुड़ सकती थीं—जब तक कि आप उन्हें पटरी से उतारना न चाहें। "व्हिपर। क्या यह अभी भी 'धरती पर सबसे तेज़ सवारी' है?"

एडी ने उस पुरानी खटखट इमारत को देखा, जिसे सालों पहले तोड़ दिया गया था।

उसने सिर हिलाकर मना कर दिया।
"आह," नीले आदमी ने कहा। "मैंने यही सोचा था। यहाँ चीजें नहीं बदलतीं। और मुझे डर है कि यहाँ बादलों से नीचे झाँकने का कोई मौका नहीं है।"
यहां? एडी ने सोचा।
ब्लू मैन मुस्कुराया मानो उसने सवाल सुन लिया हो। उसने एडी के कंधे को छुआ और एडी को ऐसी गर्माहट का एहसास हुआ जैसा उसने पहले कभी महसूस नहीं किया था। उसके मन में विचार वाक्यों की तरह उमड़ पड़े।
मेरी मृत्यु कैसे हुई?
"एक दुर्घटना," ब्लू मैन ने कहा।
मैं कब से मृत हूँ?
एक मिनट। एक घंटा। एक हजार साल।
मैं कहाँ हूँ?
नीले आदमी ने अपने होंठ सिकोड़े, फिर सोच-विचार करते हुए सवाल दोहराया। "तुम कहाँ हो?" वह मुड़ा और अपनी बाहें ऊपर उठाईं। अचानक, पुराने रूबी पियर के झूले चालू हो उठे: फेरिस व्हील घूमने लगा, डॉजम कारें आपस में टकराने लगीं, व्हिपर ऊपर की ओर सरपट दौड़ने लगा, और पेरिसियन कैरोसेल के घोड़े वर्लिट्ज़र ऑर्गन के मधुर संगीत पर अपने पीतल के खंभों पर उछलने लगे। उनके सामने समुद्र था। आसमान नींबू के रंग का था।
"तुम्हें क्या लगता है?" नीले आदमी ने पूछा। "स्वर्ग।"

नहीं! एडी ने अपना सिर ज़ोर से हिलाया। नहीं! नीले आदमी को मज़ा आ रहा था।
"नहीं? यह स्वर्ग नहीं हो सकता?" उसने कहा। "क्यों? क्योंकि तुम यहीं पले-बढ़े हो?"
एडी ने होंठों से 'हां' कहा।
"आह।" नीले आदमी ने सिर हिलाया। "अच्छा। लोग अक्सर उस जगह को कमतर आंकते हैं जहाँ वे पैदा होते हैं। लेकिन स्वर्ग सबसे अप्रत्याशित कोनों में भी मिल सकता है। और स्वर्ग के भी कई चरण होते हैं। मेरे लिए यह दूसरा चरण है। और आपके लिए पहला।"
वह एडी को पार्क से होते हुए ले गया, रास्ते में सिगार की दुकानें, सॉसेज के स्टॉल

और वे "फ्लैट जॉइंट्स" आए, जहां बेवकूफ लोग अपने सिक्के और छोटे नोट गंवा देते थे।
स्वर्ग? एडी ने सोचा। बेतुका! उसने अपनी जवानी का ज़्यादातर समय रूबी पियर से दूर रहने की कोशिश में बिताया था। यह बस एक मनोरंजन पार्क था, चीखने-चिल्लाने, भीगने और अपने पैसों से क्यूपी गुड़िया खरीदने की जगह। यह सोचना कि यह किसी तरह का पवित्र विश्राम स्थल हो सकता है, उसकी कल्पना से परे था।
उसने दोबारा बोलने की कोशिश की, और इस बार उसे अपनी छाती से एक हल्की सी घुरघुराहट सुनाई दी। नीले रंग का आदमी मुड़ा।
"तुम्हारी आवाज़ आ जाएगी। हम सब एक ही दौर से गुज़रते हैं। जब तुम पहली बार आते हो तो बोल नहीं पाते।" वह मुस्कुराया। "इससे तुम्हें सुनने में मदद मिलती है।"

"स्वर्ग में तुम्हारी मुलाकात पाँच लोगों से होगी," नीले रंग के उस व्यक्ति ने अचानक कहा। "हममें से हर कोई किसी न किसी कारण से तुम्हारे जीवन में आया था। हो सकता है कि उस समय तुम्हें वह कारण पता न हो, और स्वर्ग इसीलिए है। ताकि तुम धरती पर अपने जीवन को समझ सको।"
एडी असमंजस में दिख रहा था।
"लोग स्वर्ग को एक स्वर्गिक उद्यान के रूप में देखते हैं, एक ऐसी जगह जहाँ वे बादलों पर तैर सकते हैं और नदियों और पहाड़ों में विश्राम कर सकते हैं। लेकिन शांति के बिना दृश्य अर्थहीन है।"
"यह सबसे बड़ा उपहार है जो ईश्वर आपको दे सकता है: आपके जीवन में जो कुछ हुआ उसे समझना। उसका स्पष्टीकरण पाना। यही वह शांति है जिसकी आप तलाश कर रहे थे।"
एडी ने खांसते हुए अपनी आवाज उठाने की कोशिश की। वह चुप रहने से थक गया था।
"मैं तुम्हारी पहली शख्सियत हूँ, एडवर्ड। जब मेरी मृत्यु हुई, तो पाँच अन्य लोगों के जीवन ने मेरे जीवन को रोशन किया, और फिर मैं यहाँ तुम्हारा इंतज़ार करने, तुम्हारी कतार में खड़े होने, तुम्हें अपनी कहानी सुनाने आई, जो तुम्हारी कहानी का हिस्सा बन जाएगी। तुम्हारे लिए भी और लोग होंगे। कुछ को तुम जानते थे, शायद कुछ को नहीं।

लेकिन मरने से पहले वे सभी तुम्हारे रास्ते में आए। और उन्होंने तुम्हारे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया।"
एडी ने अपनी पूरी ताकत से सीने से एक आवाज़ निकाली।
"क्या..." उसने अंततः धीमी, कर्कश आवाज में कहा।
उसकी आवाज किसी चूजे के खोल को तोड़कर बाहर आती हुई प्रतीत हो रही थी।
"किस चीज़ ने... मार डाला..."
ब्लू मैन ने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की।
"किस चीज़ ने... तुम्हें मार डाला?"
ब्लू मैन थोड़ा हैरान लग रहा था। उसने एडी की तरफ मुस्कुराया।
"तुमने किया," उसने कहा।

आज एडी का जन्मदिन है

वह सात साल का है और उसे एक नई बेसबॉल उपहार में मिली है। वह उसे दोनों हाथों में कसकर पकड़ता है, और अपनी बाहों में एक ज़बरदस्त ऊर्जा का संचार महसूस करता है। वह कल्पना करता है कि वह क्रैकर जैक कलेक्टर कार्ड पर बने अपने नायकों में से एक है, शायद महान पिचर वाल्टर जॉनसन।
"लो, इसे फेंक दो," उसका भाई जो कहता है।
वे खेल के मैदान के किनारे-किनारे दौड़ रहे हैं, उस खेल बूथ के पास से गुजरते हुए जहाँ अगर आप तीन हरी बोतलें गिरा देते हैं, तो आपको एक नारियल और एक स्ट्रॉ मिलता है।
"चलो एडी," जो कहता है। "बांट लो।"
एडी रुक जाता है और खुद को एक स्टेडियम में होने की कल्पना करता है। वह गेंद फेंकता है। उसका भाई अपनी कोहनी अंदर खींच लेता है और झुक जाता है।
"बहुत मुश्किल!" जो चिल्लाता है।

"मेरी गेंद!" एडी चिल्लाता है। "तुम्हें धिक्कार है, जो।"
एडी उसे फुटपाथ पर धड़ाम से गिरते हुए और एक खंभे से टकराकर तंबुओं के पीछे एक छोटे से खुले मैदान में जाते हुए देखता है। वह उसके पीछे दौड़ता है। जो भी उसके पीछे आता है। वे दोनों ज़मीन पर गिर पड़ते हैं।
"क्या तुम इसे देख रहे हो?" एडी कहता है।
"नहीं।"
एक ज़ोरदार आवाज़ से उनकी खलल पड़ती है। तंबू का पर्दा खुलता है। एडी और जो ऊपर देखते हैं। वहाँ एक बेहद मोटी औरत और एक बिना शर्ट का आदमी है जिसके पूरे शरीर पर लाल बाल हैं। अजीबोगरीब तमाशे के अजूबे।
बच्चे जम जाते हैं।
"तुम जैसे ज्ञानी लोग यहाँ वापस क्या कर रहे हो?" बालदार आदमी मुस्कुराते हुए बोला। "क्या मुसीबत मोल लेने आए हो?"
जो के होंठ कांपने लगते हैं। वह रोने लगता है। वह उछलकर भाग जाता है, उसके हाथ बेतहाशा हिल रहे होते हैं। एडी भी उठता है, फिर देखता है कि उसकी गेंद लकड़ी के स्टैंड पर पड़ी है। वह बिना शर्ट पहने हुए आदमी को देखता है और धीरे-धीरे उसकी ओर बढ़ता है।
"यह मेरी है," वह बुदबुदाता है। वह गेंद उठाता है और अपने भाई के पीछे दौड़ता है।

"सुनिए, महोदय," एडी ने कर्कश स्वर में कहा, "मैंने आपको कभी नहीं मारा, ठीक है? मैं आपको जानता भी नहीं।"
ब्लू मैन एक बेंच पर बैठा था। वह मुस्कुरा रहा था मानो किसी मेहमान को सहज महसूस कराने की कोशिश कर रहा हो। एडी रक्षात्मक मुद्रा में खड़ा रहा।
"चलिए, मैं अपने असली नाम से शुरुआत करता हूँ," ब्लू मैन ने कहा। "मेरा नाम जोसेफ कोरवेल्ज़चिक रखा गया था, मैं पोलैंड के एक छोटे से गाँव में एक दर्जी का

बेटा था। हम 1894 में अमेरिका आए थे। मैं तब बहुत छोटा था। मेरी माँ ने मुझे जहाज की रेलिंग पर झुलाया था और यह मेरी बचपन की सबसे पहली याद बन गई, मेरी माँ मुझे एक नई दुनिया की हवाओं में झुला रही थी।"

"अधिकांश प्रवासियों की तरह, हमारे पास पैसे नहीं थे। हम अपने चाचा के रसोईघर में गद्दे पर सोते थे। मेरे पिता को मजबूरी में एक कारखाने में काम करना पड़ा, जहाँ वे कोटों पर बटन सिलते थे। जब मैं दस साल का था, तो उन्होंने मुझे स्कूल से निकाल लिया और मैं उनके साथ काम करने लगा।"

एडी ने नीले रंग के उस आदमी के झुर्रियों से भरे चेहरे, उसके पतले होंठों और लटके हुए सीने को गौर से देखा। एडी ने सोचा, वह मुझे यह सब क्यों बता रहा है?

"मैं स्वभाव से ही घबराया हुआ बच्चा था, और दुकान का शोर तो स्थिति को और भी बदतर बना देता था। मैं वहां, उन सभी पुरुषों के बीच, गाली-गलौज और शिकायत करते हुए रहने के लिए बहुत छोटा था।"

जब भी फोरमैन पास आता, मेरे पिता मुझसे कहते, 'नीचे देखो। उसे अपनी ओर ध्यान मत दिलाओ।' लेकिन एक बार मैं ठोकर खाकर गिर गया और बटनों से भरा बोरा ज़मीन पर बिखर गया। फोरमैन चिल्लाया कि मैं निकम्मा हूँ, एक निकम्मा बच्चा हूँ, मुझे यहाँ से जाना होगा। मुझे वह पल आज भी याद है, मेरे पिता उससे सड़क के भिखारी की तरह गिड़गिड़ा रहे थे, फोरमैन मेरा मज़ाक उड़ा रहा था और अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपनी नाक पोंछ रहा था। मेरे पेट में दर्द होने लगा। फिर मुझे अपने पैर पर कुछ गीला सा महसूस हुआ। मैंने नीचे देखा। फोरमैन ने मेरी गंदी पैंट की ओर इशारा किया और हँसने लगा, और दूसरे मज़दूर भी हँसने लगे।

उसके बाद मेरे पिता ने मुझसे बात करना बंद कर दिया। उन्हें लगा कि मैंने उन्हें शर्मिंदा किया है, और शायद उनकी नज़र में मैंने किया भी था। लेकिन पिता अपने बेटों को बिगाड़ सकते हैं, और एक तरह से मैं भी उसके बाद बिगड़ गया। मैं एक घबराया हुआ बच्चा था, और बड़ा होकर एक घबराया हुआ नौजवान बन गया। सबसे बुरी बात यह थी कि रात को मैं अब भी बिस्तर गीला कर देता था। सुबह मैं चुपके से गंदी चादरें वॉशबेसिन में ले जाकर भिगो देता था। एक सुबह मैंने ऊपर देखा तो मेरे पिता खड़े थे। उन्होंने गंदी चादरें देखीं, फिर मुझे ऐसी आँखों से घूरा जिन्हें मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा, मानो वे हमारे बीच के जीवन के बंधन को तोड़ देना चाहते हों।

ब्लू मैन रुक गया। उसकी त्वचा, जो मानो नीले तरल में भीगी हुई थी, उसकी कमर

के चारों ओर छोटी-छोटी वसायुक्त परतों में मुड़ी हुई थी। एडी उसे घूरने से खुद को रोक नहीं पाया।

"मैं हमेशा से ऐसा सनकी नहीं था, एडवर्ड," उसने कहा। "लेकिन उस समय, चिकित्सा बहुत ही आदिम थी। मैं अपनी घबराहट के लिए कुछ लेने एक रसायनज्ञ के पास गया। उसने मुझे सिल्वर नाइट्रेट की एक बोतल दी और कहा कि इसे पानी में मिलाकर हर रात पी लो। सिल्वर नाइट्रेट। बाद में इसे ज़हर माना गया। लेकिन मेरे पास यही एकमात्र विकल्प था, और जब इससे कोई फायदा नहीं हुआ, तो मैंने यही सोचा कि मैं पर्याप्त मात्रा में सेवन नहीं कर रहा हूँ। इसलिए मैंने और ज़्यादा ले लिया। मैं बिना पानी के दो-तीन घूंट पी जाता था।"

"जल्द ही लोग मुझे अजीब नजरों से देखने लगे। मेरी त्वचा राख के रंग की होती जा रही थी।"

"मुझे शर्म और घबराहट महसूस हुई। मैंने और भी अधिक सिल्वर नाइट्रेट निगल लिया, जब तक कि मेरी त्वचा का रंग भूरे से नीला नहीं हो गया, जो जहर का एक दुष्प्रभाव था।"

ब्लू मैन रुका। उसकी आवाज़ धीमी हो गई। "फैक्ट्री ने मुझे निकाल दिया। फोरमैन ने कहा कि मैं दूसरे मजदूरों को डराता हूँ। बिना काम के मैं कैसे खाऊँगा? कहाँ रहूँगा?"

"मुझे एक शराबखाना मिला, एक अंधेरी जगह जहाँ मैं टोपी और कोट के नीचे छिप सकता था। एक रात, मेले के कुछ लोग पीछे बैठे थे। वे सिगार पी रहे थे। वे हंस रहे थे। उनमें से एक, लकड़ी के पैर वाला एक छोटा सा आदमी, मुझे लगातार देख रहा था। आखिरकार, वह मेरे पास आया।"

"रात खत्म होते-होते, मैं उनके मेले में शामिल होने के लिए राजी हो गया। और एक वस्तु के रूप में मेरा जीवन शुरू हो गया।"

एडी ने ब्लू मैन के चेहरे पर निराशा का भाव देखा। वह अक्सर सोचता था कि तमाशे के कलाकार कहाँ से आते हैं। उसे लगता था कि उनमें से हर एक के पीछे कोई न कोई दुख भरी कहानी जरूर होगी।

"मेलों ने ही मुझे नाम दिए, एडवर्ड। कभी मैं उत्तरी ध्रुव का नीला आदमी कहलाता था, कभी अल्जीरिया का नीला आदमी, कभी न्यूजीलैंड का नीला आदमी। बेशक, मैं इनमें से किसी भी जगह कभी गया नहीं था, लेकिन किसी चित्रकार के हस्ताक्षर पर ही सही, एक अनोखा व्यक्ति कहलाना अच्छा लगता था। 'शो' सीधा-सादा था। मैं मंच

पर आधा नंगा बैठा रहता था, लोग आते-जाते रहते थे और उद्घोषक उन्हें बताता था कि मैं कितना दयनीय हूँ। इसके बदले में मुझे कुछ पैसे मिल जाते थे। एक बार मैनेजर ने मुझे अपने अस्तबल का 'सबसे अजीबोगरीब कलाकार' कहा था, और सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन मुझे इस बात पर गर्व था। जब आप समाज से बहिष्कृत होते हैं, तो फेंका हुआ पत्थर भी कीमती लगने लगता है।"

"एक सर्दी के मौसम में, मैं इस घाट पर आया। रूबी घाट। वे 'द क्यूरियस सिटिजन्स' नाम से एक छोटा सा शो शुरू कर रहे थे। मुझे एक ही जगह पर रहने और मेले के उबड़-खाबड़ घोड़ागाड़ियों से बचने का विचार अच्छा लगा।"

"यही मेरा घर बन गया था। मैं एक सॉसेज की दुकान के ऊपर वाले कमरे में रहता था। रात में मैं दूसरे तमाशबीनों, टिन के कारीगरों और कभी-कभी तुम्हारे पिताजी के साथ भी ताश खेलता था। सुबह-सुबह, अगर मैं लंबी कमीज़ पहनता और अपने सिर पर तौलिया लपेट लेता, तो मैं लोगों को डराए बिना इस समुद्र तट पर टहल सकता था। सुनने में शायद यह मामूली लगे, लेकिन मेरे लिए यह एक ऐसी आज़ादी थी जो मैंने बहुत कम ही महसूस की थी।"

वह रुक गया। उसने एडी की तरफ देखा।

"क्या तुम समझते हो? हम यहाँ क्यों हैं? यह तुम्हारा स्वर्ग नहीं है। यह मेरा स्वर्ग है।"

एक कहानी को दो अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखिए। जुलाई के महीने में, 1920 के दशक के उत्तरार्ध में, एक बरसात वाली रविवार की सुबह का समय लीजिए, जब एडी और उसके दोस्त बेसबॉल फेंक रहे थे। एडी को लगभग एक साल पहले उसके जन्मदिन पर बेसबॉल मिला था। एक पल ऐसा आता है जब गेंद एडी के सिर के ऊपर से निकलकर सड़क पर चली जाती है। भूरे रंग की पैंट और ऊनी टोपी पहने एडी उसके पीछे भागता है और एक फोर्ड मॉडल ए कार के सामने आ जाता है। कार ज़ोर से ब्रेक लगाती है, मुड़ती है और बाल-बाल उसे टक्कर मारती है। वह कांपता है, गहरी सांस लेता है, गेंद उठाता है और अपने दोस्तों के पास वापस दौड़ता है। खेल जल्द ही खत्म हो जाता है और बच्चे आर्केड में जाकर एरी डिगर मशीन खेलने लगते हैं, जिसमें पंजे जैसी एक मशीन होती है जो छोटे खिलौनों को उठा लेती है।

अब इसी कहानी को एक अलग नज़रिए से देखिए। एक आदमी अपने दोस्त से

ड्राइविंग का अभ्यास करने के लिए फोर्ड मॉडल ए कार उधार लेकर चला रहा है। सुबह की बारिश से सड़क गीली है। अचानक, एक बेसबॉल सड़क के उस पार उछलती है और एक लड़का उसके पीछे दौड़ता हुआ आता है। ड्राइवर ज़ोर से ब्रेक लगाता है और स्टीयरिंग व्हील को झटका देता है। कार फिसलती है और टायर ज़ोर से घिसटते हैं।

किसी तरह उस आदमी ने गाड़ी पर काबू पा लिया और मॉडल ए आगे बढ़ गई। बच्चा रियरव्यू मिरर में गायब हो चुका था, लेकिन उस आदमी का शरीर अब भी सदमे में था, वह सोच रहा था कि कैसे वह त्रासदी से बाल-बाल बचा। एड्रेनालाईन के तेज बहाव ने उसके दिल को ज़ोर से धड़कने पर मजबूर कर दिया था, और उसका दिल इतना मजबूत नहीं था कि इस धड़कन ने उसे थका दिया। उसे चक्कर आने लगे और उसका सिर एक पल के लिए नीचे झुक गया। उसकी गाड़ी लगभग दूसरी गाड़ी से टकरा गई। दूसरे ड्राइवर ने हॉर्न बजाया, आदमी ने फिर से स्टीयरिंग घुमाई, ब्रेक पैडल दबाया। वह एक सड़क पर फिसलता हुआ गया और फिर एक गली में मुड़ गया। उसकी गाड़ी लुढ़कती रही और एक खड़ी ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। एक हल्की सी टक्कर की आवाज़ आई। हेडलाइट्स टूट गईं। टक्कर से वह आदमी स्टीयरिंग व्हील से जा टकराया। उसके माथे से खून बह रहा था। वह मॉडल ए से बाहर निकला, नुकसान देखा, और फिर गीले फुटपाथ पर गिर पड़ा। उसकी बांह में तेज़ दर्द हो रहा था। उसके सीने में दर्द था। रविवार की सुबह थी। गली खाली थी। वह वहीं पड़ा रहा, किसी का ध्यान उस पर नहीं गया, गाड़ी के किनारे से टिका हुआ। उनकी हृदय धमनियों से रक्त का प्रवाह रुक गया। एक घंटा बीत गया। एक पुलिसकर्मी ने उन्हें पाया। चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत्यु का कारण "हृदयघात" बताया गया। उनके कोई ज्ञात रिश्तेदार नहीं हैं।

एक ही कहानी को दो अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखिए। एक ही दिन, एक ही पल, लेकिन एक दृष्टिकोण का अंत सुखद होता है, एक आर्केड में, जहां भूरे रंग की पैंट पहने एक छोटा लड़का एरी डिगर मशीन में सिक्के डाल रहा होता है, और दूसरे का अंत दुखद होता है, शहर के मुर्दाघर में, जहां एक कर्मचारी दूसरे कर्मचारी को बुलाकर नए आए शव की नीली त्वचा को देखकर आश्चर्यचकित होता है।

"देखा?" नीले आदमी ने अपनी कहानी खत्म करते हुए फुसफुसाया। "छोटा लड़का?" एडी को कंपकंपी महसूस हुई।

"ओह नहीं," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

आज एडी का जन्मदिन है

वह आठ साल का है। वह चेकदार सोफे के किनारे पर बैठा है, गुस्से में अपनी बाहें मोड़े हुए। उसकी माँ उसके पैरों के पास उसके जूते बाँध रही है। उसके पिता शीशे के सामने अपनी टाई ठीक कर रहे हैं।

"मैं जाना नहीं चाहता," एडी कहता है।

"मुझे पता है," उसकी माँ ने ऊपर देखे बिना कहा, "लेकिन हमें करना ही होगा। कभी-कभी दुखद घटनाएँ होने पर कुछ करना ही पड़ता है।"

लेकिन आज मेरा जन्मदिन है।

एडी उदास होकर कमरे के कोने में रखे हुए मशीन के ढांचे को देखता है, जिस पर खिलौने के धातु के गर्डरों का ढेर और तीन छोटे रबर के पहिये रखे हैं। एडी एक ट्रक बना रहा था। उसे चीज़ें जोड़ने में महारत हासिल है। उसने सोचा था कि वह इसे अपने दोस्तों को जन्मदिन की पार्टी में दिखाएगा। लेकिन अब उन्हें कहीं जाना है और सज-धज कर तैयार होना है। यह ठीक नहीं है, वह सोचता है।

उसका भाई, जो, ऊनी पैंट और बो टाई पहने हुए, बाएं हाथ में बेसबॉल दस्ताना पहने हुए अंदर आता है। वह उसे ज़ोर से थपथपाता है। वह एडी की तरफ़ मुंह बनाता है।

जो कहता है, "ये मेरे पुराने जूते थे। मेरे नए जूते उनसे बेहतर हैं।"

एडी मुंह फुला लेता है। उसे जो के पुराने कपड़े पहनने से नफरत है।

"हिलना-डुलना बंद करो," उसकी मां कहती है।

"बहुत दर्द हो रहा है!" एडी रोते हुए बोला।

"बस करो!" उसके पिता चिल्लाते हैं। वे एडी को घूरते हैं। एडी चुप हो जाता है।

कब्रिस्तान में एडी घाट पर मौजूद लोगों को मुश्किल से पहचान पाता है। जो पुरुष आम तौर पर सुनहरे कपड़े और लाल पगड़ी पहनते थे, वे अब उसके पिता की तरह

काले सूट में हैं। महिलाएं भी लगभग एक ही तरह की काली पोशाक पहने हुए हैं; कुछ ने अपने चेहरे घूंघट से ढके हुए हैं।
एडी एक आदमी को गड्ढे में मिट्टी डालते हुए देखता है। वह आदमी राख के बारे में कुछ कहता है। एडी अपनी माँ का हाथ पकड़े हुए सूरज की ओर आँखें सिकोड़ता है। उसे पता है कि उसे उदास होना चाहिए, लेकिन वह मन ही मन गिनती कर रहा है, 1 से शुरू करते हुए, इस उम्मीद में कि जब तक वह 1000 तक पहुँचेगा, तब तक उसका जन्मदिन वापस आ जाएगा।

पहला पाठ

"कृपया, महोदय..." एडी ने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "मुझे पता नहीं था। यकीन मानिए... भगवान मेरी मदद करें, मुझे पता नहीं था।"
नीले रंग के आदमी ने सिर हिलाया। "तुम नहीं जान सकते थे। तुम बहुत छोटे थे।"
एडी पीछे हट गया। उसने अपने शरीर को इस तरह सीधा किया मानो वह लड़ाई के लिए तैयार हो रहा हो।
"लेकिन अब मुझे भुगतान करना होगा," उसने कहा।
"भुगतान करने के लिए?"
"मेरे पाप के लिए। इसीलिए तो मैं यहाँ हूँ, है ना? न्याय के लिए?"
ब्लू मैन मुस्कुराया। "नहीं, एडवर्ड। तुम यहाँ इसलिए हो ताकि मैं तुम्हें कुछ सिखा सकूँ। यहाँ जितने भी लोग मिलेंगे, उन सभी के पास तुम्हें सिखाने के लिए कुछ न कुछ है।"
एडी को संदेह था। उसकी मुट्ठियाँ कसकर बंद थीं।
"उन्होंने क्या कहा।
"कोई भी घटना संयोगवश नहीं होती। हम सब आपस में जुड़े हुए हैं। आप एक जीवन को दूसरे से उसी प्रकार अलग नहीं कर सकते जैसे आप हवा से हल्की हवा को अलग

नहीं कर सकते।"
एडी ने सिर हिलाया। "हम गेंद फेंक रहे थे। मेरी बेवकूफी थी कि मैं उस तरह से मैदान में दौड़ गया। मेरी वजह से तुम्हें क्यों मरना चाहिए? यह ठीक नहीं है।"
नीले रंग के उस व्यक्ति ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसने कहा, "न्याय जीवन और मृत्यु को नियंत्रित नहीं करता। अगर ऐसा होता, तो कोई भी अच्छा व्यक्ति कभी भी कम उम्र में नहीं मरता।"
उसने अपनी हथेली ऊपर की ओर घुमाई और अचानक वे एक कब्रिस्तान में शोक मनाने वालों के एक छोटे समूह के पीछे खड़े थे। कब्र के पास एक पादरी बाइबल पढ़ रहा था। एडी को चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे, केवल टोपियों, पोशाकों और सूट कोटों के पिछले हिस्से ही दिख रहे थे।
"मेरा अंतिम संस्कार," नीले आदमी ने कहा। "शोक मनाने वालों को देखो। कुछ लोग तो मुझे ठीक से जानते भी नहीं थे, फिर भी आए। क्यों? क्या तुमने कभी सोचा है? लोग दूसरों की मृत्यु पर क्यों इकट्ठा होते हैं? लोग ऐसा क्यों महसूस करते हैं कि उन्हें आना चाहिए?"
"ऐसा इसलिए है क्योंकि मानव आत्मा गहराई से जानती है कि सभी जीवन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मृत्यु केवल किसी को छीनती नहीं है, बल्कि किसी और को याद करती है, और छीने जाने और याद किए जाने के बीच की छोटी सी दूरी में, जीवन बदल जाते हैं।"
"तुम कहते हो कि मेरी जगह तुम्हें मर जाना चाहिए था। लेकिन मेरे जीवनकाल में, मेरी जगह भी लोग मरे हैं। ऐसा हर दिन होता है। जब तुम्हारे जाने के एक मिनट बाद बिजली गिरती है, या कोई हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है जिसमें तुम सवार हो सकते थे। जब तुम्हारा सहकर्मी बीमार पड़ जाता है और तुम नहीं। हम सोचते हैं कि ऐसी चीजें संयोगवश होती हैं। लेकिन इन सबमें एक संतुलन है। एक मुरझाता है, दूसरा बढ़ता है। जन्म और मृत्यु एक संपूर्ण का हिस्सा हैं।"
"इसीलिए हम शिशुओं की ओर आकर्षित होते हैं..." उन्होंने शोक मनाने वालों की ओर मुड़कर कहा। "और अंत्येष्टि की ओर भी।"
एडी ने एक बार फिर कब्रगाह पर जमा भीड़ को देखा। वह सोच रहा था कि क्या उसका अंतिम संस्कार हुआ था। वह सोच रहा था कि क्या कोई आया भी था। उसने देखा कि पादरी बाइबल पढ़ रहा था और शोक मनाने वाले लोग अपने सिर झुकाए हुए

थे। यही वह दिन था जब इतने साल पहले ब्लू मैन को दफनाया गया था। एडी भी वहाँ था, एक छोटा लड़का, समारोह के दौरान बेचैनी से इधर-उधर घूमता हुआ, उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसने इसमें क्या भूमिका निभाई थी।
"मुझे अब भी समझ नहीं आया," एडी ने फुसफुसाते हुए कहा। "तुम्हारी मृत्यु से क्या लाभ हुआ?"
"तुम जीवित रहे," नीले आदमी ने उत्तर दिया।
"लेकिन हम एक-दूसरे को मुश्किल से जानते थे। मैं मानो एक अजनबी ही था।"
ब्लू मैन ने एडी के कंधों पर हाथ रख दिए। एडी को वह गर्म, पिघलने जैसा एहसास हुआ।
"अजनबी," ब्लू मैन ने कहा, "बस वो परिवार हैं जिनसे आप अभी तक परिचित नहीं हुए हैं।"

इसके साथ ही, नीले रंग के उस व्यक्ति ने एडी को अपने करीब खींच लिया। पल भर में, एडी को वह सब कुछ महसूस हुआ जो नीले रंग के उस व्यक्ति ने अपने जीवन में महसूस किया था - अकेलापन, शर्म, घबराहट, दिल का दौरा। यह सब एडी के भीतर ऐसे समा गया जैसे कोई दराज बंद हो रहा हो।
"मैं जा रहा हूँ," नीले रंग के उस व्यक्ति ने उसके कान में फुसफुसाया। "स्वर्ग का यह पड़ाव मेरे लिए समाप्त हो गया है। लेकिन तुम्हारे लिए और भी पड़ाव हैं।"
"रुको," एडी ने पीछे हटते हुए कहा। "बस मुझे एक बात बताओ। क्या मैंने उस छोटी बच्ची को बचाया? घाट पर। क्या मैंने उसे बचाया?"
ब्लू मैन ने कोई जवाब नहीं दिया। एडी निराश होकर बैठ गया। "तो मेरी मौत भी व्यर्थ थी, ठीक मेरी जिंदगी की तरह।"
"कोई भी जीवन व्यर्थ नहीं है," ब्लू मैन ने कहा। "हम केवल वही समय बर्बाद करते हैं जो हम यह सोचते हुए बिताते हैं कि हम अकेले हैं।"
वह कब्रगाह की ओर पीछे हटा और मुस्कुराया। मुस्कुराते ही उसकी त्वचा का रंग बेहद खूबसूरत कैरेमल जैसा हो गया—चिकनी और बेदाग। एडी ने सोचा, उसने अब तक इतनी खूबसूरत त्वचा कभी नहीं देखी थी।
"रुको!" एडी चिल्लाया, लेकिन अचानक ही वह कब्रिस्तान से दूर, विशाल धूसर सागर

के ऊपर हवा में उड़ने लगा। नीचे उसने पुराने रूबी पियर की छतें, मीनारें और बुर्ज देखे, और हवा में लहराते झंडे दिखाई दिए।
फिर वह गायब हो गया।

रविवार, दोपहर 3 बजे

घाट पर वापस आकर, भीड़ फ्रेडीज़ फ्री फॉल के मलबे के चारों ओर खामोशी से खड़ी थी। बूढ़ी औरतें अपना गला छु रही थीं। माताएँ अपने बच्चों को खींचकर दूर ले जा रही थीं। टैंक टॉप पहने कई हट्टे-कट्टे आदमी आगे की ओर खिसक गए, मानो यह कोई ऐसा काम हो जिसे उन्हें संभालना चाहिए, लेकिन वहाँ पहुँचकर वे भी असहाय होकर देखते रह गए। सूरज की तेज़ गर्मी से परछाइयाँ और गहरी हो रही थीं, जिससे वे अपनी आँखों को ऐसे ढक रहे थे मानो सलाम कर रहे हों।
हालात कितने खराब हैं? लोग फुसफुसा रहे थे। भीड़ के पीछे से डोमिंगुएज़ अचानक बाहर निकला, उसका चेहरा लाल था और उसकी मेंटेनेंस शर्ट पसीने से भीगी हुई थी। उसने तबाही का मंजर देखा।
"आह नहीं, नहीं, एडी," वह अपना सिर पकड़ते हुए कराह उठा। सुरक्षाकर्मी आ गए। उन्होंने लोगों को पीछे धकेला। लेकिन फिर, वे भी असहाय मुद्रा में आ गिरे, कमर पर हाथ रखे एम्बुलेंस का इंतज़ार करने लगे। ऐसा लग रहा था मानो वे सभी—माताएँ, पिता, बड़े-बड़े सोडा के गिलास लिए बच्चे—इतने स्तब्ध थे कि न देख पा रहे थे और न ही वहाँ से जा पा रहे थे। मौत उनके कदमों में खड़ी थी, जैसे पार्क के लाउडस्पीकरों पर मेले की धुन बज रही हो।
हालात कितने खराब हैं? सायरन बजने लगे। वर्दीधारी लोग आ गए। पूरे इलाके में पीली टेप लगा दी गई। आर्केड के स्टॉलों ने अपने ढक्कन गिरा दिए। झूले

अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए गए। समुद्र तट पर इस बुरी घटना की खबर फैल गई और सूर्यास्त तक रूबी पियर सुनसान हो गया।

आज एडी का जन्मदिन है

अपने बेडरूम से, दरवाजा बंद होने पर भी, एडी को अपनी माँ द्वारा हरी मिर्च और मीठे लाल प्याज के साथ ग्रिल किए जा रहे बीफ़स्टीक की एक तेज़, लकड़ी जैसी गंध आती है, जो उसे बहुत पसंद है।

"एड्डी!" वह रसोई से चिल्लाई। "तुम कहाँ हो? सब लोग तो यहाँ हैं!"

वह बिस्तर से उठता है और कॉमिक बुक को एक तरफ रख देता है। आज वह 17 साल का हो गया है, ऐसी चीज़ों के लिए बहुत बड़ा हो गया है, लेकिन उसे अभी भी यह विचार अच्छा लगता है—फैंटम जैसे रंगीन नायक, बुरे लोगों से लड़ते हैं, दुनिया को बचाते हैं। उसने अपना संग्रह रोमानिया से आए अपने स्कूली चचेरे भाइयों को दे दिया है, जो कुछ महीने पहले ही अमेरिका आए थे। एडी का परिवार उनसे बंदरगाह पर मिला और वे उस कमरे में रहने लगे जिसे एडी अपने भाई जो के साथ साझा करता था। चचेरे भाई अंग्रेजी नहीं बोल सकते, लेकिन उन्हें कॉमिक किताबें पसंद हैं। खैर, इससे एडी को उन्हें अपने पास रखने का बहाना मिल जाता है।

“देखो, जन्मदिन का लड़का आ गया!” उसकी माँ खुशी से चिल्लाई जब वह कमरे में दाखिल हुआ। उसने बटन वाली सफेद कमीज़ और नीली टाई पहनी हुई थी, जो उसकी गठीली गर्दन पर कसी हुई थी। वहाँ मौजूद सभी लोग, परिवार, दोस्त और घाट पर काम करने वाले लोग, सबने एक-दूसरे को देखकर अभिवादन किया और बीयर के गिलास ऊपर उठाए। एडी के पिता कोने में सिगार के धुएँ के गुबार में ताश खेल रहे थे।

"अरे माँ, क्या हुआ?" जो चिल्लाकर बोला। "एडी कल रात एक लड़की से मिला।"

"ओह। क्या उसने ऐसा किया?"

एडी को अचानक खून का दौरा तेज महसूस होता है।
"हां। उसने कहा कि वह उससे शादी करने वाला है।"
"अपना मुंह बंद करो," एडी ने जो से कहा।
जो उसे अनदेखा करता है। "हाँ, वह कमरे में बड़ी-बड़ी आँखों से आया और बोला, 'जो, मुझे वह लड़की मिल गई है जिससे मैं शादी करने वाला हूँ!'"
एडी गुस्से से उबल रहा था। "मैंने कहा चुप रहो!"
किसी ने पूछा, "उसका नाम क्या है, एडी?"
क्या वह चर्च जाती है?
एडी अपने भाई के पास जाता है और उसकी बांह पर एक घूंसा मारता है।
"ओह!"
"एडी!"
मैंने तुमसे चुप रहने को कहा था!
जोए अचानक बोल पड़ा, "और उसने उसके साथ स्टार्ड में डांस किया—!"
धड़ाम।
"आह!"
"चुप रहो!"
"एडी! इसे बंद करो!!"
यहां तक कि रोमानियाई चचेरे भाई भी अब ऊपर देखने लगते हैं—वे लड़ाई को समझते हैं—क्योंकि दोनों भाई एक-दूसरे को पकड़कर इधर-उधर हाथ-पैर मारते हुए सोफे को उजाड़ देते हैं, जब तक कि एडी के पिता अपनी सिगार नीचे रखकर चिल्लाते नहीं हैं, "बस करो, इससे पहले कि मैं तुम दोनों को थप्पड़ मार दूं।"
दोनों भाई हांफते और एक-दूसरे को घूरते हुए अलग हो जाते हैं। कुछ बड़े रिश्तेदार मुस्कुराते हैं। एक चाची फुसफुसाती है, "लगता है उसे यह लड़की बहुत पसंद है।"
बाद में, जब स्पेशल स्टेक खा लिया जाता है, मोमबत्तियाँ बुझा दी जाती हैं और ज़्यादातर मेहमान घर चले जाते हैं, तो एडी की माँ रेडियो चालू करती है। यूरोप में युद्ध की खबरें आती हैं, और एडी के पिता कहते हैं कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो लकड़ी और तांबे के तार मिलना मुश्किल हो जाएगा। इससे पार्क का रखरखाव लगभग नामुमकिन हो जाएगा।
एडी की मां कहती हैं, "यह बहुत बुरी खबर है। जन्मदिन के दिन नहीं।"

वह डायल घुमाती है जब तक कि छोटे से बॉक्स में संगीत नहीं बजने लगता, एक ऑर्केस्ट्रा स्विंग धुन बजा रहा होता है, और वह मुस्कुराती है और गुनगुनाती है। फिर वह एडी के पास आती है, जो अपनी कुर्सी पर सुस्त बैठा केक के आखिरी टुकड़े खा रहा होता है। वह अपना एप्रन उतारती है, उसे कुर्सी पर मोड़कर रखती है, और एडी को हाथों से उठा लेती है।

"मुझे दिखाओ कि तुमने अपने नए दोस्त के साथ कैसे नृत्य किया," वह कहती है।

"अरे माँ।"

"चलो भी।"

एडी ऐसे खड़ा है मानो उसे फांसी के लिए ले जाया जा रहा हो। उसका भाई मुस्कुराता है। लेकिन उसकी माँ, अपने सुंदर, गोल चेहरे के साथ, गुनगुनाती और आगे-पीछे कदम बढ़ाती रहती है, जब तक कि एडी भी उसके साथ नाचने नहीं लगता।

"दा दा दे," वह मधुरता से गाती है, "...जब तुम मेरे साथ होते हो... दा दा... तारे, और चाँद... दा... दा... दा... जून में..."

वे बैठक कक्ष में इधर-उधर घूमते हैं, तभी एडी हंसने लगता है। वह अपनी माँ से छह इंच लंबा है, फिर भी उसकी माँ उसे बड़ी आसानी से घुमाती है।

"तो," वह फुसफुसाते हुए कहती है, "तुम्हें ये लड़की पसंद है?"

एडी की रफ्तार धीमी हो जाती है।

"कोई बात नहीं," वह कहती है। "मुझे तुम्हारे लिए खुशी है।"

वे मेज की ओर मुड़ते हैं, और एडी की माँ जो को पकड़कर ऊपर खींच लेती है।

"अब तुम दोनों नाचो," वह कहती है।

"उनके साथ?"

"माँ!"

लेकिन वह ज़िद करती है और वे मान जाते हैं, और जल्द ही जो और एडी हंसते-हंसते एक-दूसरे से टकराने लगते हैं। वे हाथ पकड़कर नाचने लगते हैं, और बड़े-बड़े गोल घेरे बनाते हुए ऊपर-नीचे झूलने लगते हैं। वे मेज के चारों ओर चक्कर लगाते रहते हैं, उनकी माँ को बहुत खुशी होती है, क्योंकि क्लैरिनेट रेडियो की धुन पर बज रहे होते हैं और रोमानियाई चचेरे भाई ताली बजाते हैं और ग्रिल्ड स्टेक के आखिरी टुकड़े पार्टी की हवा में गायब हो जाते हैं।

स्वर्ग में एडी से मिलने वाला दूसरा व्यक्ति

एडी को अपने पैरों की ज़मीन पर आहट महसूस हुई। आसमान का रंग एक बार फिर बदल रहा था, गहरे नीले से गहरे भूरे रंग में, और एडी अब गिरे हुए पेड़ों और जले हुए मलबे से घिरा हुआ था। उसने अपनी बाहों, कंधों, जांघों और पिंडलियों को पकड़ा। वह पहले से ज़्यादा ताकतवर महसूस कर रहा था, लेकिन जब उसने अपने पैर की उंगलियों को छूने की कोशिश की, तो वह ऐसा नहीं कर पाया। लचीलापन गायब हो गया था। अब बचपन जैसी लचीली अनुभूति नहीं रही। उसकी हर मांसपेशी पियानो के तार की तरह कस गई थी।

उसने चारों ओर निर्जीव भूभाग पर नजर डाली। पास की एक पहाड़ी पर एक टूटी हुई गाड़ी और एक जानवर की सड़ती हुई हड्डियाँ पड़ी थीं। एडी को अपने चेहरे पर गर्म हवा का एक झोंका महसूस हुआ। आसमान धधकते पीले रंग में बदल गया।

और एक बार फिर, एडी भाग गया।

अब वह अलग तरह से दौड़ रहा था, एक सैनिक के सख्त और सधे हुए कदमों से। उसे गरज सुनाई दी—या कुछ गरज जैसी, धमाके या बम विस्फोट—और वह सहज ही ज़मीन पर गिर पड़ा, पेट के बल गिरा और अपनी कोहनियों के सहारे खुद को घसीटता हुआ आगे बढ़ा। आसमान फट पड़ा और मूसलाधार बारिश होने लगी, एक मोटी, भूरी बारिश। एडी ने अपना सिर नीचे किया और कीचड़ में रेंगता हुआ आगे बढ़ा, अपने होठों पर जमा गंदा पानी थूकता हुआ।

आखिरकार उसे लगा कि उसका सिर किसी ठोस चीज़ से टकराया है। उसने ऊपर देखा तो ज़मीन में गड़ी एक राइफल पड़ी थी, जिसके ऊपर एक हेलमेट रखा था और

हैंडल से कुछ डॉग टैग लटके हुए थे। बारिश में भीगते हुए उसने पलकें झपकाईं और डॉग टैग को छुआ, फिर तेज़ी से पीछे हटते हुए एक विशाल बरगद के पेड़ से लटकती पतली लताओं की दीवार में घुस गया। वह उनके अंधेरे में समा गया। उसने अपने घुटनों को मोड़कर बैठने की कोशिश की। उसने साँस लेने की कोशिश की। डर ने उसे स्वर्ग में भी घेर लिया था।
कुत्ते के टैग पर उसका नाम लिखा था।

युवा पुरुष युद्ध में जाते हैं। कभी मजबूरी में, कभी अपनी इच्छा से। हमेशा, उन्हें लगता है कि उन्हें ऐसा करना ही है। यह जीवन की दुखद, जटिल कहानियों से उपजा है, जिनमें सदियों से साहस को हथियार उठाने से और कायरता को हथियार डालने से जोड़कर देखा गया है।
जब उसका देश युद्ध में शामिल हुआ, तो एडी एक बरसात की सुबह जल्दी उठा, दाढ़ी बनाई, बाल संवारे और सेना में भर्ती हो गया। दूसरे लोग लड़ रहे थे। वह भी लड़ेगा। उसकी मां नहीं चाहती थी कि वह जाए। जब उसके पिता को इस खबर का पता चला, तो उन्होंने एक सिगरेट जलाई और धीरे-धीरे धुआं बाहर निकाला।
"कब?" उसने बस इतना ही पूछा।
चूंकि एडी ने कभी असली राइफल नहीं चलाई थी, इसलिए उसने रूबी पियर के शूटिंग आर्केड में अभ्यास करना शुरू कर दिया। वहाँ पाँच सेंट देने पड़ते थे, मशीन से हल्की सी आवाज़ आती थी, ट्रिगर दबाते थे और जंगली जानवरों, शेर या जिराफ़ की तस्वीरों पर धातु की गोलियाँ दागनी पड़ती थीं। एडी हर शाम लिटिल फोल्क्स मिनिएचर रेलवे में ब्रेक लीवर चलाने के बाद वहाँ जाता था। रूबी पियर ने कई नए, छोटे आकर्षण जोड़े थे, क्योंकि महामंदी के बाद रोलर कोस्टर बहुत महंगे हो गए थे। मिनिएचर रेलवे बस एक मिनिएचर रेलवे ही थी, ट्रेन के डिब्बे एक वयस्क आदमी की जांघ से ज़्यादा ऊँचे नहीं थे।
सेना में भर्ती होने से पहले, एडी इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के लिए पैसे बचाने के लिए काम कर रहा था। यही उसका लक्ष्य था—वह चीजें बनाना चाहता था, भले ही उसका भाई, जो, लगातार कहता रहता था, "अरे एडी, तुम इसके लिए इतने होशियार नहीं हो।"

लेकिन युद्ध शुरू होते ही घाट का कारोबार ठप हो गया। एडी के ज़्यादातर ग्राहक अब अकेली औरतें थीं जिनके पिता युद्ध में जा चुके थे। कभी-कभी बच्चे एडी से उन्हें सिर पर उठाने के लिए कहते, और जब एडी ऐसा करता, तो वह माताओं के उदास चेहरे देखता: उसे लगता कि उठाना तो ठीक था, लेकिन हाथ सही नहीं थे। एडी को लगा कि जल्द ही वह भी उन अकेले पुरुषों में शामिल हो जाएगा, और पटरियों पर ग्रीस लगाने और ब्रेक लीवर चलाने का उसका जीवन समाप्त हो जाएगा। युद्ध उसके लिए मर्दानगी का आह्वान था। शायद कोई उसे याद भी करेगा।

उन आखिरी रातों में से एक रात, एडी छोटी सी आर्केड राइफल पर झुका हुआ था और पूरी एकाग्रता से निशाना लगा रहा था। पैंग! पैंग! उसने दुश्मन पर गोली चलाने की कल्पना करने की कोशिश की। पैंग! क्या गोली लगने पर वे कोई आवाज़ करेंगे—पैंग!— या फिर शेरों और जिराफों की तरह ही गिर जाएंगे?

बैंग बैंग!

"क्या तुम मारने का अभ्यास कर रहे हो, लड़के?"

मिकी शीया एडी के पीछे खड़ा था। उसके बाल पसीने से भीगे हुए फ्रेंच वैनिला आइसक्रीम के रंग के थे और उसका चेहरा लाल था, पता नहीं उसने कुछ पिया था या नहीं। एडी ने कंधे उचकाए और फिर से निशाना लगाने लगा। पैंग! एक और निशाना लगा। पैंग! एक और।

"हम्म्फ," मिकी ने धीमी आवाज़ में कहा।

एडी चाहता था कि मिकी चला जाए और उसे अपना निशाना साधने का अभ्यास करने दे। उसे अपने पीछे उस बूढ़े शराबी की मौजूदगी का एहसास हो रहा था। वह उसकी भारी साँसें, नाक से आती-जाती फुफकार सुन सकता था, जैसे किसी साइकिल के टायर में हवा पंप से भरी जा रही हो।

एडी लगातार गोली चलाता रहा। अचानक, उसे अपने कंधे पर एक दर्दनाक जकड़न महसूस हुई।

"मेरी बात सुनो, बेटा।" मिकी की आवाज़ धीमी और भारी थी। "युद्ध कोई खेल नहीं है। अगर गोली चलाने का मौका मिले, तो चलाओ, समझे? कोई अपराधबोध नहीं। कोई झिझक नहीं। बस गोली चलाते रहो और यह मत सोचो कि किसे गोली मार रहे हो या क्यों, समझे? अगर तुम घर वापस आना चाहते हो, तो बस गोली चलाओ, सोचना मत।"

उसने और भी जोर से दबाया।
"सोच ही आपकी जान ले लेती है।"
एडी मुड़ा और मिकी को घूरने लगा। मिकी ने उसके गाल पर ज़ोर से थप्पड़ मारा और एडी ने पलटवार करने के लिए तुरंत अपनी मुट्ठी उठा ली। लेकिन मिकी ने डकार ली और पीछे की ओर लड़खड़ा गया। फिर उसने एडी को ऐसे देखा जैसे वह रोने वाला हो। मशीनी बंदूक की आवाज़ बंद हो गई। एडी के पास एक सिक्का था।
युवा पुरुष युद्ध में जाते हैं, कभी मजबूरी में, कभी अपनी इच्छा से। कुछ दिनों बाद, एडी ने अपना बैग पैक किया और घाट को पीछे छोड़कर चला गया।

बारिश रुक गई। बरगद के पेड़ के नीचे कांपता और भीगा हुआ एडी ने एक लंबी, गहरी सांस छोड़ी। उसने बेलों को हटाया और देखा कि राइफल और हेलमेट अभी भी ज़मीन में गड़े हुए हैं। उसे याद आया कि सैनिक ऐसा क्यों करते थे: यह उनके शहीदों की कब्रों का निशान होता था।
वह घुटनों के बल रेंगता हुआ बाहर आया। दूर, एक छोटी पहाड़ी के नीचे, एक गाँव के अवशेष थे, जो बमबारी और आग से जलकर लगभग मलबे में तब्दील हो चुके थे। एक पल के लिए एडी ने मुँह थोड़ा खुला रखकर घूरा, उसकी आँखें उस दृश्य को और स्पष्ट रूप से देखने लगीं। फिर उसका सीना ऐसे कस गया जैसे उसे कोई बुरी खबर मिली हो। यह जगह। वह इसे जानता था। यह उसके सपनों में आती थी। "चेचक," अचानक एक आवाज़ आई।
एडी घूम गया।
चेचक। टाइफाइड। टेटनस। पीला बुखार।
यह ऊपर से, पेड़ के किसी हिस्से से आया था।
"मुझे कभी पता ही नहीं चला कि पीला बुखार क्या होता है। धिक्कार है! मैं कभी ऐसे किसी व्यक्ति से नहीं मिला जिसे यह बीमारी हुई हो।"
आवाज दमदार थी, उसमें दक्षिणी लहजे की हल्की सी झलक थी और खुरदुरापन भी था, मानो कोई व्यक्ति घंटों से चिल्ला रहा हो।
"मैंने उन सभी बीमारियों के लिए वे सभी टीके लगवाए और फिर भी मैं यहीं मर गया, घोड़े की तरह स्वस्थ।"

पेड़ हिल गया। कुछ छोटे फल एडी के सामने गिर पड़े।
"तुम्हें ये कैसा लगा?" आवाज ने कहा।
एडी खड़ा हुआ और उसने अपना गला साफ किया।
"बाहर आओ," उसने कहा।
"ऊपर आओ," आवाज ने कहा।
एडी पेड़ पर, उसके सबसे ऊपरी हिस्से के पास बैठा था, जो किसी दफ्तर की इमारत जितना ऊँचा था। उसके पैर पेड़ की एक बड़ी शाखा पर फैले हुए थे और नीचे ज़मीन बेहद गहरी खाई लग रही थी। छोटी शाखाओं और घने अंजीर के पत्तों के बीच से एडी को सेना की वर्दी पहने एक धुंधली आकृति दिखाई दी, जो पेड़ के तने से टेक लगाकर बैठा था। उसका चेहरा कोयले जैसे काले पदार्थ से ढका हुआ था। उसकी आँखें छोटी-छोटी बल्बों की तरह लाल चमक रही थीं।
एडी ने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही।
"कैप्टन?" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "क्या आप हैं?"

वे दोनों सेना में साथ-साथ सेवा कर चुके थे। कैप्टन एडी के कमांडिंग ऑफिसर थे। उन्होंने फिलीपींस में लड़ाई लड़ी और वहीं उनका विदा हो गया। एडी ने उन्हें फिर कभी नहीं देखा। उसने सुना था कि उनकी युद्ध में मृत्यु हो गई थी।
सिगरेट के धुएं का एक हल्का सा गुबार दिखाई दिया।
"उन्होंने तुम्हें नियम समझा दिए, सिपाही?"
एडी ने नीचे देखा। उसे बहुत नीचे धरती दिखाई दी, फिर भी वह जानता था कि वह गिर नहीं सकता।
"मैं मर चुका हूँ," उसने कहा।
"आपने इतना तो सही कहा।"
और तुम मर चुके हो।
"मैंने वो बात भी सही कही।"
"और तुम... मेरे दूसरे व्यक्ति हो?"
कैप्टन ने अपनी सिगरेट ऊपर उठाई। वह मुस्कुराया, मानो कह रहा हो, "क्या आपको विश्वास है कि आपको यहाँ सिगरेट पीने की इजाज़त है?" फिर उसने एक लंबा कश

लिया और धुएँ का एक छोटा सा सफेद बादल उड़ाया।
"शायद तुमने मेरी उम्मीद नहीं की होगी, है ना?"

एडी ने युद्ध के दौरान बहुत कुछ सीखा। उसने टैंक के ऊपर सवारी करना सीखा। उसने हेलमेट में ठंडे पानी से शेव करना सीखा। उसने बंकर से गोली चलाते समय सावधानी बरतना सीखा, कहीं ऐसा न हो कि गोली किसी पेड़ पर लग जाए और छर्रे से वह खुद घायल हो जाए।

उसने सिगरेट पीना सीखा। उसने मार्च करना सीखा। उसने एक ही समय में ओवरकोट, रेडियो, कार्बाइन, गैस मास्क, मशीन गन के लिए तिपाई, बैकपैक और कंधे पर कई कारतूस की पेटियाँ लेकर रस्सी के पुल को पार करना सीखा। उसने अब तक की सबसे खराब कॉफी पीना सीखा।

उसने कुछ विदेशी भाषाओं के कुछ शब्द सीखे। उसने दूर तक थूकना सीखा। उसने एक सैनिक के पहले युद्ध में बच जाने पर होने वाली घबराहट भरी खुशी को जाना, जब सैनिक एक-दूसरे को थपथपाते हैं और ऐसे मुस्कुराते हैं जैसे सब खत्म हो गया हो —अब हम घर जा सकते हैं!—और उसने एक सैनिक के दूसरे युद्ध में होने वाली गहरी निराशा को भी जाना, जब उसे एहसास होता है कि लड़ाई एक युद्ध पर खत्म नहीं होती, इसके बाद और भी बहुत कुछ होता है।

उसने दांतों से सीटी बजाना सीखा। उसने पथरीली ज़मीन पर सोना सीखा। उसने सीखा कि खुजली पैदा करने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो त्वचा में घुस जाते हैं, खासकर अगर आपने एक ही गंदे कपड़े एक हफ्ते तक पहने हों। उसने सीखा कि जब किसी आदमी की हड्डियाँ त्वचा से बाहर निकलती हैं तो वे सचमुच सफेद दिखती हैं।

उसने जल्दी से प्रार्थना करना सीख लिया। उसने यह भी सीख लिया कि अपने परिवार और मार्गुराइट के लिए लिखे पत्रों को किस जेब में रखना है, ताकि अगर उसके साथी सैनिक उसे मृत पाएं तो उन्हें ये पत्र मिल सकें। उसने यह भी सीख लिया कि कभी-कभी आप किसी बंकर में अपने साथी के बगल में बैठे होते हैं, फुसफुसाते हुए अपनी भूख के बारे में बात कर रहे होते हैं, और अगले ही पल एक हल्की सी आवाज़ आती है और आपका साथी बेहोश होकर गिर जाता है और उसकी भूख का कोई सवाल ही नहीं रहता।

एक साल से दो साल और दो साल से तीन साल बीतने के दौरान, उसने यह सीखा कि मजबूत और मांसल पुरुष भी परिवहन विमान से सामान उतारने से ठीक पहले अपने जूतों पर उल्टी कर देते हैं, और यहां तक कि अधिकारी भी युद्ध से पहले वाली रात को नींद में बातें करते हैं।
उसने किसी को बंदी बनाना तो सीख लिया था, लेकिन खुद बंदी बनना कभी नहीं सीखा। फिर एक रात, फिलीपींस के एक द्वीप पर, उसका समूह भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया, और वे आश्रय के लिए इधर-उधर बिखर गए। आसमान में रोशनी फैल गई और एडी ने अपने एक साथी को खाई में बच्चे की तरह रोते हुए सुना। उसने उस पर चिल्लाते हुए कहा, "चुप हो जा!" और उसे एहसास हुआ कि वह आदमी इसलिए रो रहा था क्योंकि एक दुश्मन सैनिक उसके सिर पर राइफल ताने खड़ा था। एडी को अपनी गर्दन पर कुछ ठंडा सा महसूस हुआ और उसके पीछे भी एक सैनिक था।

कैप्टन ने अपनी सिगरेट बुझाई। वह एडी की टुकड़ी के जवानों से उम्र में बड़े थे, जीवन भर सेना में रहे थे, दुबले-पतले और अकड़कर चलने वाले, उभरी हुई ठुड्डी वाले, जो उन्हें उस दौर के किसी फिल्म अभिनेता जैसा बनाते थे। ज़्यादातर सैनिक उन्हें पसंद करते थे, हालाँकि उनका स्वभाव गुस्सैल था और वे आपके चेहरे के बिल्कुल पास से चिल्लाते थे, जिससे उनके पीले पड़ चुके तंबाकू के दांत साफ दिखाई देते थे। फिर भी, कैप्टन हमेशा वादा करते थे कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे किसी को भी नहीं छोड़ेंगे, और सैनिकों को इस बात से तसल्ली मिलती थी।
"कैप्टन..." एडी ने फिर से कहा, अभी भी स्तब्ध था।
"हाँ।"
"महोदय।"
"इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन बहुत-बहुत धन्यवाद।"
"यह रहा है... तुम दिखते हो..."
"पिछली बार जब तुमने मुझे देखा था, तब जैसा था?" वह मुस्कुराया, फिर पेड़ की डाल पर थूक दिया। उसने एडी के उलझन भरे चेहरे को देखा। "तुम सही कह रहे हो। यहाँ थूकने की कोई ज़रूरत नहीं है। तुम बीमार भी नहीं पड़ते। तुम्हारी साँस हमेशा

एक जैसी रहती है। और खाना तो लाजवाब है।"
चाउ? एडी को इनमें से कुछ भी समझ नहीं आया। "कैप्टन, देखिए। कुछ गड़बड़ है। मुझे अभी भी नहीं पता कि मैं यहाँ क्यों हूँ। मेरी ज़िंदगी कुछ भी नहीं थी, समझे? मैंने मेंटेनेंस का काम किया। मैं सालों तक एक ही अपार्टमेंट में रहा। मैंने झूलों, फेरिस व्हील्स, रोलर कोस्टर्स, बेवकूफ़ छोटे रॉकेट शिप की देखभाल की। इस पर गर्व करने लायक कुछ नहीं था। मैं बस यूँ ही भटकता रहा। मेरा मतलब है..."
एडी ने घबराकर पूछा, "मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ?"
कैप्टन ने अपनी चमकती लाल आँखों से उसकी ओर देखा और एडी ने वह दूसरा सवाल पूछने से खुद को रोका जो अब ब्लू मैन के बाद उसके मन में उठ रहा था: क्या उसने कैप्टन को भी मार डाला था?
"मुझे ये बात खटक रही थी," कैप्टन ने अपनी ठुड्डी सहलाते हुए कहा। "हमारी यूनिट के लोग—क्या वे एक-दूसरे के संपर्क में रहे? विलिंगहैम? मॉर्टन? स्मिट्टी? क्या आपने कभी उन्हें देखा है?"
एडी को नाम याद थे। सच तो यह था कि उनका आपस में कोई संपर्क नहीं था। युद्ध लोगों को चुंबक की तरह जोड़ सकता है, लेकिन चुंबक की तरह ही उन्हें दूर भी कर सकता है। जो कुछ उन्होंने देखा, जो कुछ उन्होंने किया। कभी-कभी वे बस सब कुछ भूल जाना चाहते थे।
"सच कहूँ तो, महोदय, हम सबके बीच कुछ अनबन हो गई थी।" उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "माफ़ कीजिए।"
कप्तान ने सिर हिलाया मानो उन्हें इसकी उम्मीद पहले से ही थी।
और तुम? तुम उस मनोरंजन पार्क में वापस चले गए जहाँ हम सबने वादा किया था कि अगर हम ज़िंदा बच गए तो वहाँ जाएँगे? सभी सैनिकों के लिए मुफ़्त सवारी? टनल ऑफ़ लव में हर लड़के के साथ दो लड़कियाँ? क्या तुमने यही कहा था?
एडी के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। उसने भी यही कहा था। सबने यही कहा था। लेकिन जब युद्ध समाप्त हुआ, तो कोई नहीं आया।
"हां, मैं वापस चला गया था," एडी ने कहा।
"और?"
और... मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने कोशिश की। मैंने योजनाएँ बनाईं... लेकिन ये पैर... पता नहीं। कुछ भी काम नहीं आया।

एडी ने कंधे उचका दिए। कप्तान ने उसके चेहरे को गौर से देखा। उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसकी आवाज़ धीमी हो गई।
"क्या तुम अब भी करतब दिखाते हो?" उसने पूछा।

जाओ! . . . तुम जाओ! . . . तुम जाओ!
दुश्मन सैनिक चीखते-चिल्लाते और संगीनों से उन पर वार करते रहे। एडी, स्मिट्टी, मॉर्टन, राबोज़ो और कप्तान को सिर पर हाथ रखे एक खड़ी पहाड़ी से नीचे धकेला गया। उनके चारों ओर मोर्टार के गोले फट रहे थे। एडी ने एक आकृति को पेड़ों के बीच से भागते हुए देखा, फिर गोलियों की बौछार में वह गिर पड़ा।
अंधेरे में आगे बढ़ते हुए उसने झोपड़ियों, सड़कों, जो कुछ भी वह देख पा रहा था, उसकी मानसिक तस्वीरें लेने की कोशिश की, क्योंकि वह जानता था कि ऐसी जानकारी भागने के लिए बहुत कीमती होगी। दूर से एक विमान की गर्जना सुनाई दी, जिससे एडी अचानक निराशा की एक भयानक लहर से भर गया। यही हर बंदी सैनिक की आंतरिक पीड़ा होती है, स्वतंत्रता और कैद के बीच की कम दूरी। अगर एडी उछलकर उस विमान का पंख पकड़ पाता, तो वह इस गलती से दूर उड़ सकता था।
इसके बजाय, उसे और बाकी लोगों को कलाई और टखनों से बांध दिया गया। उन्हें बांस की बनी एक बैरक में डाल दिया गया। बैरक कीचड़ भरी ज़मीन से ऊपर खंभों पर टिकी थी, और वे दिनों, हफ्तों, महीनों तक वहीं रहे, भूसे से भरे बोरों पर सोने के लिए मजबूर थे। मिट्टी का एक घड़ा उनका शौचालय था। रात में, दुश्मन के पहरेदार झोपड़ी के नीचे रेंगकर उनकी बातचीत सुनते थे। समय बीतने के साथ, वे कम से कम बोलने लगे।
वे दुबले-पतले और कमज़ोर हो गए। उनकी पसलियाँ दिखने लगीं—यहाँ तक कि राबोज़ो की भी, जो भर्ती के समय एक तगड़ा बच्चा था। उनके भोजन में नमक से भरे चावल के गोले और दिन में एक बार घास तैरती हुई भूरे रंग की सूप होती थी। एक रात, एडी ने कटोरे से एक मरा हुआ ततैया निकाला। उसके पंख गायब थे। बाकी सबने खाना छोड़ दिया।

उनके अपहरणकर्ताओं को समझ नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या किया जाए। शाम को वे संगीनें लेकर आते और अमेरिकियों की नाक के सामने अपनी संगीनें लहराते हुए, किसी विदेशी भाषा में चिल्लाते और जवाब का इंतज़ार करते। लेकिन इससे कभी कोई नतीजा नहीं निकला।

एडी के अंदाज़े के मुताबिक़ वे चार ही थे और कप्तान ने अनुमान लगाया कि वे भी किसी बड़ी टुकड़ी से अलग होकर भटक गए थे और, जैसा कि अक्सर असली युद्ध में होता है, दिन-प्रतिदिन गुज़ारा कर रहे थे। उनके चेहरे दुबले-पतले और हड्डियों से भरे थे, जिन पर काले बालों के छोटे-छोटे गुच्छे थे। उनमें से एक सैनिक होने के लिए बहुत छोटा लग रहा था। दूसरे के दांत एडी ने अब तक देखे सबसे टेढ़े-मेढ़े थे। कप्तान ने उन्हें पागल एक, पागल दो, पागल तीन और पागल चार नाम दिए।

उन्होंने कहा, "हम उनके नाम नहीं जानना चाहते। और हम यह भी नहीं चाहते कि वे हमारे नाम जानें।"

कैद में रहने की आदत इंसान को ढल जाती है, कुछ दूसरों से बेहतर। शिकागो का दुबला-पतला, बातूनी युवक मॉर्टन बाहर से कोई आवाज़ सुनकर बेचैन हो जाता, अपनी ठुड्डी रगड़ता और बुदबुदाता, "ओह, धिक्कार है, ओह धिक्कार है, ओह धिक्कार है..." जब तक कि दूसरे उसे चुप रहने को न कह दें। ब्रुकलिन का दमकलकर्मी का बेटा स्मिटी ज़्यादातर समय चुप रहता था, लेकिन अक्सर ऐसा लगता था जैसे वह कुछ निगल रहा हो, उसकी कंठ ऊपर-नीचे होती रहती थी; एडी को बाद में पता चला कि वह अपनी जीभ चबा रहा था। पोर्टलैंड, ओरेगन का लाल बालों वाला लड़का राबोज़ो जागते समय तो चेहरे पर कोई भाव नहीं आने देता था, लेकिन रात में वह अक्सर चीखते हुए जाग जाता, "मैं नहीं! मैं नहीं!"

एडी ज्यादातर गुस्से से उबलता रहता था। वह घंटों तक मुट्ठी भींचकर हथेली पर मारता रहता, उंगलियों के जोड़ त्वचा से रगड़ खाते, ठीक वैसे ही जैसे जवानी में एक बेचैन बेसबॉल खिलाड़ी करता था। रात को, वह सपने में देखता कि वह घाट पर वापस आ गया है, डर्बी हॉर्स हिंडोले पर, जहाँ पाँच ग्राहक घंटी बजने तक गोल-गोल चक्कर लगाते रहते हैं। वह अपने दोस्तों, या अपने भाई, या मार्गुराइट के साथ दौड़ लगा रहा होता था। लेकिन फिर सपना बदल जाता, और चारों पागल लोग पास के टट्टुओं पर सवार होकर उसे चिढ़ाते और उसका मज़ाक उड़ाते नज़र आते।

घाट पर सालों तक इंतज़ार करते-करते—किसी नाव के आने का, लहरों के शांत होने

का, अपने पिता के उससे बात करने का—एडी में सब्र की कला समा गई थी। लेकिन वह वहाँ से निकलना चाहता था, और बदला लेना चाहता था। उसने अपने जबड़े पीसे, हथेली पर हाथ मारा और अपने पुराने मोहल्ले में हुई लड़ाइयों के बारे में सोचने लगा, उस समय के बारे में जब उसने कूड़ेदान के ढक्कन से दो बच्चों को अस्पताल पहुँचा दिया था। उसने कल्पना की कि अगर इन गार्डों के पास बंदूकें न होतीं तो वह उनके साथ क्या करता।

फिर एक सुबह, कैदियों की चीख-पुकार और चमकती संगीनों की आवाज से नींद खुली और चारों सनकी लोगों ने उन्हें उठाकर बांध दिया और एक गड्ढे में नीचे ले गए। वहाँ कोई रोशनी नहीं थी। ज़मीन ठंडी थी। वहाँ कुल्हाड़ी, फावड़े और धातु की बाल्टियाँ पड़ी थीं।

"यह तो एक कोयले की खान है," मॉर्टन ने कहा।

उस दिन से एडी और बाकी कैदियों को दुश्मन की युद्धक गतिविधियों में मदद करने के लिए दीवारों से कोयला निकालने के लिए मजबूर किया गया। कुछ लोग फावड़े से कोयला निकालते, कुछ खुरचते, कुछ स्लेट के टुकड़े ढोते और छत को सहारा देने के लिए त्रिकोण बनाते। वहाँ दूसरे कैदी भी थे, विदेशी जो अंग्रेज़ी नहीं जानते थे और एडी को खाली निगाहों से देखते थे। बोलना मना था। हर कुछ घंटों में एक गिलास पानी दिया जाता था। दिन के अंत तक कैदियों के चेहरे बुरी तरह काले पड़ जाते थे और झुकने से उनकी गर्दन और कंधे दर्द से तड़पने लगते थे।

इस कैद के पहले कुछ महीनों तक, एडी मार्गरेट की तस्वीर को अपने हेलमेट में रखकर सोता था। वह प्रार्थना करने का शौकीन नहीं था, लेकिन फिर भी वह प्रार्थना करता था, हर रात मन में शब्द बनाता और गिनती गिनता हुआ कहता था, "हे प्रभु, मैं आपको ये छह दिन दे दूंगा यदि आप मुझे उसके साथ छह दिन बिताने का मौका दें... मैं आपको ये नौ दिन दे दूंगा यदि मुझे उसके साथ नौ दिन बिताने का मौका मिले... मैं आपको ये सोलह दिन दे दूंगा यदि मुझे उसके साथ सोलह दिन बिताने का मौका मिले..."

फिर चौथे महीने में कुछ ऐसा हुआ कि राबोज़ो को त्वचा पर भयंकर दाने और गंभीर दस्त हो गए। वह कुछ भी खा-पी नहीं पा रहा था। रात में, उसके गंदे कपड़े पसीने से

तरबतर हो जाते थे। वह खुद को गंदा कर लेता था। उसे देने के लिए कोई साफ कपड़े नहीं थे, इसलिए वह बोरी पर नग्न अवस्था में सोता था, और कप्तान ने अपनी बोरी उसके ऊपर कंबल की तरह डाल दी।

अगले दिन, खदान में, राबोज़ो मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। चारों पागलों ने उस पर ज़रा भी दया नहीं दिखाई। जब उसकी गति धीमी हो जाती, तो वे उसे डंडों से मारते रहते ताकि वह काम करता रहे।

"उसे छोड़ दो," एडी गुर्राया।

उनके अपहरणकर्ताओं में सबसे क्रूर, क्रेज़ी टू ने एडी पर संगीन के बट से वार किया। वह गिर पड़ा, उसके कंधों के बीच दर्द की एक लहर दौड़ गई। राबोज़ो ने कोयले के कुछ और टुकड़े खुरचे, फिर गिर पड़ा। क्रेज़ी टू ने उसे उठने के लिए चिल्लाया।

"वह बीमार है!" एडी चिल्लाया और उठने की कोशिश करने लगा।

क्रेजी टू ने उसे फिर से नीचे पटक दिया।

"चुप रहो, एडी," मॉर्टन ने फुसफुसाते हुए कहा। "तुम्हारे भले के लिए।"

क्रेज़ी टू राबोज़ो के ऊपर झुका। उसने उसकी पलकें पीछे खींचीं। राबोज़ो कराह उठा। क्रेज़ी टू ने बनावटी मुस्कान बिखेरी और ऐसे प्यार से बातें कीं जैसे किसी बच्चे से बात कर रहा हो। उसने "आह" कहा और हँस पड़ा। वह उन सभी को देखते हुए हँस रहा था, उनसे आँखें मिला रहा था, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे उसे देख रहे हैं। फिर उसने अपनी पिस्तौल निकाली, उसे राबोज़ो के कान में घुसा दिया और उसके सिर में गोली मार दी।

एडी को लगा जैसे उसका शरीर दो टुकड़ों में फट गया हो। उसकी आँखें धुंधली हो गईं और दिमाग सुन्न पड़ गया। गोली की गूंज खदान में गूंजती रही और राबोज़ो का चेहरा खून के फैलते पोखर में डूब गया। मॉर्टन ने अपने हाथों से अपना मुंह ढक लिया। कप्तान ने नीचे देखा। कोई नहीं हिला।

क्रेज़ी टू ने लाश पर काली मिट्टी फेंकी, फिर एडी को घूरकर उसके पैरों पर थूका। उसने क्रेज़ी थ्री और क्रेज़ी फोर पर कुछ चिल्लाया, जो कैदियों की तरह ही स्तब्ध लग रहे थे। एक पल के लिए, क्रेज़ी थ्री ने अपना सिर हिलाया और कुछ बुदबुदाया, मानो प्रार्थना कर रहा हो, उसकी पलकें झुकी हुई थीं और होंठ तेज़ी से हिल रहे थे। लेकिन क्रेज़ी टू ने बंदूक लहराई और फिर चिल्लाया, और क्रेज़ी थ्री और क्रेज़ी फोर ने धीरे-धीरे राबोज़ो के शरीर को पैरों से उठाया और उसे खदान के फर्श पर घसीटा, गीले खून

का निशान छोड़ते हुए, जो अंधेरे में बिखरे हुए तेल जैसा लग रहा था। उन्होंने उसे एक कुल्हाड़ी के पास दीवार के सहारे गिरा दिया।
उसके बाद एडी ने प्रार्थना करना छोड़ दिया। उसने दिन गिनना भी बंद कर दिया। वह और कैप्टन बस यही सोचते रहते थे कि कहीं वे सब एक ही अंजाम तक न पहुँच जाएँ। कैप्टन को लगता था कि दुश्मन की युद्ध की तैयारी बहुत ज़ोरों पर है, इसीलिए उन्हें हर अधमरे कैदी से कोयला निकलवाना पड़ रहा है। खदान में हर दिन लाशों की संख्या कम होती जा रही थी। रात में एडी को बमबारी की आवाज़ सुनाई देती थी; ऐसा लगता था जैसे बमबारी करीब आ रही हो। कैप्टन को लगा कि अगर हालात ज़्यादा बिगड़ गए, तो उनके बंदी बनाने वाले कूद पड़ेंगे और सब कुछ तबाह कर देंगे। उसने कैदियों के बैरकों के आगे खाइयाँ खोदी हुई देखी थीं और खड़ी पहाड़ी पर तेल के बड़े-बड़े बैरल रखे हुए थे।
"तेल का इस्तेमाल सबूतों को जलाने के लिए किया जा रहा है," कैप्टन ने फुसफुसाते हुए कहा। "वे हमारी कब्र खोद रहे हैं।"

तीन सप्ताह बाद, धुंधली चाँदनी वाले आकाश में, क्रेज़ी थ्री बैरक के अंदर पहरा दे रहा था। उसके पास ईंटों के आकार के दो बड़े पत्थर थे, जिन्हें वह ऊब के मारे उछालने की कोशिश कर रहा था। वह उन्हें बार-बार गिराता, उठाता, ऊँचा उछालता और फिर गिरा देता। काली राख से ढका एडी, धड़धड़ाहट की आवाज़ से चिढ़कर ऊपर देखने लगा। वह सोने की कोशिश कर रहा था। लेकिन अब वह धीरे-धीरे उठा। उसकी नज़र साफ़ हो गई। उसे लगा जैसे उसकी नसें फिर से हरकत में आ रही हैं।
"कैप्टन..." उसने फुसफुसाते हुए कहा। "क्या आप चलने के लिए तैयार हैं?"
कप्तान ने अपना सिर उठाया। "तुम क्या सोच रहे हो?"
"ये पत्थर।" एडी ने गार्ड की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया।
"उनका क्या होगा?" कप्तान ने कहा।
"मैं करतब दिखा सकता हूँ," एडी ने फुसफुसाते हुए कहा।
कप्तान ने आंखें सिकोड़कर पूछा, "क्या?"
लेकिन एडी पहले से ही गार्ड पर चिल्ला रहा था, "अरे! तुम गलत कर रहे हो!"
उसने हथेलियों से गोलाकार गति की। "इस तरह! इसे इस तरह करो! मुझे दो!"

उसने अपने हाथ आगे बढ़ाए। "मैं करतब दिखा सकता हूँ। मुझे दो।"
क्रेज़ी थ्री ने उसे सावधानी से देखा। एडी को लगा कि सभी गार्डों में से, इस गार्ड के साथ उसका सबसे अच्छा मौका है। क्रेज़ी थ्री कभी-कभी कैदियों को रोटी के टुकड़े चुपके से देता था और उन्हें उस छोटी सी झोपड़ी के छेद से अंदर फेंक देता था जो खिड़की का काम करती थी। एडी ने फिर से गोल घुमाया और मुस्कुराया। क्रेज़ी थ्री पास आया, रुका, अपनी संगीन लेने वापस गया, फिर दो पत्थरों को एडी के पास ले आया।
"ऐसे," एडी ने कहा और वह सहजता से करतब दिखाने लगा। उसने सात साल की उम्र में एक इतालवी तमाशा करने वाले से सीखा था, जो एक साथ छह प्लेटें उछालता था। एडी ने बोर्डवॉक पर अनगिनत घंटे अभ्यास किया था—कंकड़, रबर की गेंदें, जो कुछ भी उसे मिलता था। यह कोई बड़ी बात नहीं थी। घाट पर रहने वाले ज़्यादातर बच्चे करतब दिखा सकते थे।
लेकिन अब वह दोनों पत्थरों को तेज़ी से उछालने लगा, उन्हें और भी तेज़ी से पलटने लगा, जिससे गार्ड प्रभावित हो गया। फिर वह रुका, पत्थरों को आगे बढ़ाया और बोला, "मुझे एक और पत्थर ला दो।"
क्रेज़ी थ्री ने गुर्राते हुए कहा।
"तीन पत्थर, देखो?" एडी ने तीन उंगलियां ऊपर उठाईं। "तीन।"
तब तक मॉर्टन और स्मिट्टी उठकर बैठ चुके थे। कप्तान उनके करीब आ रहा था।
"हम यहाँ कहाँ जा रहे हैं?" स्मिटी ने बुदबुदाते हुए कहा।
"अगर मुझे एक और पत्थर मिल जाए तो..." एडी ने धीमी आवाज़ में जवाब दिया।
क्रेज़ी थ्री ने बांस का दरवाज़ा खोला और वही किया जो एडी को उम्मीद थी: उसने बाकी लोगों को आवाज़ दी। क्रेज़ी वन एक बड़ा पत्थर लेकर आया और क्रेज़ी टू भी उसके पीछे-पीछे अंदर आ गया। क्रेज़ी थ्री ने एडी पर पत्थर फेंका और कुछ चिल्लाया। फिर वह पीछे हट गया, बाकी लोगों को देखकर मुस्कुराया और उन्हें बैठने का इशारा किया, मानो कह रहा हो, "देखो ये क्या होता है।"
एडी ने पत्थरों को लयबद्ध तरीके से उछाला। हर पत्थर उसके हाथ की हथेली जितना बड़ा था। उसने मेले का एक गीत गाया। "दा, दा-दा-दा दाआआआ..." पहरेदार हँसे। एडी हँसा। कप्तान हँसा। बनावटी हँसी, समय बिताने के लिए।
"और करीब आओ," एडी ने ऐसे गाया जैसे ये शब्द धुन का हिस्सा हों। मॉर्टन और

स्मिट्टी धीरे से पास आ गए, मानो दिलचस्पी दिखा रहे हों।
पहरेदार इस तमाशे का आनंद ले रहे थे। उनकी मुद्रा ढीली पड़ गई। एडी ने अपनी साँसें रोकने की कोशिश की। बस थोड़ी देर और। उसने एक पत्थर हवा में उछाला, फिर नीचे के दो पत्थरों को उछाला, फिर तीसरा पत्थर पकड़ा, और फिर यही प्रक्रिया दोहराई।
"आह्ह्ह," क्रेज़ी थ्री ने खुद पर काबू न रखते हुए कहा।
"तुम्हें ये पसंद आया?" एडी ने कहा। अब वो और तेज़ी से करतब दिखा रहा था। वो एक पत्थर को ऊपर उछालता और अपने पकड़ने वालों की निगाहों को देखता रहता जो उसे हवा में जाते हुए देख रही थीं। उसने गाया, "दा, दा-दा-दा दाआ," फिर, "जब मैं तीन तक गिनूँ," फिर, "दा, दा-दा-दा दाआआ..." फिर, "कैप्टन, बाईं ओर वाला आदमी..."
क्रेज़ी टू ने संदेह भरी नज़रों से भौंहें चढ़ाईं, लेकिन एडी ने वैसे ही मुस्कुराया जैसे रूबी पियर के बाज़ीगर तब मुस्कुराते थे जब दर्शक उनसे दूर होने लगते थे। "देखो यहाँ, देखो यहाँ, देखो यहाँ!" एडी ने प्यार से कहा। "दुनिया का सबसे शानदार शो, मेरे दोस्त!"
एडी और तेज़ भागा, फिर गिनने लगा, "एक...दो..." और फिर उसने एक पत्थर पहले से कहीं ज़्यादा ऊँचा उछाला। पागलों ने उसे ऊपर उठते देखा।
"अब!" एडी चिल्लाया। बीच में ही उसने एक पत्थर उठाया और, हमेशा की तरह एक अच्छे बेसबॉल पिचर की तरह, उसे क्रेज़ी टू के चेहरे पर ज़ोर से मारा, जिससे उसकी नाक टूट गई। एडी ने दूसरा पत्थर पकड़ा और उसे बाएं हाथ से क्रेज़ी वन की ठोड़ी पर ज़ोर से फेंका, जो पीछे गिर गया क्योंकि कैप्टन उस पर झपटा और उसकी संगीन छीन ली। क्रेज़ी थ्री, पल भर के लिए जम गया, उसने अपनी पिस्तौल निकाली और अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जबकि मॉर्टन और स्मिट्टी ने उसके पैरों को पकड़ लिया। दरवाज़ा ज़ोर से खुला और क्रेज़ी फोर अंदर भागा, एडी ने आखिरी पत्थर उस पर फेंका जो उसके सिर से कुछ इंच दूर से निकल गया, लेकिन जैसे ही वह झुका, कैप्टन दीवार के सहारे संगीन लिए इंतज़ार कर रहा था, जिसे उसने क्रेज़ी फोर की पसलियों में इतनी ज़ोर से घुसा दिया कि दोनों दरवाज़े से बाहर गिर गए। एडी, एड्रेनालाईन से भरा हुआ, क्रेज़ी टू पर कूद पड़ा और उसके चेहरे पर इतनी ज़ोर से मुक्के मारे जितने उसने पिटकिन एवेन्यू पर कभी किसी के नहीं मारे थे। उसने एक ढीला पत्थर उठाया

और उसे बार-बार अपने सिर पर पटका, जब तक कि उसने अपने हाथों को नहीं देखा और उस पर एक भयानक बैंगनी रंग का चिपचिपा पदार्थ देखा, जिसे देखकर उसे एहसास हुआ कि वह खून, त्वचा और कोयले की राख का मिश्रण था। तभी उसने एक गोली चलने की आवाज़ सुनी और अपना सिर पकड़कर उस चिपचिपे पदार्थ को अपनी कनपटी पर मल लिया। उसने ऊपर देखा तो स्मिटी उसके ऊपर खड़ा था, उसके हाथ में दुश्मन की पिस्तौल थी। क्रेज़ी टू का शरीर ढीला पड़ गया। उसकी छाती से खून बह रहा था।
"राबोज्जो के लिए," स्मिटी ने धीरे से कहा।
कुछ ही मिनटों में चारों गार्ड मारे गए।

दुबले-पतले, नंगे पैर और खून से लथपथ कैदी अब खड़ी पहाड़ी की ओर भाग रहे थे। एडी को गोलीबारी और लड़ने के लिए और अधिक पहरेदारों की उम्मीद थी, लेकिन वहाँ कोई नहीं था। बाकी झोपड़ियाँ खाली थीं। वास्तव में, पूरा शिविर खाली था। एडी सोच रहा था कि कितने समय से वहाँ सिर्फ चार पागल और वे ही लोग थे।
"बमबारी की आवाज सुनकर बाकी लोग शायद भाग गए होंगे," कैप्टन ने फुसफुसाते हुए कहा। "हम ही आखिरी बचे हुए लोग हैं।"
तेल के बैरल पहाड़ी की पहली चढ़ाई पर रखे गए थे। वहाँ से 100 गज से भी कम दूरी पर कोयला खदान का प्रवेश द्वार था। पास ही एक आपूर्ति झोपड़ी थी और मॉर्टन ने यह सुनिश्चित किया कि वह खाली है, फिर वह अंदर भागा; वह अपने हाथों में ढेर सारे ग्रेनेड, राइफलें और दो पुराने ज़माने के दिखने वाले फ्लेमथ्रोवर लेकर बाहर आया। "चलो इसे जला देते हैं," उसने कहा।

आज एडी का जन्मदिन है

केक पर लिखा है "शुभकामनाएं! जमकर लड़ो!" और किनारे पर, वेनिला फ्रॉस्टिंग के साथ, किसी ने नीले रंग के टेढ़े-मेढ़े अक्षरों में "जल्दी घर आना" लिखा है, लेकिन "ओ-ओ-न" को इस तरह से दबाया गया है कि यह "बेटा" या "घर आओ बेटे" जैसा लगता है।

एडी की माँ ने उसके अगले दिन पहनने वाले कपड़े पहले ही धोकर इस्त्री कर दिए हैं। उन्होंने उन्हें उसके बेडरूम की अलमारी के दरवाज़े के हैंडल पर एक हैंगर में टांग दिया है और उसके इकलौते जोड़ी फॉर्मल जूते उनके नीचे रख दिए हैं।

एडी रसोई में अपने युवा रोमानियाई चचेरे भाइयों के साथ मस्ती कर रहा है, उसके हाथ पीछे बंधे हैं जबकि वे उसके पेट पर घूंसे मारने की कोशिश कर रहे हैं। उनमें से एक रसोई की खिड़की से पेरिस के हिंडोले की ओर इशारा करता है, जो शाम के ग्राहकों के लिए रोशन है।

"घोड़े!" बच्चा उत्साह से बोला।

सामने का दरवाजा खुलता है और एडी को एक ऐसी आवाज सुनाई देती है जिससे उसका दिल आज भी धड़कता है। वह सोचता है कि क्या यह उसकी कमजोरी है जिसके कारण उसे युद्ध में नहीं जाना चाहिए।

"हाय, एडी," मार्गुराइट कहती है।

और वह रसोई के दरवाज़े पर खड़ी है, बेहद खूबसूरत लग रही है, और एडी को अपने सीने में वही जानी-पहचानी गुदगुदी महसूस होती है। वह अपने बालों से बारिश का पानी झाड़ती है और मुस्कुराती है। उसके हाथों में एक छोटा सा डिब्बा है।

"मैं तुम्हारे लिए कुछ लाया हूँ। तुम्हारे जन्मदिन के लिए, और हाँ... तुम्हारे जाने के लिए भी।"

वह फिर मुस्कुराती है। एडी उसे गले लगाना चाहता है, इतना कि उसे लगता है जैसे वह फट जाएगा। उसे इस बात की परवाह नहीं कि डिब्बे में क्या है। वह बस यह याद रखना चाहता है कि उसने उसे डिब्बा आगे बढ़ाया था। हमेशा की तरह, मार्गुराइट के साथ, एडी का मन करता है कि समय थम जाए।

"यह बहुत बढ़िया है," वह कहता है।

वह हंसती है। "आपने इसे अभी तक खोला ही नहीं है।"

"सुनो।" वह और करीब आता है। "क्या तुम—"

"एडी!" दूसरे कमरे से किसी ने चिल्लाकर कहा। "चलो मोमबत्तियाँ बुझाओ।"

"हाँ! हमें भूख लगी है!"
"ओह, सैल, चुप रहो!"
"हाँ, हम हैं।"
वहाँ केक, बीयर, दूध और सिगार हैं और एडी की सफलता के लिए टोस्ट किया जाता है, और एक क्षण ऐसा आता है जब उसकी माँ रोने लगती है और वह अपने दूसरे बेटे, जो को गले लगा लेती है, जो अपने चपटे पैरों के कारण अमेरिका में ही रह रहा है।
उसी रात, एडी मार्गुराइट को सैरगाह पर टहलाने ले जाता है। वह हर टिकट काउंटर और खाने-पीने वाले का नाम जानता है और सभी उसे शुभकामनाएँ देते हैं। कुछ बुजुर्ग महिलाओं की आँखों में आँसू आ जाते हैं, और एडी को लगता है कि उनके भी अपने बेटे हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं।
वह और मार्गुराइट नमकीन टॉफी, गुड़, टीबेरी और रूट बीयर फ्लेवर खरीदते हैं। वे छोटे सफेद बैग से टुकड़े निकालते हैं और मस्ती में एक-दूसरे की उंगलियों से खेलते हैं। पेनी आर्केड में, एडी प्लास्टर का हाथ खींचता है और तीर "चिपचिपा", "हानिरहित" और "हल्का" से आगे बढ़ते हुए सीधे "तीखा" पर पहुँच जाता है।
"तुम वाकई बहुत मजबूत हो," मार्गुराइट कहती है।
"ज़बरदस्त," एडी ने अपनी मांसपेशी दिखाते हुए कहा।
रात ढलते ही, वे फिल्मों में देखे गए अंदाज़ में बोर्डवॉक पर खड़े हो जाते हैं, हाथ पकड़े हुए, रेलिंग से टेक लगाकर। रेत पर, एक बूढ़ा कबाड़ बीनने वाला लकड़ियों और फटे तौलियों से छोटी सी आग जलाकर उसके पास दुबक कर बैठा है, मानो रात बिताने के लिए वहीं जम गया हो।
"आपको मुझे इंतजार करने के लिए कहने की जरूरत नहीं है," मार्गुराइट अचानक कहती है।
एडी निगल जाता है।
"मैं नहीं?"
वह अपना सिर हिलाती है। एडी मुस्कुराता है। रात भर उसके गले में अटके एक सवाल से बच निकलने पर, उसे ऐसा लगता है मानो उसके दिल से एक तार निकला हो और उसके कंधों पर लिपटकर उसे अपनी ओर खींच लिया हो, उसे अपना बना लिया हो। इस पल वह उससे इतना प्यार करता है जितना उसने कभी किसी से करने की कल्पना भी नहीं की थी।

बारिश की एक बूँद एडी के माथे पर गिरती है। फिर दूसरी। वह ऊपर मंडराते बादलों की ओर देखता है।
"अरे वाह, हॉट स्टफ?" मार्गुराइट कहती है। वह मुस्कुराती है, लेकिन फिर उसका चेहरा उतर जाता है और वह आँखों में पानी भर आने का संकेत देती है, हालांकि एडी यह नहीं बता पाता कि ये बारिश की बूँदें हैं या आँसू।
"जानबूझकर मारे मत जाना, ठीक है?" वह कहती है।

एक रिहा सैनिक अक्सर गुस्से से भरा होता है। उसने जो दिन-रात गंवाए, जो यातनाएं और अपमान सहे—ये सब एक भयंकर प्रतिशोध, हिसाब बराबर करने की मांग करते हैं।
इसलिए जब मॉर्टन, जिसके हाथों में चुराए हुए हथियार लदे थे, ने बाकी लोगों से कहा, "चलो इसे जला देते हैं," तो तुरंत ही सबने सहमति दे दी, हालांकि यह तर्कसंगत नहीं था। अपने नए नियंत्रण के एहसास से उत्साहित होकर, सभी लोग दुश्मन की गोलाबारी के बीच बिखर गए। स्मिटी खदान के प्रवेश द्वार की ओर, मॉर्टन और एडी तेल के बैरलों की ओर भागे। कप्तान परिवहन वाहन की तलाश में निकल पड़ा।
"पांच मिनट, फिर वापस यहीं!" वह चिल्लाया। "बमबारी जल्द ही शुरू होने वाली है और हमें यहाँ से निकलना होगा। समझे? पांच मिनट!"
बस इतना ही काफी था उनके लगभग आधे साल से बसे घर को तबाह करने के लिए। स्मिटी ने ग्रेनेड खदान में फेंके और भाग गया। एडी और मॉर्टन ने दो बैरल झोपड़ी परिसर में लुढ़काए, उन्हें खोला, फिर एक-एक करके अपने नए हासिल किए गए फ्लेमथ्रोवर के नोजल चलाए और झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखा।
"जला दो!" मॉर्टन चिल्लाया।
"जला दो!" एडी चिल्लाया।
खदान के शाफ्ट में नीचे से विस्फोट हुआ। प्रवेश द्वार से काला धुआँ उठा। अपना काम पूरा करके स्मिटी बैठक स्थल की ओर भागा। मॉर्टन ने अपने तेल के बैरल को एक

झोपड़ी में लात मारी और रस्सी जैसी लपटों का एक विस्फोट कर दिया।

एडी ने देखा, ताना मारा, फिर आखिरी झोपड़ी की ओर रास्ते पर आगे बढ़ा। वह झोपड़ी बड़ी थी, खलिहान जैसी, और उसने अपना हथियार उठा लिया। उसने मन ही मन कहा, अब सब खत्म हो गया। खत्म। उन कमीनों के हाथों में बिताए ये सारे हफ्ते और महीने, उन अमानवीय पहरेदारों के हाथों, जिनके दांत खराब थे, चेहरे हड्डियों के ढाँचे जैसे थे और जिनके सूप में मरे हुए ततैया मिले होते थे। उसे नहीं पता था कि आगे उनके साथ क्या होगा, लेकिन जो उन्होंने सहा था उससे बुरा तो कुछ हो ही नहीं सकता था।

एडी ने ट्रिगर दबाया। धड़ाम! आग तेज़ी से भड़क उठी। बांस सूखा था, और एक मिनट के भीतर खलिहान की दीवारें नारंगी और पीली लपटों में पिघलने लगीं। दूर से एडी को एक इंजन की गड़गड़ाहट सुनाई दी—उसे उम्मीद थी कि कैप्टन को बचने का कोई रास्ता मिल गया होगा—और फिर, अचानक, आसमान से बमबारी की पहली आवाज़ सुनाई दी, वही शोर जो वे हर रात सुनते थे। अब यह और भी करीब था, और एडी को एहसास हुआ कि जो भी बमबारी कर रहा है, वह लपटों को देख लेगा। शायद उन्हें बचा लिया जाए। शायद वह घर जा रहा हो! वह जलते हुए खलिहान की ओर मुड़ा और...

वह क्या था?

उसने पलकें झपकाईं।

वह क्या था?

दरवाजे के खुले हिस्से से कुछ तेज़ी से निकला। एडी ने ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। गर्मी बहुत तेज़ थी, इसलिए उसने अपने खाली हाथ से अपनी आँखों को ढँक लिया। वह निश्चित नहीं था, लेकिन उसे लगा कि उसने अभी-अभी आग के अंदर एक छोटी सी आकृति को भागते हुए देखा है।

"अरे!" एडी चिल्लाया, आगे बढ़ते हुए और अपना हथियार नीचे करते हुए। "अरे!" खलिहान की छत गिरने लगी, चिंगारियां और आग के छींटे उड़ने लगे। एडी पीछे हट गया। उसकी आँखों में पानी आ गया। शायद यह कोई परछाई थी।

"एडी! अभी!"

मॉर्टन रास्ते पर आगे बढ़कर एडी को आने का इशारा कर रहा था। एडी की आँखों में जलन हो रही थी। वह ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था। उसने उंगली से इशारा करते हुए

चिल्लाकर कहा, "मुझे लगता है अंदर कोई है!"
मॉर्टन ने अपना हाथ कान पर रखा। "क्या?"
"कोई...वहाँ...है!"
मॉर्टन ने सिर हिलाया। उसे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। एडी मुड़ा और उसे लगभग यकीन हो गया कि उसने उसे फिर से देखा, जलते हुए खलिहान के अंदर रेंगता हुआ, एक बच्चे के आकार का साया। एडी को दो साल से ज़्यादा हो गए थे जब उसने बड़े आदमियों के अलावा कुछ और नहीं देखा था, और उस धुंधली आकृति को देखकर उसे अचानक घाट पर रहने वाले अपने छोटे चचेरे भाइयों, उस छोटी रेलगाड़ी की याद आ गई जिसे वह चलाया करता था, रोलर कोस्टर, समुद्र तट पर बच्चे, मार्गरेट और उसकी तस्वीर, और वह सब कुछ जो उसने इतने महीनों तक अपने दिमाग से निकाल दिया था।

"अरे! बाहर आओ!" उसने आग फेंकने वाला यंत्र नीचे गिराते हुए चिल्लाया और और करीब आ गया। "मैं तुम्हें भगाऊंगा नहीं—"
किसी ने उसका कंधा पकड़कर उसे पीछे की ओर खींच लिया। एडी घूमा, उसकी मुट्ठी भींची हुई थी। यह मॉर्टन था, जो चिल्ला रहा था, "एडी! हमें अभी जाना होगा!" एडी ने अपना सिर हिलाया। "नहीं—नहीं—रुको—रुको—रुको, मुझे लगता है कि अंदर कोई है—"
"वहाँ कोई नहीं है! अभी!"
एडी बेताब था। वह खलिहान की ओर मुड़ा। मॉर्टन ने उसे फिर पकड़ लिया। इस बार एडी घूम गया और बेतहाशा हाथ घुमाते हुए मॉर्टन की छाती पर वार किया। मॉर्टन घुटनों के बल गिर पड़ा। एडी के सिर में तेज़ दर्द हो रहा था। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया था। वह फिर से आग की लपटों की ओर मुड़ा, उसकी आँखें लगभग बंद थीं। बस। क्या यही था? दीवार के पीछे लुढ़कना? बस?
वह आगे बढ़ा, उसे यकीन था कि उसके सामने किसी निर्दोष को जलाकर मार डाला जा रहा है। तभी छत का बाकी हिस्सा ज़ोरदार धमाके के साथ ढह गया, जिससे बिजली की धूल जैसी चिंगारियां निकलीं और उसके सिर पर जा गिरीं।
उस पल, युद्ध का सारा दर्द उसके भीतर पित्त की तरह उमड़ पड़ा। वह कैद से,

हत्याओं से, कनपटी पर सूखते खून और चिपचिपे पदार्थ से, बमबारी से, आग से और इस सब की निरर्थकता से व्याकुल था। उस क्षण वह बस कुछ बचाना चाहता था, राबोज़ो का एक अंश, खुद का एक अंश, कुछ भी, और वह जलते हुए मलबे में लड़खड़ाता हुआ घुस गया, इस पागलपन भरे विश्वास के साथ कि हर काली छाया के भीतर एक आत्मा है। विमान ऊपर गरज रहे थे और उनकी तोपों की गोलियों की आवाज ढोल की थाप की तरह गूंज रही थी।

एडी मानो सम्मोहन में था। वह जलते हुए तेल के एक गड्ढे के पास से गुजरा, और उसके कपड़ों में पीछे से आग लग गई। एक पीली लपट उसकी पिंडली और जांघ तक फैल गई। उसने अपने हाथ ऊपर उठाए और चिल्लाया।

मैं तुम्हारी मदद करूँगा! बाहर आओ! मैं तुम्हें भगाऊँगा नहीं—"

एडी के पैर में तेज दर्द हुआ। उसने जोर से गाली दी और फिर जमीन पर गिर पड़ा। उसके घुटने के नीचे से खून बह रहा था। विमान के इंजन गरज रहे थे। आसमान नीली रोशनी से जगमगा उठा।

वह वहीं पड़ा रहा, खून बह रहा था और शरीर जल रहा था, झुलसा देने वाली गर्मी से आँखें बंद थीं, और जीवन में पहली बार उसे लगा कि वह मरने के लिए तैयार है। तभी किसी ने उसे पीछे की ओर खींचा, ज़मीन पर लुढ़काया, जिससे आग बुझ गई। वह इतना अचेत और कमज़ोर था कि विरोध नहीं कर सका, जैसे कोई बोरी लुढ़क रही हो। थोड़ी देर में वह एक वाहन के अंदर था और बाकी लोग उसके चारों ओर थे, उसे हिम्मत रखने को कह रहे थे। उसकी पीठ जल गई थी, घुटना सुन्न हो गया था, और उसे चक्कर आ रहे थे और वह बहुत थक गया था।

कप्तान ने उन अंतिम क्षणों को याद करते हुए धीरे से सिर हिलाया।

"तुम्हें याद है कि तुम वहां से कैसे निकले थे?" उसने पूछा।

"नहीं, ऐसा नहीं है," एडी ने कहा।

"इसमें दो दिन लगे। आप बार-बार बेहोश हो रहे थे। आपका बहुत खून बह गया था।"

"लेकिन हम कामयाब हो गए," एडी ने कहा।

"हाँ।" कप्तान ने शब्द को लंबा खींचते हुए कहा और एक गहरी साँस ली। "गोली ने तुम्हें काफी चोट पहुँचाई है।"
सच तो यह है कि गोली पूरी तरह से निकाली ही नहीं जा सकी थी। वह कई नसों और टेंडनों को चीरती हुई एक हड्डी से टकराई और उसे बीच से तोड़ दिया। एडी की दो सर्जरी हुईं। लेकिन दोनों से समस्या ठीक नहीं हुई। डॉक्टरों ने कहा कि उसे लंगड़ापन रह जाएगा, जो उम्र के साथ और भी बदतर होता जाएगा क्योंकि हड्डियां विकृत हो चुकी हैं। उसे बताया गया, "हम इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकते।" क्या सच में ऐसा था? कौन कह सकता है? एडी को बस इतना पता था कि वह एक मेडिकल यूनिट में जागा था और उसकी ज़िंदगी फिर कभी वैसी नहीं रही। उसका दौड़ना खत्म हो गया था। उसका नाचना खत्म हो गया था। इससे भी बुरा, किसी कारण से, चीजों के प्रति उसका पहले जैसा नज़रिया भी बदल गया था। वह खुद को सबसे अलग करने लगा। चीजें उसे बेतुकी या अर्थहीन लगने लगीं। युद्ध एडी के अंदर, उसके पैर में और उसकी आत्मा में घर कर गया था। उसने एक सैनिक के रूप में बहुत कुछ सीखा था। वह एक बदला हुआ इंसान बनकर घर लौटा।

"क्या आपको पता है," कैप्टन ने कहा, "कि मैं तीन पीढ़ियों से सैन्य परिवार से आता हूँ?"
एडी ने कंधे उचका दिए।
"हाँ। मुझे छह साल की उम्र में ही पिस्तौल चलाना आता था। सुबह-सुबह मेरे पिताजी मेरा बिस्तर देखते थे, चादर पर सिक्का उछालकर देखते थे। खाने की मेज पर हमेशा 'जी सर' और 'नहीं सर' ही होता था।"
"सेना में भर्ती होने से पहले, मैं केवल आदेश लेता था। फिर अचानक मुझे पता चला कि मैं आदेश दे रहा हूँ।"
"शांति काल एक अलग बात थी। बहुत सारे चालाक रंगरूट भर्ती हुए। लेकिन फिर युद्ध शुरू हो गया और नए जवान उमड़ पड़े—तुम्हारे जैसे नौजवान—और वे सब मुझे सलाम कर रहे थे, मुझसे जानना चाहते थे कि क्या करना है। मैं उनकी आँखों में डर देख सकता था। वे ऐसे व्यवहार कर रहे थे मानो मुझे युद्ध के बारे में कोई गुप्त जानकारी हो। उन्हें लगा कि मैं उनकी जान बचा सकता हूँ। तुम्हें भी यही लगा था, है

ना?"
एडी को यह स्वीकार करना पड़ा कि उसने ऐसा किया था।
कप्तान ने पीछे हाथ करके अपनी गर्दन सहलाई। "ज़ाहिर है, मैं ऐसा नहीं कर सका। मैंने भी अपने आदेशों का पालन किया था। लेकिन अगर मैं तुम्हें ज़िंदा नहीं रख सका, तो मैंने सोचा कि कम से कम तुम्हें संभाल तो सकता हूँ। एक बड़े युद्ध के बीच, तुम विश्वास करने के लिए एक छोटी सी उम्मीद की तलाश करते हो। जब तुम्हें ऐसी कोई उम्मीद मिल जाती है, तो तुम उसे उसी तरह थामे रहते हो जैसे एक सैनिक खाई में प्रार्थना करते समय अपने क्रूस को थामे रहता है।"
"मेरे लिए, वह छोटा सा विचार वही था जो मैं आप लोगों को हर दिन बताता था। किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।"
एडी ने सिर हिलाया। "इसका मेरे लिए बहुत महत्व है," उसने कहा।
कप्तान ने सीधे उसकी ओर देखा। "मुझे उम्मीद है," उसने कहा।
उसने अपनी जेब में हाथ डाला, एक और सिगरेट निकाली और जला ली।
"तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?" एडी ने पूछा।
कैप्टन ने धुआं उड़ाया, फिर सिगरेट के सिरे से एडी के पैर की ओर इशारा किया।
"क्योंकि मैंने ही तुम्हें गोली मारी थी," उसने कहा।

एडी ने पेड़ की डाल पर लटकते अपने पैर को देखा। सर्जरी के निशान फिर से उभर आए थे। दर्द भी वापस आ गया था। उसके अंदर एक अजीब सी हलचल मच गई थी, जो उसने मरने से पहले, बल्कि कई सालों से महसूस नहीं की थी: गुस्से का एक उग्र सैलाब, और किसी को चोट पहुँचाने की तीव्र इच्छा। उसकी आँखें सिकुड़ गईं और उसने कैप्टन को घूरकर देखा, जो उसे खाली निगाहों से घूर रहा था, मानो उसे पता हो कि क्या होने वाला है। उसने सिगरेट को उंगलियों से नीचे गिरा दिया।
"आगे बढ़ो," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
एडी चीखा और एक पवनचक्की की तरह झूलते हुए झपटा, और दोनों आदमी पेड़ की शाखा से गिर गए और डालियों और लताओं के बीच लुढ़कते हुए, लड़ते हुए और नीचे गिरते चले गए।

क्यों? कमीने! कमीने! तुम नहीं! क्यों?" वे अब कीचड़ से सनी ज़मीन पर हाथापाई कर रहे थे। एडी कप्तान की छाती पर सवार होकर उसके चेहरे पर मुक्के बरसा रहा था। कप्तान को खून नहीं निकला। एडी ने उसे कॉलर से पकड़कर झटका दिया और उसका सिर कीचड़ में पटका। कप्तान ने पलक भी नहीं झपकाई। इसके बजाय, वह हर मुक्के के साथ इधर-उधर लुढ़कता रहा, एडी को अपना गुस्सा निकालने का मौका देता रहा। अंत में, उसने एक हाथ से एडी को पकड़ा और उसे पलट दिया।

"क्योंकि," उसने शांत भाव से कहा, अपनी कोहनी एडी की छाती पर रखते हुए, "हम तुम्हें उस आग में खो देते। तुम्हारी मौत हो जाती। और अभी तुम्हारा समय नहीं आया था।"

एडी हांफते हुए बोला, "मेरा... समय?"

कप्तान ने आगे कहा, "तुम वहाँ घुसने के लिए बेताब थे। जब मॉर्टन ने तुम्हें रोकने की कोशिश की, तो तुमने उसे लगभग बेहोश ही कर दिया था। हमारे पास बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक मिनट का समय था, और तुम्हारी ताकत की तो बात ही छोड़ो, तुम इतने ताकतवर थे कि तुमसे लड़ना नामुमकिन था।"

एडी को आखिरी बार इतना गुस्सा आया कि उसने कप्तान का कॉलर पकड़ लिया। उसने उसे अपनी ओर खींच लिया। उसने देखा कि उसके दांत तंबाकू से पीले पड़ गए थे। "मेरी... टांग!" एडी गुस्से से उबल पड़ा। "मेरी जान!"

"मैंने तुम्हारा पैर इसलिए काटा," कप्तान ने धीमी आवाज़ में कहा, "ताकि तुम्हारी जान बच सके।"

एडी ने हाथ छोड़ दिया और थककर पीछे गिर पड़ा। उसकी बांहों में दर्द हो रहा था। उसका सिर चकरा रहा था। इतने सालों से, वह उस एक पल, उस एक गलती से परेशान था, जिसने उसकी पूरी जिंदगी बदल दी थी।

"उस झोपड़ी में कोई नहीं था। मैं क्या सोच रहा था? काश मैं अंदर न गया होता..." उसकी आवाज़ धीमी होकर फुसफुसाहट में बदल गई। "मैं मर क्यों नहीं गया?"

"कोई पीछे नहीं छूटता, याद है ना?" कप्तान ने कहा। "तुम्हारे साथ जो हुआ—मैंने ऐसा पहले भी होते देखा है। एक सैनिक एक निश्चित बिंदु तक पहुँच जाता है और फिर आगे नहीं जा पाता। कभी-कभी यह आधी रात को होता है। एक आदमी अपने तंबू से निकलकर नंगे पैर, अधनंगा होकर चलने लगता है, जैसे वह घर जा रहा हो,

जैसे उसका घर बस यहीं पास में हो।"
"कभी-कभी ऐसा लड़ाई के बीच में होता है। आदमी अपनी बंदूक गिरा देता है, और उसकी आँखें बेजान हो जाती हैं। वह बस हार मान लेता है। अब और लड़ नहीं सकता। आमतौर पर उसे गोली मार दी जाती है।"
"तुम्हारे मामले में, संयोगवश, इस जगह का काम खत्म होने से लगभग एक मिनट पहले तुम आग के सामने भड़क उठे। मैं तुम्हें जिंदा जलने नहीं दे सकता था। मुझे लगा कि पैर का घाव ठीक हो जाएगा। हमने तुम्हें वहां से निकाला और बाकी लोग तुम्हें मेडिकल यूनिट ले गए।"
एडी की सांसें सीने पर हथौड़े की तरह बज रही थीं। उसका सिर कीचड़ और पत्तों से सना हुआ था। उसे कप्तान की आखिरी बात समझने में एक मिनट लगा। "बाकी लोग?" एडी ने कहा। "आपका मतलब 'बाकी लोग' से क्या है?"
कप्तान उठा। उसने अपने पैर से एक टहनी झाड़ी।
"क्या तुमने मुझे फिर कभी देखा?" उसने पूछा।
एडी के साथ ऐसा नहीं हुआ था। उसे एयरलिफ्ट करके सैन्य अस्पताल ले जाया गया था, और अंततः, उसकी शारीरिक अक्षमता के कारण, उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और वापस अमेरिका भेज दिया गया। महीनों बाद उसे पता चला कि कैप्टन बच नहीं पाए, लेकिन उसने सोचा कि किसी अन्य यूनिट के साथ किसी लड़ाई में उनकी मृत्यु हो गई होगी। अंततः एक पत्र आया, जिसमें एक पदक भी था, लेकिन एडी ने उसे बिना खोले ही रख दिया। युद्ध के बाद के महीने अंधकारमय और उदासी से भरे थे, और वह घटनाओं का विवरण भूल गया था और उन्हें याद करने में उसकी कोई रुचि नहीं थी। समय के साथ, उसने अपना पता बदल लिया।
"जैसा कि मैंने तुम्हें बताया था," कप्तान ने कहा। "टेटनस? पीत ज्वर? वो सारे इंजेक्शन? बस मेरे समय की बर्बादी।"
उसने एडी के कंधे के ऊपर की दिशा में सिर हिलाया, और एडी देखने के लिए मुड़ा।

अचानक, उसके सामने बंजर पहाड़ियाँ नहीं, बल्कि उनके भागने की रात, आसमान में धुंधला चाँद, आते हुए विमान और जलती हुई झोपड़ियाँ थीं। कैप्टन स्मिटी, मॉर्टन और एडी को लेकर वाहन चला रहा था। एडी पिछली सीट पर झुलसा हुआ, घायल और

अर्ध-बेहोश पड़ा था, जबकि मॉर्टन उसके घुटने के ऊपर पट्टी बाँध रहा था। गोलाबारी करीब आती जा रही थी। काला आसमान हर कुछ सेकंड में रोशन हो रहा था, मानो सूरज टिमटिमा रहा हो। एक पहाड़ी की चोटी पर पहुँचते ही वाहन अचानक मुड़ा और फिर रुक गया।

वहाँ लकड़ी और तार से बना एक अस्थायी फाटक था, लेकिन दोनों ओर ज़मीन गहरी ढलान वाली होने के कारण वे उसके चारों ओर से नहीं जा सकते थे। कैप्टन ने राइफल उठाई और गाड़ी से कूद गया। उसने ताला तोड़कर फाटक खोल दिया। उसने मॉर्टन को स्टीयरिंग संभालने का इशारा किया, फिर अपनी आँखों की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह आगे का रास्ता देखेगा, जो पेड़ों के घने झुरमुट में मुड़ता था। वह नंगे पैरों से जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, सड़क के मोड़ से 50 गज आगे भागा।

रास्ता साफ था। उसने अपने साथियों को इशारा किया। एक विमान उसके सिर के ऊपर से तेज़ी से गुजरा और उसने यह देखने के लिए अपनी नज़रें ऊपर उठाईं कि वह किस तरफ से आ रहा है। ठीक उसी क्षण, जब वह आकाश की ओर देख रहा था, उसके दाहिने पैर के नीचे एक हल्की सी क्लिक की आवाज़ आई।

जमीन में बिछाई गई बारूदी सुरंग पल भर में फट गई, मानो धरती के भीतरी भाग से आग की लपटें फूट रही हों। इसने कप्तान को 20 फीट हवा में उछाल दिया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए - हड्डियों और उपास्थि का एक धधकता हुआ पिंड और जले हुए मांस के सौ टुकड़े, जिनमें से कुछ कीचड़ भरी धरती पर उड़कर बरगद के पेड़ों पर जा गिरे।

दूसरा पाठ

"हे भगवान!" एडी ने आंखें बंद करते हुए और सिर पीछे झुकाते हुए कहा। "हे भगवान! हे भगवान! मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था। यह बहुत बुरा है। यह

भयानक है!"
कप्तान ने सिर हिलाया और दूसरी तरफ देखने लगा। पहाड़ियाँ फिर से बंजर हो चुकी थीं, जानवरों की हड्डियाँ, टूटी हुई गाड़ी और गाँव के सुलगते अवशेष बिखरे पड़े थे। एडी को एहसास हुआ कि यही कप्तान का कब्रिस्तान है। कोई अंत्येष्टि नहीं। कोई ताबूत नहीं। बस उसका क्षत-विक्षत कंकाल और कीचड़ से सनी मिट्टी।
"तुम इतनी देर से यहीं इंतजार कर रहे थे?" एडी ने फुसफुसाते हुए कहा।
"समय," कप्तान ने कहा, "वैसा नहीं है जैसा तुम सोचते हो।" वह एडी के बगल में बैठ गया। "मृत्यु? यह सब कुछ का अंत नहीं है। हम ऐसा सोचते हैं। लेकिन पृथ्वी पर जो कुछ होता है वह तो केवल शुरुआत है।"
एडी खोया हुआ सा लग रहा था।
"मुझे लगता है कि यह बाइबिल में आदम और हव्वा की कहानी की तरह है?" कप्तान ने कहा। "आदम की धरती पर पहली रात? जब वह सोने के लिए लेटता है? उसे लगता है कि सब कुछ खत्म हो गया है, है ना? उसे नींद का मतलब नहीं पता। उसकी आँखें बंद हो रही हैं और उसे लगता है कि वह इस दुनिया को छोड़ रहा है, है ना?"
"लेकिन वह ऐसा नहीं है। वह अगली सुबह उठता है और उसके सामने काम करने के लिए एक नई दुनिया होती है, लेकिन उसके पास कुछ और भी होता है। उसके पास उसका बीता हुआ कल होता है।"
कप्तान मुस्कुराया। "मेरी नज़र में, सैनिक, हमें यहाँ यही मिलने वाला है। यही स्वर्ग है। यहाँ आपको अपने बीते हुए कल को अर्थ देने का मौका मिलता है।"
उसने अपना प्लास्टिक का सिगरेट पैकेट निकाला और उंगली से उसे थपथपाया। "समझ रहे हो? मैं पढ़ाने में कभी इतना अच्छा नहीं था।"
एडी ने कैप्टन को गौर से देखा। उसने हमेशा उन्हें अपने से कहीं अधिक उम्र का समझा था। लेकिन अब, उनके चेहरे से कुछ राख हट जाने के बाद, एडी ने उनकी त्वचा पर हल्की झुर्रियाँ और घने काले बाल देखे। उनकी उम्र तीस के आसपास ही रही होगी।
"तुम मरने के बाद से ही यहाँ हो," एडी ने कहा, "लेकिन यह तुम्हारे जीवनकाल से दुगुना समय है।"
कप्तान ने सिर हिलाया।
मैं तुम्हारा इंतजार कर रहा था।

एडी ने नीचे देखा।
"ब्लू मैन ने यही कहा था।"
"हाँ, वो भी थे। वो तुम्हारे जीवन का हिस्सा थे, तुम्हारे जीने के कारण और जीने के तरीके का हिस्सा थे, उस कहानी का हिस्सा थे जिसे तुम्हें जानना ज़रूरी था, लेकिन उन्होंने तुम्हें बताया और अब वो इस दुनिया से परे हैं, और कुछ ही देर में मैं भी चला जाऊँगा। तो ध्यान से सुनो। क्योंकि तुम्हें मुझसे ये जानना ज़रूरी है।" एडी ने महसूस किया कि उसकी पीठ सीधी हो गई है।

"बलिदान," कप्तान ने कहा। "तुमने एक बलिदान दिया। मैंने एक बलिदान दिया। हम सब बलिदान देते हैं। लेकिन तुम अपने बलिदान को लेकर क्रोधित थे। तुम लगातार इस बात के बारे में सोचते रहे कि तुमने क्या खोया।"
"तुम्हें समझ नहीं आया। त्याग जीवन का हिस्सा है। यह होना ही चाहिए। इस पर पछतावा करने की ज़रूरत नहीं है। यह एक ऐसी चीज़ है जिसकी हमें आकांक्षा करनी चाहिए। छोटे-छोटे त्याग। बड़े-बड़े त्याग। एक माँ काम करती है ताकि उसका बेटा स्कूल जा सके। एक बेटी अपने बीमार पिता की देखभाल करने के लिए घर लौट आती है।"
एक आदमी युद्ध में जाता है. . . ."
वह एक पल के लिए रुका और बादलों से भरे धूसर आकाश की ओर देखने लगा।
"राबोज़ो की मौत व्यर्थ नहीं हुई, आप जानते हैं। उन्होंने अपने देश के लिए बलिदान दिया, और उनका परिवार यह जानता था, और उनका छोटा भाई एक अच्छा सैनिक और एक महान व्यक्ति बना क्योंकि वह इससे प्रेरित था।"
"मेरी मौत भी व्यर्थ नहीं हुई। उस रात हम सब उस लैंड माइन के ऊपर से गाड़ी चलाकर निकल सकते थे। तब हम चारों की जान चली जाती।"
एडी ने सिर हिलाया। "लेकिन तुम..." उसने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा। "तुमने अपनी जान गंवाई।"
कप्तान ने अपनी जीभ को अपने दांतों पर पटका।
"यही तो बात है। कभी-कभी जब आप किसी अनमोल चीज का त्याग करते हैं, तो वास्तव में आप उसे खो नहीं रहे होते हैं। आप बस उसे किसी और को सौंप रहे होते

हैं।"
कैप्टन हेलमेट, राइफल और डॉग टैग के पास गया, जो ज़मीन में गड़े हुए प्रतीकात्मक कब्र जैसे लग रहे थे। उसने हेलमेट और टैग को एक हाथ के नीचे दबाया, फिर राइफल को कीचड़ से उठाया और भाले की तरह फेंक दिया। राइफल ज़मीन पर नहीं गिरी। बस आसमान में उड़ गई और गायब हो गई। कैप्टन मुड़ा।
"मैंने तुम्हें गोली मारी, ठीक है," उसने कहा, "और तुमने कुछ खोया है, लेकिन कुछ पाया भी है। तुम्हें अभी इसका एहसास नहीं है। मैंने भी कुछ पाया है।"
"क्या?"
मुझे अपना वादा निभाना था। मैंने तुम्हें पीछे नहीं छोड़ा।
उसने अपनी हथेली आगे बढ़ा दी।
"पैर के बारे में मुझे माफ कर दीजिए?"
एडी ने एक पल सोचा। उसे अपने ज़ख्मों के बाद की कड़वाहट और अपने द्वारा त्यागे गए हर चीज़ पर गुस्सा याद आया। फिर उसने कप्तान के त्याग के बारे में सोचा और उसे शर्म महसूस हुई। उसने अपना हाथ बढ़ाया। कप्तान ने उसका हाथ कसकर पकड़ लिया।
"मैं इसी का इंतजार कर रहा था।"
अचानक, बरगद की शाखाओं से मोटी लताएँ टूटकर ज़मीन में समा गईं। नई, स्वस्थ शाखाएँ फैली हुई थीं, जो चिकने, चमड़े जैसे पत्तों और अंजीर से लदी हुई थीं। कप्तान ने बस ऊपर देखा, मानो उसे इसकी उम्मीद थी। फिर, उसने अपनी हथेलियों से अपने चेहरे से बची हुई राख पोंछ ली।
"कैप्टन?" एडी ने कहा।
"हाँ?"
"यहीं क्यों? आप कहीं भी इंतजार कर सकते हैं, है ना? ब्लू मैन ने भी यही कहा था। तो फिर यही जगह क्यों?"
कप्तान मुस्कुराया। "क्योंकि मैं युद्ध में मारा गया। मैं इन्हीं पहाड़ियों में शहीद हुआ। मैंने इस दुनिया को लगभग युद्ध के सिवा कुछ नहीं जाना - युद्ध की बातें, युद्ध की योजनाएँ, एक युद्ध परिवार।"
"मेरी इच्छा थी कि मैं देखूं कि युद्ध के बिना दुनिया कैसी दिखती है। इससे पहले कि हम एक दूसरे को मारना शुरू कर दें।"

एडी ने चारों ओर देखा। "लेकिन यह तो युद्ध है।"
"तुम्हें तो ऐसा ही लगता है। लेकिन हमारी नज़रें अलग हैं," कप्तान ने कहा। "जो तुम देखते हो, वो मैं नहीं देखता।"
उसने हाथ उठाया और सुलगता हुआ परिदृश्य बदल गया। मलबा पिघल गया, पेड़ उगने लगे और फैलने लगे, ज़मीन कीचड़ से हरी-भरी घास में बदल गई। घने बादल पर्दों की तरह छंट गए और नीले आसमान का नज़ारा सामने आ गया। पेड़ों की चोटियों के ऊपर हल्की, सफ़ेद धुंध छा गई और आड़ू के रंग का सूरज क्षितिज पर चमक रहा था, जिसकी परछाईं द्वीप को घेरे हुए जगमगाते महासागरों में पड़ रही थी। यह शुद्ध, बेदाग और अछूती सुंदरता थी।
एडी ने अपने पुराने कमांडिंग ऑफिसर की ओर देखा, जिनका चेहरा साफ था और जिनकी वर्दी अचानक इस्त्री की हुई थी।
कप्तान ने अपनी बाहें उठाते हुए कहा, "यही मैं देख रहा हूँ।"
वह एक पल के लिए खड़ा रहा, स्थिति को समझने की कोशिश करता रहा।
"वैसे, मैं अब सिगरेट नहीं पीता। ये सब तुम्हारी आँखों की वजह से ही हुआ था।" वह हँस पड़ा। "स्वर्ग में मैं सिगरेट क्यों पीऊँगा?"
वह वहां से जाने लगा।
"रुको," एडी चिल्लाया। "मुझे कुछ जानना है। मेरी मौत। घाट पर। क्या मैंने उस लड़की को बचाया था? मैंने उसके हाथ महसूस किए थे, लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा —"
कैप्टन मुड़ा और एडी शर्मिंदा होकर अपने शब्द निगल गया, क्योंकि कैप्टन की मृत्यु जिस भयावह तरीके से हुई थी, उसे देखते हुए उसे यह सवाल पूछने में भी शर्म आ रही थी।
"मैं बस जानना चाहता हूं, बस इतना ही," उसने धीरे से कहा।
कैप्टन ने अपने कान के पीछे खुजली की। उन्होंने एडी को सहानुभूति से देखा। "मैं तुम्हें नहीं बता सकता, सिपाही।"
एडी ने अपना सिर झुका लिया।
"लेकिन कोई तो कर सकता है।"
उसने हेलमेट और टैग फेंक दिए। "ये तुम्हारे हैं।"
एडी ने नीचे देखा। हेलमेट के फ्लैप के अंदर एक महिला की मुड़ी-तुड़ी तस्वीर थी,

जिसे देखकर उसका दिल फिर से दुख से भर गया। जब उसने ऊपर देखा, तो कैप्टन वहां से जा चुका था।

सोमवार, सुबह 7:30 बजे

दुर्घटना के अगले दिन सुबह, डोमिंगुएज़ सुबह-सुबह दुकान पर आ गए, नाश्ते में बैगल और सॉफ्ट ड्रिंक लेने की अपनी नियमित आदत को छोड़कर। पार्क बंद था, लेकिन फिर भी वे अंदर आ गए और सिंक में पानी चालू कर दिया। उन्होंने राइड के कुछ हिस्सों को साफ करने के इरादे से पानी के नीचे हाथ फेरा। फिर उन्होंने पानी बंद कर दिया और अपना विचार छोड़ दिया। ऐसा लग रहा था मानो एक मिनट पहले की तुलना में अब दोगुनी शांति थी।
"क्या चल रहा है?"
विली दुकान के दरवाजे पर खड़ा था। उसने हरे रंग की टैंक टॉप और ढीली जींस पहनी हुई थी। उसके हाथ में एक अखबार था। अखबार की हेडलाइन थी, "मनोरंजन पार्क त्रासदी।"
"सोने में बहुत परेशानी हो रही है," डोमिंगुएज़ ने कहा।
"हाँ।" विली एक धातु के स्टूल पर बैठ गया। "मैं भी।"
वह स्टूल पर आधा चक्कर लगाते हुए कागज को निश्चिंत होकर देखने लगा। "आपको क्या लगता है कि वे हमें दोबारा कब खोलेंगे?"
डोमिंगुएज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "पुलिस से पूछो।"
वे कुछ देर चुपचाप बैठे रहे, बारी-बारी से अपनी मुद्रा बदलते रहे। डोमिंगुएज़ ने आह भरी। विली ने अपनी कमीज़ की जेब में हाथ डाला और च्युइंग गम निकालने लगा। सोमवार का दिन था। सुबह हो चुकी थी। वे बूढ़े आदमी के आने और काम शुरू करने

का इंतज़ार कर रहे थे।

एडी स्वर्ग में जिस तीसरे व्यक्ति से मिलता है

अचानक तेज़ हवा ने एडी को उठा लिया और वह जंजीर से बंधी जेब घड़ी की तरह घूमने लगा। धुएँ के एक विस्फोट ने उसे घेर लिया, रंगों के सैलाब में उसका शरीर समा गया। आकाश मानो उसकी ओर खिंचता चला गया, मानो वह उसे अपनी त्वचा पर एक कंबल की तरह महसूस कर रहा हो। फिर वह तेज़ी से दूर चला गया और हरे रंग में बदल गया। तारे दिखाई दिए, लाखों तारे, मानो हरे-भरे आकाश में नमक छिड़का गया हो।

एडी ने पलकें झपकाईं। वह अब पहाड़ों में था, लेकिन बेहद खूबसूरत पहाड़ों में, एक ऐसी पर्वत श्रृंखला जो अंतहीन रूप से फैली हुई थी, जिसमें बर्फ से ढकी चोटियाँ, नुकीली चट्टानें और बैंगनी रंग की ढलानें थीं। दो चोटियों के बीच एक समतल जगह में एक बड़ी, काली झील थी। उसके पानी में चंद्रमा की चमकती रोशनी झलक रही थी।

पहाड़ी की ढलान पर, एडी ने रंगीन रोशनी की एक झिलमिलाहट देखी जो हर कुछ सेकंड में लयबद्ध रूप से बदल रही थी। वह उस दिशा में बढ़ा और महसूस किया कि वह टखनों तक बर्फ में धंसा हुआ है। उसने अपना पैर उठाया और उसे ज़ोर से झटका। बर्फ के टुकड़े सुनहरी चमक के साथ नीचे गिरने लगे। जब उसने उन्हें छुआ, तो वे न तो ठंडे थे और न ही गीले।

मैं अब कहाँ हूँ? एडी ने सोचा। एक बार फिर, उसने अपने शरीर का जायज़ा लिया, अपने कंधों, छाती और पेट को दबाया। उसकी बांहों की मांसपेशियां तो कसी हुई थीं, लेकिन उसका पेट ढीला और चर्बीदार हो गया था। वह झिझका, फिर उसने अपने बाएं घुटने को दबाया। उसमें तेज़ दर्द हुआ और एडी सिहर उठा। कैप्टन को छोड़ते समय

उसने उम्मीद की थी कि घाव ठीक हो जाएगा। इसके बजाय, ऐसा लग रहा था कि वह वही इंसान बन रहा है जो वह धरती पर था, ज़ख्मों और चर्बी समेत। स्वर्ग तुम्हें अपने ही पतन को दोबारा क्यों जीने पर मजबूर करता है?

वह टिमटिमाती रोशनी का पीछा करते हुए संकरी पहाड़ी से नीचे उतरा। यह निर्मल और शांत परिदृश्य बेहद खूबसूरत था, मानो उसने स्वर्ग की कल्पना की हो। एक पल के लिए उसे लगा कि शायद उसका काम पूरा हो गया है, शायद कप्तान गलत था, या अब उससे मिलने के लिए कोई और बचा ही नहीं है। वह बर्फ से होते हुए एक चट्टानी कगार के पास से गुजरकर उस विशाल खुले मैदान में पहुँचा जहाँ से रोशनी आ रही थी। उसने एक बार फिर पलकें झपकाईं—इस बार अविश्वास से।

वहाँ, बर्फीले मैदान में, एकांत में, स्टेनलेस स्टील के बाहरी हिस्से और लाल रंग की तिरपालनुमा छत वाली एक डिब्बे के आकार की इमारत खड़ी थी। उसके ऊपर एक बोर्ड चमक रहा था जिस पर लिखा था: "खाओ।"

एक भोजनालय।

एडी ने इस तरह की जगहों पर कई घंटे बिताए थे। वे सभी एक जैसी दिखती थीं—ऊँची पीठ वाली कुर्सियाँ, चमकदार काउंटरटॉप, सामने की ओर छोटी-छोटी खिड़कियों की एक कतार, जो बाहर से देखने पर ग्राहकों को रेलगाड़ी के डिब्बे में बैठे यात्रियों की तरह दिखाती थीं। एडी अब उन खिड़कियों से लोगों को बातें करते और इशारे करते हुए देख सकता था। वह बर्फीली सीढ़ियों से चढ़कर दोहरे शीशे वाले दरवाजे तक पहुँचा। उसने अंदर झाँका।

उसके दाहिनी ओर एक बुजुर्ग जोड़ा पाई खा रहा था; उन्होंने उसकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। अन्य ग्राहक संगमरमर के काउंटर पर घूमने वाली कुर्सियों पर या बूथों के अंदर हुक पर अपने कोट टांगे बैठे थे। वे अलग-अलग दशकों के प्रतीत होते थे: एडी ने 1930 के दशक की ऊँची कॉलर वाली पोशाक पहने एक महिला और लंबे बालों वाले एक युवक को देखा, जिसकी बांह पर 1960 के दशक का शांति चिन्ह टैटू बना हुआ था। कई ग्राहक घायल प्रतीत हो रहे थे। काम की कमीज पहने एक अश्वेत व्यक्ति की एक बांह नहीं थी। एक किशोरी के चेहरे पर गहरा घाव था। एडी के खिड़की पर दस्तक देने पर भी उनमें से किसी ने उसकी ओर नहीं देखा। उसने रसोइयों को सफेद कागज की टोपी पहने देखा, और काउंटर पर परोसे जाने के लिए तैयार गरमागरम खाने की प्लेटें देखीं—स्वादिष्ट रंगों में: गहरे लाल रंग की चटनी, पीले रंग की बटर

क्रीम। उसकी नज़र दाहिने कोने के आखिरी बूथ पर पड़ी। वह वहीं जम गया।
जो उसने देखा, वह उसे देख ही नहीं सकता था।

"नहीं," उसने अपने आप को फुसफुसाते हुए सुना। वह दरवाजे से पीछे मुड़ गया। उसने गहरी साँसें लीं। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था। वह घूमकर फिर से देखने लगा, फिर खिड़की के शीशों पर बेतहाशा हाथ पटका।
"नहीं!" एडी चिल्लाया। "नहीं! नहीं!" वह तब तक पीटता रहा जब तक उसे यकीन नहीं हो गया कि शीशा टूट जाएगा। "नहीं!" वह तब तक चिल्लाता रहा जब तक कि वह शब्द, जो वह दशकों से नहीं बोला था, उसके गले से निकल नहीं आया। फिर उसने वह शब्द चीखा—इतनी ज़ोर से चीखा कि उसका सिर दर्द करने लगा। लेकिन बूथ के अंदर बैठा व्यक्ति झुका हुआ, बेखबर, एक हाथ मेज पर रखा, दूसरे हाथ में सिगार, ऊपर देखे बिना, चाहे एडी कितनी ही बार चिल्लाए, बार-बार: "पापा! पापा! पापा!"

आज एडी का जन्मदिन है

वी.ए. अस्पताल के धुंधले और नीरस गलियारे में, एडी की माँ सफेद बेकरी बॉक्स खोलती है और केक पर मोमबत्तियों को बराबर क्रम में लगाती है, एक तरफ 12 और दूसरी तरफ 12। बाकी सब - एडी के पिता, जो, मार्गरेट, मिकी शीया - उसके चारों ओर खड़े होकर देख रहे हैं।
"क्या किसी के पास माचिस है?" वह फुसफुसाती है।
वे अपनी जेबें टटोलते हैं। मिकी अपनी जैकेट से सिगरेट का एक पैकेट निकालता है और दो सिगरेट ज़मीन पर गिरा देता है। एडी की माँ मोमबत्तियाँ जलाती है। एक लिफ्ट गलियारे में आती है और एक स्ट्रेचर बाहर निकलता है।

"ठीक है, तो चलिए चलते हैं," वह कहती है।
छोटी-छोटी लपटें एक साथ हिलती हुई लहरा रही हैं। समूह धीरे-धीरे गाते हुए एडी के कमरे में प्रवेश करता है। "जन्मदिन मुबारक हो, जन्मदिन मुबारक हो—"
बगल वाले बिस्तर पर लेटा सिपाही चीखते हुए जाग उठता है, "ये क्या बकवास है?" उसे अपनी स्थिति का एहसास होता है और वह शर्मिंदा होकर वापस लेट जाता है। एक बार रुक जाने के बाद, गाना फिर से शुरू करना असंभव सा लगता है, और केवल एडी की माँ की कांपती हुई आवाज़ ही अकेलेपन में गूंजती रहती है।
"जन्मदिन मुबारक हो प्यारे एडी..." फिर जल्दी से, "आपको भी जन्मदिन मुबारक हो।"
एडी तकिए के सहारे बैठ जाता है। उसके जलने के घावों पर पट्टियाँ बंधी हैं। उसके पैर पर लंबा प्लास्टर लगा है। बिस्तर के पास बैसाखियाँ पड़ी हैं। वह इन चेहरों को देखता है और उसके मन में भाग जाने की तीव्र इच्छा जाग उठती है।
जो ने गला साफ किया। "वाह, तुम तो काफी अच्छे दिख रहे हो," उसने कहा। बाकी सबने भी तुरंत सहमति जताई। अच्छा। हाँ। बहुत अच्छा।
"तुम्हारी माँ केक लाई है," मार्गुराइट फुसफुसाती है।
एडी की मां आगे बढ़ती है, मानो अब उसकी बारी हो। वह गत्ते का डिब्बा पेश करती है।
एडी धीरे से कहता है, "धन्यवाद, माँ।"
वह चारों ओर देखती है। "अब इसे कहाँ रखें?"
मिक्की एक कुर्सी उठाता है। जो एक छोटी मेज साफ करता है। मार्गुराइट एडी की बैसाखियाँ हटाती है। लेकिन उसके पिता बेवजह नहीं चलते। वे पीछे की दीवार के सहारे खड़े हैं, हाथ पर जैकेट डाले, एडी के पैर को घूर रहे हैं, जो जांघ से टखने तक प्लास्टर से ढका हुआ है।
एडी की नज़र अपने पिता पर पड़ती है। उसके पिता नीचे देखते हैं और खिड़की की चौखट पर हाथ फेरते हैं। एडी अपने शरीर की हर मांसपेशी को कसता है और अपनी पूरी इच्छाशक्ति से आँसुओं को रोकने की कोशिश करता है।

सभी माता-पिता अपने बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसे टाला नहीं जा सकता। युवावस्था, निर्मल कांच की तरह, अपने संरक्षकों की छाप सोख लेती है। कुछ माता-पिता दाग लगाते हैं, कुछ तोड़ देते हैं, और कुछ बचपन को पूरी तरह से चकनाचूर कर देते हैं, छोटे-छोटे टुकड़ों में, जिन्हें जोड़ना असंभव होता है।

एडी के पिता द्वारा पहुँचाया गया नुकसान, शुरुआत में, उपेक्षा का नुकसान था। शिशु अवस्था में, एडी को उनके पिता ने शायद ही कभी गोद में लिया हो, और बड़े होने पर, उसे ज्यादातर प्यार से कम, झुंझलाहट से बांह पकड़कर ही सताया जाता था। एडी की माँ उसे स्नेह देती थी; उसके पिता अनुशासन सिखाने के लिए मौजूद थे।

शनिवार को एडी के पिता उसे घाट पर ले जाते थे। एडी झूलों और ढेर सारी रुई जैसी कैंडी के सपने देखते हुए अपार्टमेंट से निकलता था, लेकिन एक घंटे बाद उसके पिता किसी परिचित चेहरे को देखकर कहते, "बच्चे का ध्यान रखना, प्लीज़?" जब तक उसके पिता, जो आमतौर पर देर दोपहर में, अक्सर नशे में होते थे, वापस नहीं आते, एडी किसी कलाबाज या पशु प्रशिक्षक की देखरेख में रहता था।

फिर भी, अपने बचपन के अनगिनत घंटे एडी ने पार्क के किनारे बिताए, इस दौरान वह रेलिंग पर बैठा रहता था या मरम्मत की दुकान में औजारों के बक्सों के ऊपर अपनी छोटी पैंट पहने बैठा रहता था। अक्सर वह कहता, "मैं मदद कर सकता हूँ, मैं मदद कर सकता हूँ!" लेकिन उसे बस एक ही काम सौंपा जाता था, और वह था पार्क खुलने से पहले सुबह फेरिस व्हील के नीचे रेंगकर जाना और पिछली रात ग्राहकों की जेबों से गिरे सिक्कों को इकट्ठा करना।

हफ्ते में कम से कम चार शाम उसके पिता ताश खेलते थे। मेज पर पैसे, बोतलें, सिगरेट और नियम लिखे होते थे। एडी का नियम सीधा-सादा था: किसी को परेशान मत करो। एक बार उसने अपने पिता के बगल में खड़े होकर उनके कार्ड देखने की कोशिश की, लेकिन बूढ़े ने अपनी सिगार नीचे रख दी और बिजली की तरह भड़क उठे, एडी के चेहरे पर हाथ के पिछले हिस्से से एक जोरदार थप्पड़ मारा। "मेरे ऊपर सांस मत लो," उन्होंने कहा। एडी फूट-फूट कर रोने लगा और उसकी माँ ने उसे अपनी कमर से लगा लिया और अपने पति को घूरने लगी। एडी फिर कभी उनके इतने करीब

नहीं गया।
कुछ रातों को, जब ताश के पत्ते खराब हो जाते, बोतलें खाली हो जातीं और माँ सो जाती, तो उसके पिता अपना गुस्सा निकालते हुए एडी और जो के कमरे में घुस आते। वे बचे-खुचे खिलौनों को इधर-उधर फेंकते और दीवार पर पटकते। फिर वे अपने बेटों को गद्दे पर औंधे मुँह लिटा देते और बेल्ट से उनकी पीठ पर मारते हुए चिल्लाते कि वे बेकार की चीजों पर उनका पैसा बर्बाद कर रहे हैं। एडी अपनी माँ के जागने की प्रार्थना करता, लेकिन जब भी वह जागती, उसके पिता उसे कहते कि "इस मामले से दूर रहो।" उसे दालान में अपनी चादर पकड़े, खुद की तरह बेबस देखकर, स्थिति और भी खराब हो जाती।
एडी के बचपन के गिलास पर पड़ने वाले हाथ कठोर, खुरदुरे और गुस्से से लाल थे, और उसने अपने बचपन के साल मार-पीट और मार खाते हुए बिताए। यह दूसरा आघात था, उपेक्षा के बाद वाला। हिंसा का आघात। हालत इतनी बिगड़ गई थी कि एडी को गलियारे से आती कदमों की आहट से ही पता चल जाता था कि उसे कितनी बुरी तरह मार पड़ने वाली है।
इन सब के बावजूद, एडी मन ही मन अपने पिता से बहुत प्यार करता था, क्योंकि बेटे अपने पिता के बुरे व्यवहार में भी उनका स्नेह करते हैं। इसी से वे भक्ति सीखते हैं। भगवान या किसी स्त्री के प्रति समर्पित होने से पहले, एक लड़का अपने पिता के प्रति समर्पित होता है, चाहे वह मूर्खतापूर्ण ही क्यों न हो, चाहे उसकी कोई व्याख्या ही न हो।

और कभी-कभी, मानो आग की सबसे कमजोर चिंगारी को हवा देने के लिए, एडी के पिता अपनी उदासीनता के आवरण को थोड़ा सा उजागर करते हुए गर्व की एक लकीर छोड़ देते थे। 14वीं एवेन्यू स्कूल के मैदान के पास बेसबॉल के मैदान में, उनके पिता बाड़ के पीछे खड़े होकर एडी को खेलते हुए देखते थे। अगर एडी गेंद को आउटफील्ड में मारता, तो उनके पिता सिर हिलाते, और ऐसा होने पर एडी बेस के चारों ओर उछल पड़ता। कभी-कभी, जब एडी किसी गली में लड़ाई करके घर आता, तो उसके पिता उसकी छिली हुई उंगलियों या फटे होंठ को देखते। वे पूछते, "दूसरे लड़के को क्या हुआ?" और एडी कहता कि उसने उसे खूब मारा। इस पर भी उसके पिता सहमत हो

जाते। जब एडी उन बच्चों पर हमला करता जो उसके भाई को परेशान कर रहे थे—जिन्हें उसकी माँ "गुंडे" कहती थी—तो जो शर्मिंदा होकर अपने कमरे में छिप जाता, लेकिन एडी के पिता कहते, "उसकी चिंता मत करो। तुम मजबूत हो। अपने भाई की रक्षा करो। किसी को उसे छूने मत देना।"

जब एडी ने जूनियर हाई स्कूल जाना शुरू किया, तो उसने अपने पिता की गर्मियों की दिनचर्या का अनुकरण किया; वह सूरज उगने से पहले उठ जाता और सूर्यास्त तक पार्क में काम करता। शुरुआत में, वह आसान झूलों को चलाता, ब्रेक लीवर को संभालता और ट्रेन के डिब्बों को धीरे से रोकता। बाद के वर्षों में, उसने मरम्मत की दुकान में काम किया। एडी के पिता उसे मरम्मत संबंधी समस्याओं से परखते थे। वे उसे एक टूटा हुआ स्टीयरिंग व्हील देते और कहते, "इसे ठीक करो।" वे एक उलझी हुई चेन की ओर इशारा करते और कहते, "इसे ठीक करो।" वे एक जंग लगा हुआ फेंडर और कुछ सैंडपेपर लेकर आते और कहते, "इसे ठीक करो।" और हर बार, काम पूरा होने पर, एडी उस सामान को अपने पिता के पास वापस ले जाता और कहता, "यह ठीक हो गया है।"

रात को वे सब खाने की मेज पर इकट्ठा होते थे। उसकी माँ, जो थोड़ी मोटी और पसीने से तर थी, चूल्हे पर खाना बना रही होती थी, और उसका भाई, जो, लगातार बातें करता रहता था, उसके बालों और त्वचा से समुद्री पानी की गंध आती थी। जो एक अच्छा तैराक बन गया था, और गर्मियों में उसका काम रूबी पियर पूल में था। जो वहाँ देखे गए सभी लोगों, उनके स्विमसूट, उनके पैसों के बारे में बातें करता रहता था। एडी के पिता इससे प्रभावित नहीं थे। एक बार एडी ने उन्हें अपनी माँ से जो के बारे में बात करते हुए सुन लिया। उन्होंने कहा, "वह तो पानी के अलावा किसी और चीज़ के लिए मज़बूत नहीं है।"

फिर भी, एडी को शाम के समय अपने भाई के साफ-सुथरे और तरोताज़ा दिखने के तरीके से ईर्ष्या होती थी। एडी के नाखून, अपने पिता की तरह, चिकनाई से सने रहते थे, और खाने की मेज पर एडी उन्हें अपने अंगूठे के नाखून से खुरचकर गंदगी निकालने की कोशिश करता था। एक बार उसने अपने पिता को उसे देखते हुए पकड़ लिया और बूढ़ा आदमी मुस्कुराया।

"इससे पता चलता है कि तुमने दिन भर कड़ी मेहनत की है," उसने कहा और अपने गंदे नाखूनों को ऊपर उठाते हुए उन्हें बीयर के गिलास में लपेट लिया।

इस समय तक—एक हट्टा-कट्टा किशोर बन चुका एडी—केवल सिर हिलाकर जवाब देता था। उसे पता भी नहीं था कि उसने अपने पिता के साथ इशारों की रस्म शुरू कर दी थी, शब्दों या शारीरिक स्नेह का त्याग कर। यह सब आंतरिक रूप से किया जाना था। "तुम्हें बस इसे समझना था, बस इतना ही। स्नेह का त्याग। जो नुकसान हो चुका था।"

और फिर, एक रात, बोलना बिल्कुल बंद हो गया। यह युद्ध के बाद की बात है, जब एडी अस्पताल से छुट्टी पाकर, उसके पैर से प्लास्टर हटाकर, बीचवुड एवेन्यू स्थित अपने पारिवारिक अपार्टमेंट में वापस आ गया था। उसके पिता पास के पब में शराब पी रहे थे और देर से घर लौटे तो एडी सोफे पर सो रहा था। युद्ध के अंधकार ने एडी को बदल दिया था। वह घर के अंदर ही रहता था। वह मार्गुराइट से भी बहुत कम बोलता था। वह घंटों रसोई की खिड़की से बाहर देखता रहता, हिंडोला देखता रहता और अपने चोटिल घुटने को सहलाता रहता। उसकी माँ फुसफुसाकर कहती कि उसे "बस समय चाहिए", लेकिन उसके पिता दिन-ब-दिन और बेचैन होते जा रहे थे। उन्हें अवसाद समझ नहीं आता था। उनके लिए यह कमजोरी थी।
अब लड़खड़ाते शब्दों में वह चिल्लाया, "उठो और नौकरी ढूंढो।"
एडी हिल गया। उसके पिता ने फिर से चिल्लाया।
उठो... और नौकरी ढूंढो!
बूढ़ा आदमी लड़खड़ा रहा था, लेकिन वह एडी की ओर बढ़ा और उसे धक्का दिया।
"उठो और नौकरी ढूंढो! उठो और नौकरी ढूंढो! उठो... और... नौकरी ढूंढो!"
एडी कोहनियों के बल उठा।
उठो और नौकरी ढूंढो! उठो और—"
"बस करो!" एडी चिल्लाया और घुटने के दर्द को नज़रअंदाज़ करते हुए उछल पड़ा। उसने अपने पिता को घूरकर देखा, जिनका चेहरा उससे बस कुछ ही इंच दूर था। उसे शराब और सिगरेट की बदबू आ रही थी।
बूढ़े आदमी ने एडी के पैर पर एक नज़र डाली। उसकी आवाज़ धीमी होकर गुर्राहट में बदल गई। "देखा? तुम... ज़्यादा... घायल... नहीं हो।"
वह मुक्का मारने के लिए पीछे हटा, लेकिन एडी ने सहज प्रवृत्ति से काम लेते हुए

अपने पिता का हाथ बीच में ही पकड़ लिया। बूढ़े की आँखें चौड़ी हो गईं। एडी ने पहली बार आत्मरक्षा की थी, पहली बार उसने मार खाने के अलावा कुछ और किया था, मानो वह इसके लायक ही हो। उसके पिता ने अपनी मुट्ठी को देखा, जो निशाने से चूक गई थी, और उनकी नाक के नथुने फूल गए, दांत किटकिटाने लगे, वे लड़खड़ाकर पीछे हटे और अपना हाथ छुड़ा लिया। उन्होंने एडी को ऐसे देखा जैसे कोई ट्रेन को जाते हुए देख रहा हो।

उसने फिर कभी अपने बेटे से बात नहीं की।

एडी के गिलास पर यही आखिरी निशान था। सन्नाटा। यह सन्नाटा उनके बाकी के सालों में छाया रहा। एडी के अपने अपार्टमेंट में जाने पर उसके पिता चुप रहे, एडी के टैक्सी ड्राइवर बनने पर चुप रहे, एडी की शादी में चुप रहे, एडी के अपनी माँ से मिलने आने पर चुप रहे। उसकी माँ ने गिड़गिड़ाकर, रोते हुए, अपने पति से विनती की कि वह अपना मन बदल लें, इस बात को भूल जाएँ, लेकिन एडी के पिता ने भींचे हुए जबड़े से उससे वही कहा जो उन्होंने दूसरों से भी कहा था जब उन्होंने यही विनती की थी: "उस लड़के ने मुझ पर हाथ उठाया था।" और यहीं बातचीत खत्म हो गई।

सभी माता-पिता अपने बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं। यही उनका साथ बिताया जीवन था। उपेक्षा। हिंसा। चुप्पी। और अब, मृत्यु से परे किसी स्थान पर, एडी एक स्टेनलेस स्टील की दीवार से टिककर बर्फ के ढेर में गिर पड़ा, उस व्यक्ति के इनकार से फिर से आहत, जिसके प्यार की, लगभग अकथनीय रूप से, वह अब भी लालसा करता था, एक ऐसा व्यक्ति जो स्वर्ग में भी उसे अनदेखा कर रहा था। उसका पिता। जो नुकसान हो चुका था।

"गुस्सा मत करो," एक महिला की आवाज सुनाई दी। "वह तुम्हें सुन नहीं सकता।"

एडी ने झटके से अपना सिर ऊपर उठाया। बर्फ में उसके सामने एक बूढ़ी औरत खड़ी थी। उसका चेहरा दुबला-पतला था, गाल लटके हुए थे, गुलाबी रंग की लिपस्टिक लगी थी और कसकर पीछे की ओर बंधे हुए सफेद बाल थे, जो कहीं-कहीं इतने पतले थे कि उनके नीचे की गुलाबी खोपड़ी दिखाई दे रही थी। उसने अपनी पतली नीली आँखों पर तार के फ्रेम वाला चश्मा पहन रखा था।

एडी को वह याद नहीं आ रही थी। उसके कपड़े उसके ज़माने से पहले के थे, रेशम

और शिफॉन से बनी एक पोशाक, जिसमें सफेद मोतियों से सजी एक बिब जैसी चोली थी और गर्दन के ठीक नीचे मखमली धनुष लगा था। उसकी स्कर्ट में एक स्फटिक का बकल था और किनारों पर बटन और हुक लगे थे। वह दोनों हाथों में छाता लिए एक सलीके से खड़ी थी। एडी ने अंदाज़ा लगाया कि वह अमीर रही होगी।

"हमेशा से अमीर नहीं थे," उसने मुस्कुराते हुए कहा, मानो उसने उसकी बात सुन ली हो। "मेरा पालन-पोषण भी तुम्हारी ही तरह शहर के पिछड़े इलाके में हुआ था, चौदह साल की उम्र में मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा। मैं एक कामकाजी लड़की थी। मेरी बहनें भी कामकाजी थीं। हम एक-एक पैसा परिवार को वापस दे देते थे—"

एडी ने बीच में ही बात काट दी। वह एक और कहानी नहीं सुनना चाहता था। उसने पूछा, "मेरे पिता मुझे क्यों नहीं सुन पा रहे हैं?"

वह मुस्कुराई। "क्योंकि उनकी आत्मा—सुरक्षित और स्वस्थ—मेरी अमरता का हिस्सा है। लेकिन वह वास्तव में यहाँ नहीं हैं। आप हैं।"

"मेरे पिता को आपके लिए सुरक्षित रहना क्यों जरूरी है?"

वह रुक गई।

"आओ," उसने कहा।

अचानक वे पहाड़ की तलहटी में पहुँच गए। ढाबे से आती रोशनी अब एक छोटे से बिंदु जैसी लग रही थी, मानो कोई तारा किसी दरार में गिर गया हो।

"कितना सुंदर है ना?" बूढ़ी औरत ने कहा। एडी की नज़रें उसकी ओर गईं। उसमें कुछ ऐसा था, मानो उसने उसकी तस्वीर कहीं देखी हो।

"क्या तुम... मेरे तीसरे व्यक्ति हो?"

"मैं वही कर रही हूँ," उसने कहा।

एडी ने अपना सिर खुजलाया। ये औरत कौन थी? कम से कम ब्लू मैन के साथ, कम से कम कैप्टन के साथ, उसे अपने जीवन में उनकी भूमिका की कुछ याद तो थी। एक अजनबी क्यों? अभी क्यों? एडी ने कभी उम्मीद की थी कि मौत का मतलब उससे पहले जा चुके लोगों से फिर मिलना होगा। उसने कितने ही अंत्येष्टि में भाग लिया था, अपने काले फॉर्मल जूतों को चमकाया था, अपनी टोपी ढूंढी थी, कब्रिस्तान में उसी निराशा भरे सवाल के साथ खड़ा रहा था: वे चले गए और मैं अभी भी यहाँ क्यों हूँ?

उसकी माँ। उसका भाई। उसकी बुआ और चाचा। उसका दोस्त नोएल। मार्गरेट। "एक दिन," पादरी कहते थे, "हम सब स्वर्ग के राज्य में एक साथ होंगे।"
अगर यही स्वर्ग था, तो वे कहाँ थे? एडी ने इस अजीब बूढ़ी औरत को गौर से देखा। उसे पहले से कहीं ज़्यादा अकेलापन महसूस हो रहा था।
"क्या मैं पृथ्वी देख सकता हूँ?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।
उसने सिर हिलाकर मना कर दिया।
"क्या मैं भगवान से बात कर सकता हूँ?"
"आप ऐसा हमेशा कर सकते हैं।"
अगला प्रश्न पूछने से पहले वह थोड़ा हिचकिचाया।
"क्या मैं वापस जा सकता हूँ?"
उसने आंखें सिकोड़ीं। "वापस?"
"हाँ, वापस," एडी ने कहा। "अपने जीवन में। उस आखिरी दिन में। क्या मैं कुछ कर सकता हूँ? क्या मैं अच्छा व्यवहार करने का वादा कर सकता हूँ? क्या मैं हर समय चर्च जाने का वादा कर सकता हूँ? कुछ तो?"
"क्यों?" वह मुस्कुराई।
"क्यों?" एडी ने दोहराया। उसने उस बर्फ को, जिसमें ठंडक नहीं थी, अपने नंगे हाथ से छुआ, जिसमें नमी का एहसास भी नहीं था। "क्यों? क्योंकि यह जगह मुझे समझ नहीं आती। क्योंकि मैं किसी फ़रिश्ते जैसा महसूस नहीं करता, अगर मुझे ऐसा महसूस करना चाहिए। क्योंकि मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैंने सब कुछ समझ लिया है। मुझे अपनी मौत भी याद नहीं है। मुझे दुर्घटना याद नहीं है। मुझे बस ये दो छोटे हाथ याद हैं—ये छोटी बच्ची जिसे मैं बचाने की कोशिश कर रहा था, समझे? मैं उसे रास्ते से हटा रहा था और शायद मैंने उसके हाथ पकड़ लिए और तभी..."
उसने कंधे उचका दिए।
"मर गए?" बूढ़ी औरत ने मुस्कुराते हुए कहा। "गुज़र गए? इस दुनिया से विदा हो गए? ईश्वर से मिल गए?"
"मर गया," उसने गहरी सांस लेते हुए कहा। "और मुझे बस इतना ही याद है। फिर तुम, बाकी लोग, ये सब। क्या मरने के बाद शांति नहीं मिलनी चाहिए?"
"तुम्हें शांति तभी मिलती है, जब तुम खुद से शांति पाओ," बूढ़ी औरत ने कहा।
"नहीं," एडी ने सिर हिलाते हुए कहा। "नहीं, तुम्हें नहीं बताना चाहिए।" उसने सोचा कि

वह उसे युद्ध के बाद से हर दिन महसूस होने वाली बेचैनी, बुरे सपने, किसी भी चीज़ के बारे में उत्साहित न हो पाने की असमर्थता, और उन पलों के बारे में बताए जब वह अकेले बंदरगाह पर जाता था और चौड़ी रस्सी के जालों में फंसी मछलियों को देखता था, और शर्मिंदा होता था क्योंकि वह खुद को उन असहाय, तड़पते जीवों में देखता था, जो फँसे हुए थे और बच निकलने की कोई उम्मीद नहीं थी।
उसने उसे यह बात नहीं बताई। इसके बजाय उसने कहा, "माफ़ करना, महोदया, लेकिन मैं आपको जानता भी नहीं।"
"लेकिन मैं तुम्हें जानती हूँ," उसने कहा।
एडी ने आह भरी।
"ओह हाँ? कैसा रहा?"
"ठीक है," उसने कहा, "अगर आपके पास थोड़ा समय हो तो।"

फिर वह बैठ गई, हालाँकि बैठने के लिए कुछ भी नहीं था। वह बस हवा में ही टिकी रही और शालीनता से अपने पैर मोड़कर खड़ी हो गई, अपनी रीढ़ सीधी रखते हुए। लंबी स्कर्ट उसके चारों ओर करीने से लिपटी हुई थी। एक हल्की हवा चली और एडी को इत्र की हल्की सी खुशबू महसूस हुई।
"जैसा कि मैंने बताया, मैं एक समय में काम करने वाली लड़की थी। मेरा काम सीहॉर्स ग्रिल नामक जगह पर खाना परोसना था। यह समुद्र के पास था जहाँ आप बड़े हुए थे। शायद आपको याद हो?"
उसने ढाबे की ओर इशारा किया, और उसे एडी की याद आ गई। बिल्कुल। वही जगह। वह वहाँ नाश्ता किया करता था। उसे लोग 'गंदा ढाबा' कहते थे। उसे तो सालों पहले तोड़ दिया गया था।
"तुम?" एडी ने लगभग हंसते हुए कहा। "तुम सीहॉर्स में वेट्रेस थीं?"
"जी हां," उसने गर्व से कहा। "मैंने गोदी में काम करने वालों को उनकी कॉफी और किनारे पर काम करने वालों को उनके केकड़े के केक और बेकन परोसे।"
"उन दिनों मैं एक आकर्षक लड़की थी, यह भी मैं कहना चाहूंगी। मैंने कई प्रस्ताव ठुकरा दिए। मेरी बहनें मुझे डांटती थीं। वे कहती थीं, 'तुम इतनी नखरे करने वाली कौन होती हो? देर होने से पहले एक लड़का ढूंढ लो।'"

फिर एक सुबह, मैंने अब तक जितने भी सज्जन देखे थे, उनमें सबसे सुंदर दिखने वाले सज्जन दरवाजे से अंदर आए। उन्होंने चॉक-स्ट्राइप वाला सूट और डर्बी हैट पहन रखी थी। उनके काले बाल करीने से कटे हुए थे और उनकी मूंछें हमेशा मुस्कुराती रहती थीं। जब मैंने उन्हें खाना परोसा तो उन्होंने सिर हिलाकर अभिवादन किया और मैंने उन्हें घूरने से बचने की कोशिश की। लेकिन जब वे अपने सहकर्मी से बात कर रहे थे, तो मुझे उनकी भारी, आत्मविश्वास से भरी हंसी सुनाई दी। दो बार मैंने उन्हें मेरी तरफ देखते हुए पकड़ा। जब उन्होंने बिल चुकाया, तो उन्होंने बताया कि उनका नाम एमिल है और उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या वे मुझसे मिलने आ सकते हैं। और उसी क्षण मुझे पता चल गया कि अब मेरी बहनों को मुझसे कोई फैसला लेने के लिए परेशान नहीं करना पड़ेगा।

"हमारी प्रेम कहानी बेहद रोमांचक थी, क्योंकि एमिल एक धनी व्यक्ति थे। वे मुझे ऐसी जगहों पर ले गए जहाँ मैं कभी नहीं गई थी, मुझे ऐसे कपड़े खरीदकर दिए जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, और ऐसे भोजन का भुगतान किया जो मैंने अपने गरीबी भरे, सीमित जीवन में कभी नहीं किया था। एमिल ने लकड़ी और इस्पात में निवेश करके बहुत कम समय में धन अर्जित किया था। वे खर्चीले और जोखिम लेने वाले व्यक्ति थे—जब उन्हें कोई विचार आता तो वे हद पार कर देते थे। मुझे लगता है कि यही कारण था कि वे मुझ जैसी गरीब लड़की की ओर आकर्षित हुए। वे धनवान परिवारों में जन्मे लोगों से घृणा करते थे और उन चीजों को करने में आनंद लेते थे जो 'सभ्य लोग' कभी नहीं करते थे।"

"उन चीजों में से एक थी समुद्र तटीय रिसॉर्ट्स की यात्रा करना। उन्हें वहां के आकर्षण, नमकीन खाना, खानाबदोश, ज्योतिषी, वजन बताने वाले और गोताखोर लड़कियां बहुत पसंद थीं। और हम दोनों को समुद्र बहुत पसंद था। एक दिन, जब हम रेत पर बैठे थे और लहरें धीरे-धीरे हमारे पैरों तक आ रही थीं, उन्होंने मुझसे शादी का प्रस्ताव रखा।"

मैं बेहद खुश थी। मैंने उसे हां कह दिया और तभी हमें समुद्र में बच्चों के खेलने की आवाजें सुनाई दीं। एमिल ने फिर से तख्तों पर चढ़कर कसम खाई कि वह जल्द ही मेरे लिए एक रिसॉर्ट पार्क बनाएगा, ताकि इस पल की खुशी को संजोकर रख सके—ताकि मैं हमेशा जवान बनी रहूं।

बुजुर्ग महिला मुस्कुराई। "एमिल ने अपना वादा निभाया। कुछ साल बाद, उसने रेलवे

कंपनी के साथ एक समझौता किया, जो सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या बढ़ाने का तरीका ढूंढ रही थी। आपको पता ही है, इसी तरह से अधिकांश मनोरंजन पार्क बनाए गए थे।"

एडी ने सिर हिलाया। वह जानता था। ज़्यादातर लोग नहीं जानते थे। वे सोचते थे कि मनोरंजन पार्क बौनों द्वारा बनाए जाते हैं, कैंडी केन से निर्मित होते हैं। असल में, वे रेल कंपनियों के लिए सिर्फ़ व्यापारिक अवसर थे, जो उन्हें मार्गों के अंतिम पड़ावों पर बनाते थे, ताकि यात्रियों को सप्ताहांत में यात्रा करने का एक कारण मिल सके। "तुम्हें पता है मैं कहाँ काम करता हूँ?" एडी अक्सर कहता था। "लाइन का आखिरी स्टेशन। वहीं मैं काम करता हूँ।"

"एमिल ने," बूढ़ी औरत ने आगे कहा, "सबसे अद्भुत जगह बनाई, एक विशाल घाट जिसमें उसने अपने पास मौजूद लकड़ी और स्टील का इस्तेमाल किया। फिर जादुई आकर्षण आए - दौड़, झूले, नाव की सैर और छोटी रेलगाड़ियाँ। फ्रांस से आयातित एक हिंडोला था और जर्मनी में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से लाया गया एक फेरिस व्हील था। वहाँ मीनारें और शिखर थे और हजारों जगमगाती बत्तियाँ थीं, इतनी चमकदार कि रात में आप समुद्र में किसी जहाज के डेक से भी पार्क देख सकते थे।"

"एमिल ने सैकड़ों मज़दूरों को काम पर रखा, जिनमें नगर निगम के कर्मचारी, मेले के कर्मचारी और विदेशी कर्मचारी शामिल थे। वह जानवर, कलाबाज़ और जोकर लेकर आया। प्रवेश द्वार सबसे आखिर में बनकर तैयार हुआ, और वह सचमुच भव्य था। हर कोई यही कहता था। जब वह पूरा हो गया, तो वह मुझे आँखों पर कपड़ा बाँधकर वहाँ ले गया। जब उसने पट्टी हटाई, तब मैंने उसे देखा।"

बुजुर्ग महिला एडी से एक कदम पीछे हट गई। उसने एडी को उत्सुकता से देखा, मानो वह निराश हो।

"प्रवेश द्वार?" उसने कहा। "तुम्हें याद नहीं? क्या तुमने कभी नाम के बारे में नहीं सोचा? जहाँ तुम काम करते थे? जहाँ तुम्हारे पिता काम करते थे?"

उसने अपने सफेद दस्ताने पहने उंगलियों से धीरे से अपनी छाती को छुआ। फिर वह झुकी, मानो औपचारिक रूप से अपना परिचय दे रही हो।

उसने कहा, "मैं रूबी हूँ।"

आज एडी का जन्मदिन है

वह 33 साल का है। वह अचानक चौंककर उठता है, साँस लेने में तकलीफ हो रही है। उसके घने, काले बाल पसीने से तरबतर हैं। वह अँधेरे में आँखें झपकाता है, अपनी बांह, अपनी उंगलियों के जोड़ों, किसी भी चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की बेताब कोशिश करता है ताकि उसे पता चले कि वह यहाँ है, बेकरी के ऊपर वाले अपार्टमेंट में, न कि युद्ध में, गाँव में, आग में। वह सपना। क्या वह कभी खत्म होगा?

सुबह के 4 बजने ही वाले हैं। अब सोने का कोई फायदा नहीं। वह अपनी सांसें सामान्य होने तक इंतजार करता है, फिर धीरे से बिस्तर से नीचे उतरता है, ताकि उसकी पत्नी की नींद न टूटे। आदत के चलते वह पहले अपना दाहिना पैर नीचे रखता है, ताकि बाएं पैर की अकड़न से बच सके। एडी हर सुबह इसी तरह शुरू करता है। एक कदम और एक लंगड़ाहट।

बाथरूम में, वह अपनी लाल आँखों को देखता है और चेहरे पर पानी के छींटे मारता है। उसे हमेशा एक ही सपना आता है: युद्ध की अपनी आखिरी रात में फिलीपींस की आग में भटकता हुआ एडी। गाँव की झोपड़ियाँ आग की लपटों में घिरी हैं, और लगातार एक तेज़ चीखने जैसी आवाज़ आ रही है। कोई अदृश्य चीज़ एडी के पैरों पर वार करती है और वह उसे हटाने की कोशिश करता है लेकिन चूक जाता है, फिर से कोशिश करता है और फिर चूक जाता है। आग और तेज़ हो जाती है, किसी इंजन की तरह दहाड़ती है, और फिर स्मिटी प्रकट होता है, एडी को पुकारता है, चिल्लाता है, "चलो! चलो!" एडी बोलने की कोशिश करता है लेकिन जैसे ही वह अपना मुँह खोलता है, उसके गले से वही तेज़ चीख निकलती है। फिर कोई चीज़ उसके पैरों को पकड़ लेती है और उसे कीचड़ भरी ज़मीन के नीचे खींच लेती है।

और फिर वो जाग जाता है। पसीने से तरबतर। हांफता हुआ। हमेशा की तरह। सबसे बुरी बात नींद न आना नहीं है। सबसे बुरी बात वो अंधकार है जो सपने के कारण उस पर छा जाता है, एक धुंधली परत जो दिन को ढक लेती है। उसके खुशी के पल भी जमे हुए से लगते हैं, मानो बर्फ की सख्त चादर में छेद कर दिए गए हों।

वह चुपचाप कपड़े पहनता है और सीढ़ियों से नीचे उतरता है। टैक्सी कोने पर, अपनी रोज़ की जगह पर खड़ी है, और एडी उसकी विंडशील्ड से नमी पोंछता है। वह मार्गुराइट से अपने दुख के बारे में कभी बात नहीं करता। वह उसके बालों पर हाथ फेरती है और पूछती है, "क्या हुआ?" और वह कहता है, "कुछ नहीं, बस थका हुआ हूँ," और बात वहीं खत्म कर देता है। वह इस उदासी को कैसे समझा सकता है जब उसे उसे खुश करना चाहिए? सच तो यह है कि वह खुद भी इसे समझा नहीं सकता। वह बस इतना जानता है कि कुछ उसके सामने आ गया, उसका रास्ता रोक दिया, और धीरे-धीरे उसने सब कुछ छोड़ दिया, उसने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ दी और यात्रा का विचार भी छोड़ दिया। वह अपने जीवन में ठहर गया। और वहीं रुका रहा।

आज रात जब एडी काम से लौटता है, तो वह टैक्सी को कोने पर पार्क करता है। वह धीरे-धीरे सीढ़ियों से ऊपर आता है। अपने अपार्टमेंट से उसे संगीत सुनाई देता है, एक जाना-पहचाना गाना।

"तुमने मुझे तुमसे प्यार करना सिखाया।"

मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।

मैं ऐसा नहीं करना चाहता था...

उसने दरवाजा खोला तो मेज पर एक केक और रिबन से बंधा एक छोटा सफेद थैला दिखाई दिया।

"हनी?" मार्गुराइट ने बेडरूम से चिल्लाकर पूछा। "क्या यह तुम हो?"

वह सफेद थैला उठाता है। टॉफी। घाट से।

"जन्मदिन मुबारक हो..." मार्गुराइट अपनी मधुर आवाज़ में गाते हुए आती है। एडी को पसंद आने वाली प्रिंटेड ड्रेस पहने, बाल और होंठ सँवारे हुए, वह बेहद खूबसूरत लग रही है। एडी को गहरी साँस लेने की ज़रूरत महसूस होती है, मानो वह इस पल के लायक ही न हो। वह अपने भीतर के अंधकार से लड़ता है, "मुझे अकेला छोड़ दो," वह उससे कहता है। "मुझे इसे वैसे ही महसूस करने दो जैसे मुझे करना चाहिए।"

मार्गुराइट गाना खत्म करती है और उसके होठों पर चुंबन लेती है।

"क्या तुम टॉफी के लिए मुझसे लड़ना चाहते हो?" वह फुसफुसाती है।

वह उसे दोबारा चूमने के लिए आगे बढ़ता है। तभी किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी।

"एडी! क्या तुम अंदर हो? एडी?"

बेकर श्री नाथनसन दुकान के पीछे भूतल वाले अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके पास

टेलीफोन है। जब एडी दरवाजा खोलता है, तो वह बाथरोब पहने दरवाजे पर खड़े होते हैं। वे चिंतित दिखते हैं।
"एडी," वह कहता है। "नीचे आओ। एक फोन आया है। मुझे लगता है तुम्हारे पिता के साथ कुछ हुआ है।"

मैं रूबी हूँ।
एडी को अचानक समझ में आया कि वह महिला उसे जानी-पहचानी क्यों लग रही थी। उसने मरम्मत की दुकान के पिछले हिस्से में, पार्क के शुरुआती स्वामित्व से संबंधित पुराने मैनुअल और कागज़ात के बीच कहीं उसकी एक तस्वीर देखी थी।
"पुराना प्रवेश द्वार..." एडी ने कहा।
उसने संतुष्टि से सिर हिलाया। रूबी पियर का मूल प्रवेश द्वार एक ऐतिहासिक स्थल था, एक विशाल मेहराबदार संरचना जो एक ऐतिहासिक फ्रांसीसी मंदिर पर आधारित थी, जिसमें खांचेदार स्तंभ और शीर्ष पर एक गुंबद था। उस गुंबद के ठीक नीचे, जिसके नीचे से सभी आगंतुक गुजरते थे, एक खूबसूरत महिला का चित्रित चेहरा था। यही महिला थी। रूबी।
"लेकिन वह चीज़ तो बहुत पहले ही नष्ट हो गई थी," एडी ने कहा। "वहाँ एक बड़ा..."
वह रुका।
"आग," बूढ़ी औरत ने कहा। "हाँ। बहुत बड़ी आग।" उसने अपनी ठुड्डी नीचे झुका ली और चश्मे के पीछे से उसकी आँखें नीचे की ओर देखने लगीं, मानो वह अपनी गोद में बैठकर पढ़ रही हो।
"यह स्वतंत्रता दिवस था, 4 जुलाई—छुट्टी का दिन। एमिल को छुट्टियां बहुत पसंद थीं। वह कहता था, 'व्यापार के लिए अच्छा है।' अगर स्वतंत्रता दिवस अच्छा बीता, तो पूरी गर्मी अच्छी बीत सकती है। इसलिए एमिल ने आतिशबाजी का इंतजाम किया। उसने एक बैंड बुलाया। उसने उस सप्ताहांत के लिए अतिरिक्त कामगारों को भी काम

पर रखा, जिनमें ज्यादातर मजदूर थे।"
"लेकिन उत्सव से एक रात पहले कुछ ऐसा हुआ। सूरज डूबने के बाद भी बहुत गर्मी थी, और कुछ कामगारों ने काम की झोपड़ियों के पीछे, बाहर सोने का फैसला किया। उन्होंने अपना खाना भूनने के लिए एक धातु के बैरल में आग जलाई।"
"जैसे-जैसे रात बढ़ती गई, शराबखोरी और मौज-मस्ती का दौर चलता रहा। मजदूरों को कुछ छोटे पटाखे मिल गए। उन्होंने उन्हें जलाया। हवा चली। चिंगारियां उड़ीं। उन दिनों सब कुछ खराद और तारकोल से बना होता था..."
उसने सिर हिलाया। "बाकी सब कुछ बहुत जल्दी हो गया। आग मेले और खाने-पीने की दुकानों से होते हुए जानवरों के पिंजरों तक फैल गई। नौकर-चाकर भाग गए। जब तक कोई हमें जगाने के लिए हमारे घर आया, रूबी पियर आग की लपटों में घिर चुका था। हमारी खिड़की से हमने भयानक नारंगी लपटें देखीं। हमने घोड़ों के खुरों की आवाज़ और दमकल कर्मियों के स्टीमर इंजनों की आवाज़ सुनी। लोग सड़क पर थे।"
मैंने एमिल से विनती की कि वह न जाए, लेकिन यह व्यर्थ था। ज़ाहिर है, वह जाएगा। वह भयंकर आग के बीच जाएगा और अपनी वर्षों की मेहनत को बचाने की कोशिश करेगा, और क्रोध और भय में डूब जाएगा। जब प्रवेश द्वार में आग लगी, जिस पर मेरा नाम और मेरी तस्वीर थी, तो वह भी होश खो बैठा। वह बाल्टियों से पानी फेंकने की कोशिश कर रहा था कि तभी एक खंभा उस पर गिर पड़ा।
उसने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा और होठों तक ले गई। "एक ही रात में हमारी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। जोखिम लेने वाले स्वभाव के कारण, एमिल ने घाट पर बहुत कम बीमा कराया था। उसने अपनी सारी दौलत गंवा दी। उसका दिया हुआ शानदार तोहफा भी चला गया।"
हताशा में आकर उसने जली हुई ज़मीन को पेंसिल्वेनिया के एक व्यापारी को उसकी वास्तविक कीमत से बहुत कम दाम में बेच दिया। उस व्यापारी ने रूबी पियर नाम बरकरार रखा और कुछ समय बाद उसने पार्क को फिर से खोल दिया। लेकिन अब वह हमारा नहीं रहा।
"एमिल का मनोबल उसके शरीर की तरह ही टूट चुका था। उसे अपने पैरों पर चलने में तीन साल लग गए। हम शहर से बाहर एक छोटी सी जगह पर, एक छोटे से फ्लैट में रहने चले गए, जहाँ हमने सादगी से अपना जीवन व्यतीत किया, मैं अपने घायल पति की देखभाल करती रही और चुपचाप एक ही इच्छा को अपने मन में संजोए रही।"

वह रुक गई।
"क्या इच्छा है?" एडी ने कहा।
"कि उसने वह जगह कभी बनाई ही नहीं थी।"

बुजुर्ग महिला चुपचाप बैठी रही। एडी विशाल हरे आसमान को निहारता रहा। वह सोचता रहा कि कितनी बार उसने यही कामना की थी कि रूबी पियर बनाने वाले ने अपने पैसे का कुछ और इस्तेमाल किया होता।
"मुझे आपके पति के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ," एडी ने कहा, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि उसे समझ नहीं आ रहा था कि और क्या कहे।
बुजुर्ग महिला मुस्कुराई। "धन्यवाद, प्रिय। लेकिन हम उन लपटों से परे कई साल जी चुके हैं। हमने तीन बच्चों का पालन-पोषण किया। एमिल बीमार रहता था, बार-बार अस्पताल जाता था। उसने मुझे पचास की उम्र में विधवा छोड़ दिया। क्या आप मेरा यह चेहरा, ये झुर्रियाँ देख रहे हैं?" उसने अपने गाल ऊपर उठाए। "ये सारी झुर्रियाँ मैंने मेहनत से कमाई हैं।"
एडी ने भौंहें चढ़ा लीं। "मुझे समझ नहीं आ रहा। क्या हम कभी... मिले थे? क्या तुम कभी घाट पर आए थे?"
"नहीं," उसने कहा। "मैं उस घाट को फिर कभी नहीं देखना चाहती थी। मेरे बच्चे वहाँ गए, उनके बच्चे और उनके भी। लेकिन मैं नहीं। मेरे लिए स्वर्ग का मतलब समुद्र से जितना दूर हो सके, उस चहल-पहल भरे भोजनालय में था, जब मेरे दिन सरल थे, जब एमिल मुझसे प्रेम करता था।"
एडी ने अपनी कनपटी रगड़ी। जब उसने सांस ली, तो धुंध निकली।
"तो मैं यहाँ क्यों हूँ?" उसने कहा। "मेरा मतलब है, तुम्हारी कहानी, आग, ये सब मेरे जन्म से पहले हुआ था।"
उन्होंने कहा, "आपके जन्म से पहले घटी घटनाएं भी आपको प्रभावित करती हैं। और आपसे पहले आए लोग भी आपको प्रभावित करते हैं।"
"हम हर दिन ऐसी जगहों से गुज़रते हैं जो हमसे पहले आए लोगों के बिना कभी अस्तित्व में नहीं आतीं। हमारे कार्यस्थल, जहाँ हम इतना समय बिताते हैं—हम अक्सर सोचते हैं कि वे हमारे आने के साथ ही शुरू हुए। लेकिन यह सच नहीं है।"

उसने अपनी उंगलियों को आपस में थपथपाया। "अगर एमिल न होता, तो मेरा कोई पति न होता। अगर हमारी शादी न होती, तो कोई घाट न होता। अगर घाट न होता, तो तुम वहां काम करने न आते।"
एडी ने अपना सिर खुजाया। "तो आप मुझे काम के बारे में बताने आए हैं?"
"नहीं, प्रिये," रूबी ने नरम आवाज में जवाब दिया। "मैं तुम्हें यह बताने आई हूँ कि तुम्हारे पिता की मृत्यु क्यों हुई।"

फोन एडी की मां का था। उसके पिता उस दोपहर जूनियर रॉकेट राइड के पास बोर्डवॉक के पूर्वी छोर पर बेहोश हो गए थे। उन्हें तेज बुखार था।
"एडी, मुझे डर लग रहा है," उसकी माँ ने काँपती आवाज़ में कहा। उसने उसे हफ्ते की शुरुआत में एक रात के बारे में बताया, जब उसके पिता भोर में घर लौटे थे, पूरी तरह भीगे हुए। उनके कपड़े रेत से सने हुए थे। उनका एक जूता गायब था। उसने कहा कि उनसे समुद्र जैसी गंध आ रही थी। एडी को लगा कि उनसे शराब की गंध भी आ रही होगी।
“उसे खांसी आ रही थी,” उसकी माँ ने बताया। “हालात बिगड़ते चले गए। हमें तुरंत डॉक्टर को बुला लेना चाहिए था...” उसकी आवाज़ में कंपन था। उसने बताया कि उस दिन वह बीमार होने के बावजूद, हमेशा की तरह अपने औजारों का बेल्ट और हथौड़ा लेकर काम पर गया था, लेकिन उस रात उसने खाना खाने से इनकार कर दिया और बिस्तर पर खांसते-खांसते उसकी सांस फूल गई और उसकी कमीज़ पसीने से भीग गई। अगले दिन हालत और भी खराब हो गई। और अब, आज दोपहर, वह बेहोश हो गया।
डॉक्टर ने कहा कि ये निमोनिया है। ओह, मुझे कुछ करना चाहिए था। मुझे कुछ करना चाहिए था...
"तुम्हें क्या करना चाहिए था?" एडी ने पूछा। वह इस बात से नाराज़ था कि उसने यह सब अपने ऊपर ले लिया। यह उसके पिता की नशे में की गई गलती थी।
फोन पर उसने उसके रोने की आवाज सुनी।

एडी के पिता कहा करते थे कि उन्होंने इतने साल समुद्र के किनारे बिताए हैं कि वे समुद्र का पानी ही सांस लेते हैं। अब, उस समुद्र से दूर, अस्पताल के बिस्तर पर, उनका शरीर किनारे पर पड़ी मछली की तरह मुरझाने लगा। जटिलताएं बढ़ने लगीं। उनकी छाती में जकड़न बढ़ने लगी। उनकी हालत पहले ठीक थी, फिर स्थिर हुई और फिर गंभीर हो गई। दोस्त पहले कहते थे, "वह एक दिन में घर आ जाएगा," और अब कहने लगे, "वह एक हफ्ते में घर आएगा।" अपने पिता की अनुपस्थिति में, एडी घाट पर मदद करता था, टैक्सी की नौकरी के बाद शाम को काम करता था, पटरियों पर ग्रीस लगाता था, ब्रेक पैड चेक करता था, लीवर की जांच करता था, और यहां तक कि वर्कशॉप में टूटे हुए राइड पार्ट्स की मरम्मत भी करता था।

असल में वह अपने पिता की नौकरी बचाने की कोशिश कर रहा था। मालिकों ने उसकी मेहनत को सराहा और उसे उसके पिता की कमाई का आधा हिस्सा दिया। उसने वह पैसा अपनी माँ को दे दिया, जो हर दिन अस्पताल जाती थी और ज़्यादातर रातें वहीं सोती थी। एडी और मार्गरेट उसकी अपार्टमेंट की सफाई करते थे और उसके खाने-पीने का सामान खरीदते थे।

जब एडी किशोर था, अगर वह कभी शिकायत करता या घाट से ऊब जाता, तो उसके पिता झट से कहते, "क्या? यह तुम्हारे लिए काफी नहीं है?" और बाद में, जब उन्होंने एडी को हाई स्कूल के बाद वहाँ नौकरी करने का सुझाव दिया, तो एडी लगभग हँस पड़ा, और उसके पिता ने फिर कहा, "क्या? यह तुम्हारे लिए काफी नहीं है?" और एडी के युद्ध में जाने से पहले, जब उसने मार्गरेट से शादी करने और इंजीनियर बनने की बात की, तो उसके पिता ने फिर कहा, "क्या? यह तुम्हारे लिए काफी नहीं है?"

और अब, इन सब के बावजूद, वह यहाँ घाट पर अपने पिता का काम कर रहा था।

अंततः, एक रात, अपनी माँ के आग्रह पर, एडी अस्पताल गया। वह धीरे-धीरे कमरे में दाखिल हुआ। उसके पिता, जिन्होंने वर्षों से एडी से बात करने से इनकार कर दिया था, अब कोशिश करने की भी हिम्मत नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने भारी आँखों से अपने बेटे को देखा। एडी, एक वाक्य भी कहने के लिए संघर्ष करने के बाद, वही किया जो उसे सूझा: उसने अपने हाथ ऊपर उठाए और अपने पिता को ग्रीस से सनी हुई उंगलियाँ दिखाईं।

"चिंता मत करो, बेटा," दूसरे रख-रखाव कर्मचारियों ने उससे कहा। "तुम्हारा पिता ठीक हो जाएगा। वह अब तक का सबसे मजबूत इंसान है जिसे हमने देखा है।"

माता-पिता अपने बच्चों को शायद ही कभी जाने देते हैं, इसलिए बच्चे भी उन्हें जाने देते हैं। वे आगे बढ़ जाते हैं। वे दूर चले जाते हैं। वे पल जो कभी उनकी पहचान हुआ करते थे—माँ की स्वीकृति, पिता की सहमति—उनकी अपनी उपलब्धियों के पलों से ढक जाते हैं। बहुत बाद में, जब त्वचा ढीली पड़ जाती है और दिल कमजोर हो जाता है, तब बच्चे समझते हैं; उनकी कहानियाँ, और उनकी सभी उपलब्धियाँ, उनके माता-पिता की कहानियों के ऊपर, पत्थरों पर पत्थरों की तरह, उनके जीवन के जल के नीचे दबी रहती हैं।

जब उसे खबर मिली कि उसके पिता का निधन हो गया है—एक नर्स ने उसे बताया, "चुपचाप चले गए," मानो दूध लेने गए हों—एडी को एक खोखला गुस्सा महसूस हुआ, ऐसा गुस्सा जो अंदर ही अंदर घुटता रहता है। ज़्यादातर मज़दूरों के बेटों की तरह, एडी ने भी अपने पिता के लिए एक वीर मृत्यु की कल्पना की थी, ताकि उनके साधारण जीवन का मुकाबला हो सके। समुद्र किनारे नशे में धुत्त होकर मरने में कुछ भी वीरतापूर्ण नहीं था।

अगले दिन, वह अपने माता-पिता के अपार्टमेंट में गया, उनके बेडरूम में दाखिल हुआ और सारे दराज खोल दिए, मानो उसे अपने पिता की कोई निशानी मिल जाए। उसने सिक्कों, एक टाई पिन, सेब ब्रांडी की एक छोटी बोतल, रबर बैंड, बिजली के बिल, पेन और एक जलपरी की आकृति वाला सिगरेट लाइटर, सब कुछ खंगाला। आखिर में, उसे ताश के पत्तों का एक डेक मिला। उसने उसे अपनी जेब में रख लिया।

अंतिम संस्कार छोटा और संक्षिप्त था। उसके बाद के हफ्तों में एडी की माँ सदमे में रहीं। वह अपने पति से ऐसे बात करती थीं मानो वह अभी भी जीवित हों। वह उन पर रेडियो की आवाज़ कम करने के लिए चिल्लाती थीं। उन्होंने दो लोगों के लिए पर्याप्त खाना बनाया। उन्होंने बिस्तर के दोनों ओर तकिए ठीक किए, जबकि केवल एक ही तरफ सोया गया था।

एक रात, एडी ने उसे किचन काउंटर पर बर्तन सजाते हुए देखा।

"मैं आपकी मदद करता हूँ," उसने कहा।

"नहीं, नहीं," उसकी माँ ने उत्तर दिया, "तुम्हारे पिता उन्हें हटा देंगे।"
एडी ने उसके कंधे पर हाथ रखा।
"माँ," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "पिताजी चले गए हैं।"
"कहां गए?"
अगले दिन, एडी डिस्पैचर के पास गया और उसे बताया कि वह नौकरी छोड़ रहा है। दो हफ्ते बाद, वह और मार्गरेट उसी इमारत में वापस आ गए जहाँ एडी पला-बढ़ा था, बीचवुड एवेन्यू—अपार्टमेंट 6बी—जहाँ गलियारे संकरे थे और रसोई की खिड़की से हिंडोला दिखाई देता था और जहाँ एडी ने एक ऐसी नौकरी स्वीकार कर ली थी जिससे वह अपनी माँ पर नज़र रख सके, एक ऐसा पद जिसके लिए उसे गर्मियों भर तैयार किया गया था: रूबी पियर में एक मेंटेनेंस कर्मचारी। एडी ने यह बात कभी नहीं कही —न अपनी पत्नी से, न अपनी माँ से, न किसी से—लेकिन वह अपने पिता को उनकी मृत्यु और उन्हें उसी जीवन में फंसाने के लिए कोसता था जिससे वह भागने की कोशिश कर रहा था; एक ऐसा जीवन जो, जैसा कि उसने बूढ़े को कब्र से हंसते हुए सुना, अब उसके लिए काफी अच्छा था।

आज एडी का जन्मदिन है

उनकी उम्र 37 साल है। उनका नाश्ता ठंडा हो रहा है।
"क्या तुम्हें कोई नमक दिख रहा है?" एडी ने नोएल से पूछा।
नोएल, मुंह भर सॉसेज चबाते हुए, बूथ से बाहर निकलता है, दूसरी मेज पर झुकता है और नमकदानी उठा लेता है।
"लो," वह धीरे से कहता है। "जन्मदिन मुबारक हो।"
एडी इसे जोर से हिलाता है। "टेबल पर नमक रखना कितना मुश्किल है?"
"तुम क्या हो, मैनेजर हो क्या?" नोएल कहता है।
एडी कंधे उचका देता है। सुबह से ही बहुत गर्मी और उमस है। यह उनकी दिनचर्या है:

सप्ताह में एक बार, शनिवार की सुबह, पार्क में भीड़ बढ़ने से पहले नाश्ता करना। नोएल ड्राई क्लीनिंग का काम करता है। एडी ने रूबी पियर के रखरखाव कर्मचारियों की वर्दी का ठेका दिलाने में उसकी मदद की थी।

"इस हैंडसम लड़के के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?" नोएल कहता है। उसके हाथ में लाइफ मैगज़ीन का एक अंक है, जिस पर एक युवा राजनीतिक उम्मीदवार की तस्वीर छपी है। "यह लड़का राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कैसे लड़ सकता है? यह तो बच्चा है!"

एडी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "वह लगभग हमारी ही उम्र का है।"

"मज़ाक कर रहे हो?" नोएल ने भौंह उठाते हुए कहा। "मुझे लगा था कि राष्ट्रपति बनने के लिए उम्र ज़्यादा होनी चाहिए।"

"हम बूढ़े हैं," एडी धीरे से कहता है।

नोएल ने पत्रिका बंद कर दी। उसकी आवाज़ धीमी हो गई। "अरे। तुमने सुना ब्राइटन में क्या हुआ?"

एडी ने सिर हिलाया। उसने अपनी कॉफ़ी की चुस्की ली। उसने सुना था। एक मनोरंजन पार्क। एक गोंडोला की सवारी। कुछ टूट गया। एक माँ और उसका बेटा 60 फीट की ऊंचाई से गिरकर मर गए।

"क्या आप वहां किसी को जानते हैं?" नोएल पूछता है।

एडी अपनी जीभ दांतों के बीच दबा लेता है। कभी-कभार उसे ऐसी कहानियां सुनने को मिलती हैं, किसी पार्क में हुई दुर्घटना की, और वह ऐसे कांप उठता है जैसे कोई ततैया उसके कान के पास से गुज़री हो। एक भी दिन ऐसा नहीं गुज़रता जब उसे इस बात की चिंता न हो कि कहीं रूबी पियर में, उसकी निगरानी में, ऐसा कुछ न हो जाए।

"नहीं," वह कहता है। "मैं ब्राइटन में किसी को नहीं जानता।"

वह खिड़की से बाहर टकटकी लगाए देखता है, तभी रेलवे स्टेशन से समुद्र तट पर जाने वालों की भीड़ निकलती है। उनके हाथों में तौलिए, छाते और कागज में लिपटे सैंडविच से भरी टोकरियाँ हैं। कुछ लोगों के पास तो बिल्कुल नई चीज है: हल्के एल्यूमीनियम से बनी फोल्डेबल कुर्सियाँ।

एक बूढ़ा आदमी पनामा टोपी पहने, सिगार पीते हुए वहां से गुजरता है।

"उस आदमी को देखो," एडी कहता है। "मैं वादा करता हूँ, वह सिगार को फुटपाथ पर गिरा देगा।"

"हाँ?" नोएल कहता है। "तो?"
"यह दरारों में गिर जाता है, फिर जलने लगता है। इसकी गंध आती है। लकड़ी पर जो रसायन लगाया जाता है, उसी से धुआं निकलने लगता है। कल मैंने एक बच्चे को पकड़ा, जो चार साल से ज़्यादा का नहीं होगा, वह सिगार का टुकड़ा अपने मुंह में डालने ही वाला था।"
नोएल मुंह बनाता है। "और?"
एडी एक तरफ मुड़ जाता है। "और कुछ नहीं। लोगों को और सावधान रहना चाहिए, बस इतना ही।"
नोएल ने एक कांटे से सॉसेज का एक टुकड़ा अपने मुंह में ठूंस लिया। "तुम तो बड़े हँसमुख हो। क्या तुम अपने जन्मदिन पर हमेशा इतने ही मज़ेदार होते हो?"
एडी कोई जवाब नहीं देता। पुराना अंधेरा उसके बगल में आकर बैठ गया है। अब उसे इसकी आदत हो चुकी है, वह इसके लिए वैसे ही जगह बना लेता है जैसे भीड़ भरी बस में किसी यात्री के लिए जगह बनाई जाती है।
वह आज के रखरखाव के काम के बारे में सोचता है। फन हाउस में टूटा हुआ शीशा। बम्पर कारों के लिए नए फेंडर। गोंद, वह खुद को याद दिलाता है, और गोंद मंगवाना पड़ेगा। वह ब्राइटन के उन बेचारे लोगों के बारे में सोचता है। वह सोचता है कि वहाँ का मुखिया कौन है।
"आज तुम कितने बजे काम खत्म करोगे?" नोएल पूछता है।
एडी ने गहरी सांस ली। "आज काफी भीड़भाड़ रहेगी। गर्मी का मौसम है। शनिवार है। आप जानते ही हैं।"
नोएल ने अपनी भौंहें उठाईं। "हम छह बजे तक ट्रैक बना सकते हैं।"
एडी मार्गुराइट के बारे में सोचता है। जब भी नोएल घुड़दौड़ के मैदान का जिक्र करता है, एडी हमेशा मार्गुराइट के बारे में सोचता है।
"चलो भी। आज तुम्हारा जन्मदिन है," नोएल कहता है।
एडी ने अपने अंडों को कांटे से कुरेदा, जो अब इतने ठंडे हो चुके थे कि उन्हें खाने का कोई मतलब नहीं था।
"ठीक है," वह कहता है।

तीसरा पाठ

"क्या घाट इतना खराब था?" बूढ़ी औरत ने पूछा।

“ये मेरी मर्ज़ी नहीं थी,” एडी ने आह भरते हुए कहा। “मेरी माँ को मदद की ज़रूरत थी। एक बात से दूसरी बात होती चली गई। साल बीतते गए। मैं कभी घर छोड़कर नहीं गया। मैं कभी कहीं और नहीं रहा। कभी कोई अच्छी कमाई नहीं की। आप जानते ही हैं, ऐसा ही होता है—आप किसी चीज़ के आदी हो जाते हैं, लोग आप पर निर्भर होते हैं, एक दिन आप उठते हैं और आपको मंगलवार और गुरुवार में फ़र्क नहीं दिखता। आप वही उबाऊ काम कर रहे होते हैं, आप बस एक ‘राइड मैन’ बनकर रह जाते हैं, बिल्कुल…”

"आपके पिता?"

एडी ने कुछ नहीं कहा।

"वह तुम्हारे साथ सख्ती से पेश आता था," बूढ़ी औरत ने कहा।

एडी ने अपनी नज़रें नीचे कर लीं। "हाँ। तो?"

"शायद आप भी उसके प्रति कठोर थे।"

मुझे शक है। तुम्हें याद है उसने मुझसे आखिरी बार कब बात की थी?

"पिछली बार जब उसने तुम पर हमला करने की कोशिश की थी।"

एडी ने उसे घूरकर देखा।

और तुम्हें पता है उसने मुझसे आखिरी बात क्या कही थी? 'नौकरी ढूंढो।' कैसा बाप है, है ना?

बुढ़िया ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। "उसके बाद तुमने काम करना शुरू किया। तुमने खुद को संभाला।"

एडी को गुस्से की लहर महसूस हुई। "देखो," उसने तीखे स्वर में कहा। "तुम उस आदमी को नहीं जानते थे।"

"यह सच है।" वह उठी। "लेकिन मैं कुछ ऐसा जानती हूँ जो तुम नहीं जानते। और अब तुम्हें दिखाने का समय आ गया है।"

रूबी ने अपनी छतरी की नोक से बर्फ में एक गोला बनाया। जब एडी ने उस गोले में देखा, तो उसे लगा मानो उसकी आँखें अपनी जगह से निकलकर किसी छेद में उतरकर किसी दूसरे पल में चली गई हों। छवियाँ स्पष्ट हो गईं। यह वर्षों पहले की बात थी, पुराने अपार्टमेंट की। वह आगे-पीछे, ऊपर-नीचे सब कुछ देख सकता था।

उसने यही देखा:

उसने अपनी माँ को रसोई की मेज पर चिंतित मुद्रा में बैठे देखा। उसने मिकी शीया को उनके सामने बैठे देखा। मिकी की हालत बहुत खराब थी। वह पूरी तरह भीगा हुआ था और बार-बार अपने माथे और नाक पर हाथ फेर रहा था। वह रोने लगा। एडी की माँ उसके लिए एक गिलास पानी लाईं। उन्होंने उसे रुकने का इशारा किया और बेडरूम में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। उन्होंने अपने जूते और घर के कपड़े उतार दिए। फिर उन्होंने एक ब्लाउज और स्कर्ट उठाई।

एडी को सारे कमरे दिखाई दे रहे थे, लेकिन उन दोनों की बातें उसे सुनाई नहीं दे रही थीं, बस धुंधली आवाज़ आ रही थी। उसने मिकी को रसोई में देखा, पानी के गिलास को नज़रअंदाज़ करते हुए, उसने अपनी जैकेट से एक बोतल निकाली और उससे पानी पिया। फिर, धीरे-धीरे वह उठा और लड़खड़ाते हुए बेडरूम की ओर गया। उसने दरवाज़ा खोला।

एडी ने अपनी माँ को अधनंगे कपड़ों में हैरानी से मुड़ते देखा। मिकी लड़खड़ा रहा था। उसने अपने चारों ओर एक बाथरोब लपेट लिया। मिकी करीब आया। उसका हाथ सहज रूप से उसे रोकने के लिए बढ़ा। मिकी एक पल के लिए जम गया, फिर उसने उसका हाथ पकड़ा और एडी की माँ को पकड़कर दीवार से सटा दिया, उसके ऊपर झुककर उसकी कमर पकड़ ली। वह छटपटाने लगी, फिर चिल्लाई और अपने बाथरोब को पकड़े हुए ही मिकी की छाती पर धक्का दिया। वह बड़ा और ताकतवर था, और उसने अपना बिना दाढ़ी वाला चेहरा उसकी गालों के नीचे दबा दिया, जिससे उसके आँसू उसकी गर्दन पर फैल गए।

तभी सामने का दरवाज़ा खुला और एडी के पिता बारिश में भीगे हुए वहाँ खड़े थे, उनकी कमर में एक हथौड़ा लटका हुआ था। वे दौड़कर बेडरूम में गए और देखा कि मिकी अपनी पत्नी को पकड़े हुए है। एडी के पिता चिल्लाए। उन्होंने हथौड़ा उठाया।

मिकी ने अपने हाथ सिर पर रखे और दरवाज़े की ओर दौड़ा, एडी के पिता को धक्का देकर गिरा दिया। एडी की माँ रो रही थी, उसकी छाती ज़ोर-ज़ोर से धड़क रही थी, चेहरा आँसुओं से भीगा हुआ था। उसके पति ने उसके कंधे पकड़े और उसे ज़ोर से हिलाया। उसकी पोशाक गिर गई। दोनों चीख रहे थे। फिर एडी के पिता अपार्टमेंट से बाहर निकल गए, जाते समय उन्होंने हथौड़े से एक लैंप तोड़ दिया। वे सीढ़ियों से नीचे उतरे और बारिश भरी रात में भाग गए।

“ये क्या था?” एडी ने अविश्वास से चिल्लाते हुए कहा। “ये आखिर था क्या?”
बुढ़िया चुप रही। वह बर्फीले घेरे के एक तरफ हट गई और एक और घेरा बनाया। एडी ने नीचे न देखने की कोशिश की। लेकिन वह खुद को रोक नहीं पाया। वह फिर से उस दृश्य में खो गया, मानो आँखों के सामने एक दृश्य को देख रहा हो।
उसने यही देखा:
रूबी पियर के सबसे दूर वाले छोर पर—जिसे वे "उत्तरी बिंदु" कहते थे—एक संकरा घाट जो समुद्र में दूर तक फैला हुआ था, वहाँ उसने एक भयंकर बारिश देखी। आसमान नीला-काला था। बारिश मूसलाधार हो रही थी। मिकी शीया लड़खड़ाते हुए घाट के किनारे की ओर बढ़ा। वह ज़मीन पर गिर पड़ा, उसका पेट अंदर-बाहर हो रहा था। वह कुछ पल वहीं पड़ा रहा, उसका चेहरा अंधेरे आसमान की ओर था, फिर वह लकड़ी की रेलिंग के नीचे लुढ़क गया। वह समुद्र में जा गिरा।
कुछ ही देर बाद एडी के पिता इधर-उधर भागते हुए आए, उनके हाथ में अभी भी हथौड़ा था। उन्होंने रेलिंग पकड़ी और पानी में कुछ ढूंढने लगे। हवा के झोंके से बारिश तिरछी दिशा से आ रही थी। उनके कपड़े पूरी तरह भीग चुके थे और चमड़े की औजारों की बेल्ट भीगने से लगभग काली हो गई थी। उन्होंने लहरों में कुछ देखा। वे रुके, बेल्ट उतारी, एक जूता उतारा, दूसरे को खोलने की कोशिश की, लेकिन हार मानकर रेलिंग के नीचे बैठ गए और उफनते समुद्र में कूद गए, जहाँ वे बेढंगे तरीके से गिरे।
मिक्की समुद्र की तेज़ लहरों में अधमरा पड़ा था, उसके मुँह से झागदार पीला तरल पदार्थ निकल रहा था। एडी के पिता हवा में चिल्लाते हुए उसकी ओर तैरे।
उसने मिकी को पकड़ लिया। मिकी ने हाथ चलाया। एडी के पिता ने भी पलटवार किया। आसमान में बिजली कड़कने लगी और बारिश की बूँदें उन पर पड़ने लगीं। वे

तेज़ लहरों में छटपटाते हुए हाथ-पैर मार रहे थे।
एडी के पिता ने मिकी का हाथ पकड़कर अपने कंधे पर रख लिया, तभी मिकी को ज़ोर से खांसी आई। वह पानी में डूबा, फिर ऊपर आया, और मिकी के शरीर पर अपना भार डालकर उन्हें किनारे की ओर धकेलने लगा। उसने पैर चलाए। वे आगे बढ़े। एक लहर उन्हें पीछे धकेल गई। फिर आगे। समुद्र की लहरें गड़गड़ा रही थीं और टकरा रही थीं, लेकिन एडी के पिता मिकी की बगल में फंसे रहे, अपने पैर हिलाते रहे और अपनी नज़र साफ़ करने के लिए बार-बार पलकें झपकाते रहे।
वे एक लहर के शिखर पर पहुँच गए और अचानक किनारे की ओर बढ़ने लगे। मिकी कराह रहा था और हाँफ रहा था। एडी के पिता ने खारा पानी थूक दिया। ऐसा लग रहा था जैसे अनंत समय बीत रहा हो, बारिश की बूँदें फूट रही थीं, सफेद झाग उनके चेहरों पर लग रहा था, दोनों आदमी कराह रहे थे और अपने हाथ-पैर पटक रहे थे। आखिरकार, एक ऊँची, घुमावदार लहर ने उन्हें ऊपर उठाया और रेत पर पटक दिया, और एडी के पिता मिकी के नीचे से निकलकर मिकी की बाहों के नीचे हाथ डालकर उसे लहरों में बहने से रोकने में कामयाब रहे। जब लहरें शांत हुईं, तो उन्होंने आखिरी झटके से मिकी को आगे की ओर खींचा, फिर किनारे पर गिर पड़े, उनका मुँह खुला हुआ था और गीली रेत से भर गया था।

एडी की दृष्टि वापस लौट आई। वह थका हुआ, बेजान महसूस कर रहा था, मानो वह खुद उस समुद्र में रहा हो। उसका सिर भारी था। अपने पिता के बारे में जो कुछ भी वह जानता था, अब उसे कुछ भी याद नहीं था।
"वह क्या कर रहा था?" एडी ने फुसफुसाते हुए पूछा।
"एक दोस्त को बचाना," रूबी ने कहा।
एडी ने उसे घूरकर देखा। "कैसा दोस्त है! अगर मुझे पता होता कि उसने क्या किया है, तो मैं उसे नशे में धुत होकर डूबने देता।"
"तुम्हारे पिता ने भी यही सोचा था," बूढ़ी औरत ने कहा। "उन्होंने मिकी का पीछा उसे चोट पहुँचाने के लिए किया था, शायद उसे जान से मारने के लिए भी। लेकिन अंत में, वे ऐसा नहीं कर सके। वे जानते थे कि मिकी कैसा इंसान है। वे उसकी कमियों को जानते थे। वे जानते थे कि वह शराब पीता है। वे जानते थे कि उसका निर्णय लेने की

क्षमता कमज़ोर है।"
लेकिन कई साल पहले, जब आपके पिता नौकरी की तलाश कर रहे थे, तो मिकी ही घाट के मालिक के पास गया और उनके लिए सिफारिश की। और जब आपका जन्म हुआ, तो मिकी ने ही आपके माता-पिता को अपने पास मौजूद थोड़े से पैसे उधार दिए, ताकि घर में आए अतिरिक्त सदस्य के भरण-पोषण में मदद मिल सके। आपके पिता पुरानी दोस्ती को गंभीरता से लेते थे—"
"ज़रा रुको, मैडम," एडी ने गुस्से से कहा। "क्या आपने देखा कि वह कमीना मेरी माँ के साथ क्या कर रहा था?"
"मैंने किया था," बूढ़ी औरत ने उदास होकर कहा। "यह गलत था। लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी दिखती हैं।"
"मिकी को उसी दोपहर नौकरी से निकाल दिया गया था। वह इतनी ज़्यादा शराब पी चुका था कि उठ ही नहीं पा रहा था, और उसके मालिकों ने उससे कहा कि बस बहुत हो गया। उसने इस खबर को भी वैसे ही लिया जैसे वह हर बुरी खबर को लेता था, और ज़्यादा शराब पीकर, और जब वह तुम्हारी माँ के पास पहुँचा तो वह पूरी तरह से नशे में चूर था। वह मदद की भीख माँग रहा था। वह अपनी नौकरी वापस चाहता था। तुम्हारे पिता देर तक काम कर रहे थे। तुम्हारी माँ मिकी को उनके पास ले जाने वाली थी।"
"मिकी असभ्य था, लेकिन वह दुष्ट नहीं था। उस क्षण वह खोया हुआ, दिशाहीन था, और उसने जो किया वह अकेलेपन और हताशा का परिणाम था। उसने आवेग में आकर काम किया। एक बुरा आवेग। तुम्हारे पिता ने भी आवेग में आकर काम किया था, और यद्यपि उनका पहला आवेग हत्या करने का था, उनका अंतिम आवेग एक व्यक्ति को जीवित रखना था।"
उसने अपने छाते के सिरे पर अपने हाथ रख लिए।
"इसी तरह उनकी तबीयत खराब हुई। वे घंटों तक समुद्र तट पर भीगे और थके-हारे पड़े रहे, फिर कहीं जाकर उनमें घर लौटने की ताकत आई। आपके पिता अब जवान नहीं थे। वे पचास वर्ष से अधिक उम्र के हो चुके थे।"
"छप्पन," एडी ने भावहीनता से कहा।
"छप्पन," बूढ़ी औरत ने दोहराया। "उसका शरीर कमजोर हो गया था, समुद्र ने उसे असुरक्षित बना दिया था, निमोनिया ने उसे जकड़ लिया और समय के साथ उसकी

मृत्यु हो गई।"
"मिकी की वजह से?" एडी ने कहा।
"वफादारी की वजह से," उसने कहा।
"वफादारी की वजह से लोग नहीं मरते।"
"क्या वे नहीं करते?" वह मुस्कुराई। "धर्म? सरकार? क्या हम इन चीजों के प्रति वफादार नहीं हैं, कभी-कभी तो जान की बाजी लगाकर भी?"
एडी ने कंधे उचका दिए।
उसने कहा, "एक-दूसरे के प्रति वफादार रहना बेहतर है।"

उसके बाद, वे दोनों काफी देर तक बर्फीली पहाड़ी घाटी में रहे। कम से कम एडी को तो ऐसा ही लगा। उसे अब ठीक से पता नहीं था कि चीजें कितनी देर तक चलती हैं।
"मिकी शीया को क्या हुआ?" एडी ने कहा।
"कुछ साल बाद, अकेले ही उसकी मौत हो गई," बूढ़ी औरत ने कहा। "शराब पीते-पीते उसकी मृत्यु हो गई। जो कुछ हुआ उसके लिए वह खुद को कभी माफ नहीं कर पाया।"
"लेकिन मेरे पिताजी," एडी ने अपना माथा रगड़ते हुए कहा। "उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा।"
"उस रात के बारे में उसने फिर कभी बात नहीं की, न तुम्हारी माँ से, न किसी और से। उसे अपनी माँ के लिए, मिकी के लिए, और खुद के लिए शर्म आ रही थी। अस्पताल में उसने बोलना बिल्कुल बंद कर दिया। खामोशी ही उसका सहारा थी, पर खामोशी शायद ही कभी पनाहगाह बन पाती है। उसके विचार अब भी उसे सताते रहते थे।"
"एक रात उनकी सांसें धीमी हो गईं और उनकी आंखें बंद हो गईं और उन्हें जगाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने कहा कि वे कोमा में चले गए थे।"
एडी को वह रात याद थी। मिस्टर नैथनसन को एक और फोन कॉल। उनके दरवाजे पर एक और दस्तक।
उसके बाद, तुम्हारी माँ उसके बिस्तर के पास ही बैठी रही। दिन-रात। वह धीरे-धीरे अपने आप से कराहती रहती, मानो प्रार्थना कर रही हो: 'मुझे कुछ करना चाहिए था। मुझे कुछ करना चाहिए था।'

"अंततः, एक रात, डॉक्टरों के आग्रह पर, वह घर जाकर सो गई। अगली सुबह तड़के, एक नर्स ने आपके पिता को खिड़की से आधा बाहर लटके हुए पाया।"
"रुको," एडी ने कहा। उसकी आँखें सिकुड़ गईं। "खिड़की?"
रूबी ने सिर हिलाया। "रात के किसी समय, तुम्हारे पिता जाग गए। वे बिस्तर से उठे, लड़खड़ाते हुए कमरे में गए और खिड़की का चौखट उठाने की हिम्मत जुटाई। उन्होंने अपनी कमजोर आवाज में तुम्हारी माँ का नाम पुकारा, तुम्हारा भी, और तुम्हारे भाई जो का भी। उन्होंने मिकी को भी पुकारा। उस पल, ऐसा लगा जैसे उनका दिल सारा अपराधबोध और पछतावा से भर गया हो। शायद उन्हें मृत्यु का प्रकाश करीब आता हुआ महसूस हुआ। शायद उन्हें बस इतना पता था कि तुम सब कहीं बाहर, उनकी खिड़की के नीचे वाली गलियों में हो। वे चौखट पर झुक गए। रात ठंडी थी। हवा और नमी, उनकी हालत में, असहनीय थी। भोर होने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।"
"उसे ढूंढने वाली नर्सों ने उसे घसीटकर वापस उसके बिस्तर पर लिटाया। उन्हें अपनी नौकरी जाने का डर था, इसलिए उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। कहानी यह थी कि उसकी मौत नींद में हुई।"
एडी स्तब्ध होकर पीछे गिर पड़ा। वह उस आखिरी दृश्य के बारे में सोचने लगा। उसके पिता, एक अनुभवी और मजबूत योद्धा, खिड़की से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। वे कहाँ जा रहे थे? वे क्या सोच रहे थे? अनसुलझी स्थिति में कौन सी बात ज़्यादा बुरी होती है: एक जीवन, या एक मृत्यु?

"तुम्हें यह सब कैसे पता?" एडी ने रूबी से पूछा।
उसने आह भरी। "तुम्हारे पिता के पास अपने लिए एक अलग अस्पताल का कमरा लेने के लिए पैसे नहीं थे। पर्दे के दूसरी तरफ वाले आदमी के पास भी यही हाल था।"
वह रुक गई।
"एमिल। मेरे पति।"
एडी ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं। उसका सिर पीछे की ओर ऐसे झुका जैसे उसने अभी-अभी कोई पहेली सुलझाई हो।
"तब तुमने मेरे पिता को देखा।"
"हाँ।"

"और मेरी मां।"
"उन अकेली रातों में मैंने उसकी सिसकियाँ सुनीं। हमारी कभी बातचीत नहीं हुई। लेकिन तुम्हारे पिता की मृत्यु के बाद, मैंने तुम्हारे परिवार के बारे में पूछताछ की। जब मुझे पता चला कि वह कहाँ काम करते थे, तो मुझे एक गहरा दर्द महसूस हुआ, मानो मैंने खुद किसी प्रियजन को खो दिया हो। वह घाट जिसका नाम मेरे नाम पर रखा गया था। मैंने उसकी शापित छाया को महसूस किया, और फिर से यही कामना की कि काश वह कभी बना ही न होता।"
"वह इच्छा मेरे साथ स्वर्ग तक भी गई, जब मैं तुम्हारा इंतजार कर रही थी।"
एडी असमंजस में दिख रहा था।
“वह भोजनालय?” उसने कहा। उसने पहाड़ों में दिख रही रोशनी की एक छोटी सी किरण की ओर इशारा किया। “यह वहाँ इसलिए है क्योंकि मैं अपने बचपन के दिनों में लौटना चाहती थी, एक सरल लेकिन सुरक्षित जीवन। और मैं चाहती थी कि रूबी पियर पर जिन लोगों ने भी दुख झेला हो—हर दुर्घटना, हर आग, हर लड़ाई, हर फिसलन और हर तरह की दुर्घटना—वे सुरक्षित रहें। मैं उन सभी को वैसे ही सुरक्षित रखना चाहती थी जैसे मैं अपने एमिल को चाहती थी—गर्मजोशी से भरे, भरपेट भोजन किए हुए, एक स्वागतपूर्ण जगह की गोद में, समुद्र से दूर।”
रूबी खड़ी हो गई, और एडी भी खड़ा हो गया। वह अपने पिता की मृत्यु के बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रहा था।
"मैं उससे नफरत करता था," उसने धीरे से कहा।
बुजुर्ग महिला ने सिर हिलाया।
"बचपन में वह मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव करता था। और जब मैं बड़ा हुआ तो वह और भी बदतर हो गया।"
रूबी उसकी ओर बढ़ी। "एडवर्ड," उसने धीरे से कहा। यह पहली बार था जब उसने उसे नाम से पुकारा था। "मुझसे यह सीख लो। क्रोध पालना एक ज़हर है। यह तुम्हें अंदर से खा जाता है। हम सोचते हैं कि नफ़रत एक हथियार है जो हमें चोट पहुँचाने वाले पर हमला करता है। लेकिन नफ़रत एक मुड़ी हुई तलवार है। और जो नुकसान हम करते हैं, वह हम खुद को ही पहुँचाते हैं।"
"माफ़ कर दो, एडवर्ड। माफ़ कर दो। क्या तुम्हें वह हल्कापन याद है जो तुमने स्वर्ग में पहली बार पहुँचते समय महसूस किया था?"

एडी ने किया। मेरा दर्द कहाँ है?
"ऐसा इसलिए है क्योंकि कोई भी क्रोध के साथ पैदा नहीं होता। और जब हम मरते हैं, तो आत्मा इससे मुक्त हो जाती है। लेकिन अब, यहाँ, आगे बढ़ने के लिए, आपको यह समझना होगा कि आपने ऐसा क्यों महसूस किया, और अब आपको ऐसा महसूस करने की आवश्यकता क्यों नहीं है।"
उसने उसका हाथ छुआ।
"तुम्हें अपने पिता को माफ करना होगा।"

एडी अपने पिता के अंतिम संस्कार के बाद बीते वर्षों के बारे में सोच रहा था। कैसे उसने कभी कुछ हासिल नहीं किया, कैसे वह कभी कहीं नहीं पहुंचा। इतने समय तक एडी ने एक काल्पनिक जीवन की कल्पना की थी—एक ऐसा जीवन जो हो सकता था—जो उसके पिता की मृत्यु और उसके बाद उसकी माँ के अचानक बीमार पड़ जाने से पहले उसका होता। वर्षों तक उसने उस काल्पनिक जीवन को महिमामंडित किया और अपने पिता को उसके सभी नुकसानों के लिए जिम्मेदार ठहराया: स्वतंत्रता का नुकसान, करियर का नुकसान, आशा का नुकसान। वह अपने पिता द्वारा छोड़े गए गंदे, थकाऊ काम से कभी ऊपर नहीं उठ पाया।
एडी ने कहा, "जब उनकी मृत्यु हुई, तो वे मेरे एक हिस्से को भी अपने साथ ले गए। उसके बाद मैं वहीं अटक गया।"
रूबी ने सिर हिलाते हुए कहा, "तुम्हारे पिता वह कारण नहीं हैं जिसकी वजह से तुमने कभी घाट नहीं छोड़ा।"
एडी ने ऊपर देखा। "तो फिर क्या है?"
उसने अपनी स्कर्ट पर हाथ फेरा। उसने अपना चश्मा ठीक किया। वह चलने लगी। "अभी दो लोग हैं जिनसे आपको मिलना बाकी है," उसने कहा।
एडी ने "रुको" कहने की कोशिश की, लेकिन ठंडी हवा के झोंके ने लगभग उसकी आवाज़ को गले से निकाल दिया। फिर सब कुछ अंधेरा हो गया।

रूबी जा चुका था। वह पहाड़ की चोटी पर, भोजनालय के बाहर, बर्फ में खड़ा था।

वह काफी देर तक सन्नाटे में अकेला खड़ा रहा, जब तक उसे यह एहसास नहीं हुआ कि बुढ़िया वापस नहीं आएगी। फिर वह दरवाजे की ओर मुड़ा और धीरे से उसे खोला। उसे बर्तनों की खनक और थालियों के रखे जाने की आवाज सुनाई दी। उसे ताज़ा पके हुए खाने की खुशबू आई—रोटी, मांस और चटनी की। घाट पर जान गंवाने वालों की आत्माएं चारों ओर थीं, एक-दूसरे से बातचीत कर रही थीं, खा-पी रही थीं और बातें कर रही थीं।

एडी धीरे-धीरे आगे बढ़ा, उसे पता था कि उसे यहाँ क्या करना है। वह अपनी दाहिनी ओर, कोने वाले बूथ की ओर मुड़ा, जहाँ उसके पिता की परछाई सिगार पी रही थी। उसे एक सिहरन महसूस हुई। उसने उस बूढ़े आदमी के बारे में सोचा जो अस्पताल की खिड़की से बाहर लटक रहा था, आधी रात को अकेले ही मर रहा था।

"पापा?" एडी ने फुसफुसाते हुए कहा।

उसके पिता उसकी बात नहीं सुन पा रहे थे। एडी उनके करीब गया। "पिताजी, मुझे अब पता चल गया है कि क्या हुआ था।"

उसे सीने में घुटन महसूस हुई। वह बूथ के पास घुटनों के बल बैठ गया। उसके पिता इतने करीब थे कि एडी उनके चेहरे पर दाढ़ी के बाल और सिगार का फटा हुआ सिरा देख सकता था। उसने उनकी थकी हुई आँखों के नीचे की झुर्रियाँ, झुकी हुई नाक, हड्डियों से भरी उंगलियाँ और एक मेहनतकश आदमी के चौड़े कंधे देखे। उसने अपनी बाहों को देखा और महसूस किया कि अपने इस नश्वर शरीर में वह अब अपने पिता से भी अधिक उम्र का हो गया है। वह हर मायने में उनसे आगे निकल चुका था।

"मैं आपसे नाराज़ थी, पिताजी। मैं आपसे नफरत करती थी।"

एडी की आँखों में आंसू भर आए। उसके सीने में कंपन होने लगी। उसके अंदर से कुछ बह रहा था।

"तुमने मुझे पीटा। तुमने मुझे अलग-थलग कर दिया। मुझे समझ नहीं आया। मुझे अब भी समझ नहीं आया। तुमने ऐसा क्यों किया? क्यों?" उसने दर्द भरी लंबी-लंबी साँसें लीं। "मुझे नहीं पता था, ठीक है? मुझे तुम्हारी ज़िंदगी के बारे में नहीं पता था, क्या हुआ था। मैं तुम्हें नहीं जानता था। लेकिन तुम मेरे पिता हो। मैं अब इसे जाने देता हूँ, ठीक है? ठीक है? क्या हम इसे जाने दे सकते हैं?"

उसकी आवाज़ लड़खड़ाती हुई ऊँची और विलाप भरी हो गई, अब वह उसकी अपनी आवाज़ नहीं थी। "ठीक है? क्या तुम मुझे सुन रहे हो?" वह चिल्लाया। फिर धीमी

आवाज़ में: "क्या तुम मुझे सुन रहे हो? पिताजी?"
वह पास झुक गया। उसने अपने पिता के गंदे हाथ देखे। उसने फुसफुसाते हुए आखिरी परिचित शब्द कहे।
"यह ठीक हो गया है।"
एडी ने मेज पर मुक्का मारा और फिर ज़मीन पर गिर पड़ा। जब उसने ऊपर देखा, तो उसे सामने रूबी खड़ी दिखाई दी, जो युवा और सुंदर थी। उसने अपना सिर झुकाया, दरवाजा खोला और हरे आसमान में उड़ गई।

गुरुवार, सुबह 11 बजे

एडी के अंतिम संस्कार का खर्च कौन उठाएगा? उसका कोई रिश्तेदार नहीं था। उसने कोई निर्देश भी नहीं छोड़े थे। उसका शव, उसके कपड़े और निजी सामान, उसकी कमीज़, उसके मोज़े और जूते, उसकी लिनेन की टोपी, उसकी शादी की अंगूठी, उसकी सिगरेट और पाइप क्लीनर, सब कुछ शहर के मुर्दाघर में पड़ा था, किसी के दावे का इंतज़ार कर रहा था।
अंत में, पार्क के मालिक श्री बुलॉक ने एडी के अब न चुकाए जा सकने वाले वेतन से बचाए गए पैसों से अंतिम संस्कार का खर्च उठाया। ताबूत लकड़ी का बना था। चर्च का चयन स्थान के आधार पर किया गया था—घाट के सबसे नज़दीक वाला चर्च—क्योंकि अधिकांश उपस्थित लोगों को काम पर वापस जाना था।
प्रार्थना सभा शुरू होने से कुछ मिनट पहले, पादरी ने नेवी ब्लू स्पोर्ट्स कोट और अपनी अच्छी काली जींस पहने डोमिंगुएज़ को अपने कार्यालय के अंदर आने के लिए कहा।
"क्या आप दिवंगत व्यक्ति के कुछ अनूठे गुणों के बारे में बता सकते हैं?" पादरी ने पूछा। "मुझे पता है कि आपने उनके साथ काम किया था।"

डोमिंगुएज़ ने घबराकर घूँट भरा। वह पादरियों के साथ सहज महसूस नहीं करता था। उसने गंभीरता से अपनी उंगलियाँ आपस में फंसाईं, मानो वह इस मामले पर विचार कर रहा हो, और उसने उतनी ही धीमी आवाज़ में बात की जितनी उसे ऐसी स्थिति में बोलना उचित लगा।
अंत में उसने कहा, "एडी अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता था।"
उसने अपनी उंगलियां हटाईं और फिर जल्दी से कहा, "बेशक, मैं उससे कभी नहीं मिला।"

एडी स्वर्ग में जिस चौथे व्यक्ति से मिलता है

एडी ने पलकें झपकाईं और खुद को एक छोटे, गोल कमरे में पाया। पहाड़ गायब हो चुके थे और हरा आसमान भी। एक नीची प्लास्टर की छत उसके सिर से बस थोड़ी ही ऊपर थी। कमरा भूरा था—बिल्कुल सादा—और खाली था, सिवाय एक लकड़ी के स्टूल और दीवार पर लगे एक अंडाकार दर्पण के।
एडी दर्पण के सामने खड़ा हो गया। उसकी कोई परछाई नहीं दिखी। उसे कमरे का केवल उल्टा हिस्सा दिखाई दिया, जो अचानक फैलकर दरवाजों की एक पंक्ति को समाहित कर लिया। एडी मुड़ गया।
फिर उसे खांसी आ गई।
उस आवाज़ से वह चौंक गया, मानो वह किसी और की हो। उसने फिर से खांसा, एक तेज़, गड़गड़ाहट वाली खांसी, मानो उसके सीने में कुछ हलचल हो रही हो।
ये सब कब शुरू हुआ? एडी ने सोचा। उसने अपनी त्वचा को छुआ, जो रूबी के साथ बिताए समय के बाद से बूढ़ी हो गई थी। अब वह पतली और रूखी लग रही थी। उसका पेट, जो कैप्टन के साथ रहते हुए खिंचे हुए रबर की तरह कसा हुआ लगता था,

अब उम्र के साथ ढीला पड़ गया था।
रूबी ने कहा था, "अभी भी दो लोगों से मिलना बाकी है।" और फिर क्या? उसकी कमर में हल्का दर्द था। उसका चोटिल पैर और भी अकड़ता जा रहा था। उसे समझ आ गया था कि क्या हो रहा है, स्वर्ग के हर नए चरण के साथ ऐसा ही होता था। वह सड़ रहा था।

वह एक दरवाजे के पास पहुँचा और उसे धक्का देकर खोल दिया। अचानक, वह बाहर था, एक ऐसे घर के आँगन में जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था, एक ऐसी जगह पर जिसे वह पहचानता नहीं था, और ऐसा लग रहा था जैसे वहाँ शादी का स्वागत समारोह चल रहा हो। चांदी की थालियाँ लिए मेहमान घास के मैदान में भरे हुए थे। एक छोर पर लाल फूलों और बर्च की शाखाओं से ढका एक मेहराब था, और दूसरे छोर पर, एडी के बगल में, वह दरवाजा था जिससे वह अंदर आया था। युवा और सुंदर दुल्हन समूह के बीच में खड़ी थी, अपने सुनहरे बालों से पिन निकाल रही थी। दूल्हा दुबला-पतला था। उसने काला शादी का कोट पहना हुआ था और एक तलवार पकड़ी हुई थी, जिसकी मूठ पर एक अंगूठी थी। उसने अंगूठी दुल्हन की ओर झुकाई और जैसे ही दुल्हन ने उसे लिया, मेहमानों ने खुशी से तालियाँ बजाईं। एडी ने उनकी आवाज़ें सुनीं, लेकिन भाषा अनजान थी। जर्मन? स्वीडिश?
उसने फिर खांसा। समूह ने ऊपर देखा। हर कोई मुस्कुराता हुआ प्रतीत हुआ, और उनकी मुस्कान देखकर एडी डर गया। वह जिस दरवाजे से अंदर आया था, उसी से तेजी से वापस बाहर निकल गया, यह सोचकर कि वह गोल कमरे में वापस जाएगा। लेकिन इसके बजाय, वह एक और शादी के बीच में था, इस बार एक बड़े हॉल में, जहाँ लोग स्पेनिश लग रहे थे और दुल्हन ने अपने बालों में नारंगी रंग के फूल लगाए हुए थे। वह एक साथी से दूसरे साथी के साथ नाच रही थी, और हर मेहमान उसे सिक्कों से भरी एक छोटी थैली दे रहा था।
एडी को फिर खांसी आ गई—वह खुद को रोक नहीं पाया—और जब कई मेहमानों ने ऊपर देखा, तो वह दरवाजे से पीछे हट गया और फिर से एक अलग शादी के दृश्य में प्रवेश कर गया, एडी के अनुमान से यह कुछ अफ्रीकी था, जहाँ परिवार वाले ज़मीन पर शराब उड़ेल रहे थे और दूल्हा-दुल्हन हाथ पकड़कर झाड़ू के ऊपर से कूद रहे थे।

फिर एक और दरवाजे से होते हुए वह एक चीनी रिसेप्शन में पहुँच गया, जहाँ जयकारे लगाते मेहमानों के सामने पटाखे जलाए जा रहे थे, फिर एक और दरवाजे से होते हुए वह किसी और चीज़ में पहुँच गया—शायद फ्रांसीसी?—जहाँ दूल्हा-दुल्हन दो हैंडल वाले प्याले से एक साथ पी रहे थे।

ये सिलसिला कब तक चलेगा? एडी ने सोचा। हर रिसेप्शन में, लोगों के आने का कोई संकेत नहीं था, न कार, न बस, न गाड़ी, न घोड़े। प्रस्थान कोई समस्या नहीं लग रही थी। मेहमान इधर-उधर घूम रहे थे, और एडी उनमें से एक बनकर मग्न था, सब उसे देखकर मुस्कुराते थे लेकिन उससे कोई बात नहीं करता था, ठीक वैसे ही जैसे उसने धरती पर कुछ शादियों में देखा था। उसे यही अच्छा लगता था। एडी के मन में, शादियाँ शर्मिंदगी भरे पलों से भरी होती थीं, जैसे जब जोड़ों को नाचने के लिए कहा जाता था, या दुल्हन को कुर्सी पर उठाने में मदद करने के लिए। ऐसे पलों में उसका खराब पैर चमक उठता था, और उसे ऐसा लगता था जैसे कमरे के दूसरी तरफ बैठे लोग उसे देख सकते हों।

इसी वजह से एडी ज़्यादातर समारोहों में नहीं जाते थे, और जब जाते भी थे, तो अक्सर पार्किंग में खड़े होकर सिगरेट पीते हुए समय बीतने का इंतज़ार करते थे। लंबे समय तक तो उन्हें किसी शादी में जाना ही नहीं पड़ा। जीवन के अंतिम वर्षों में ही, जब उनके कुछ किशोर सहकर्मी बड़े हो गए और उनकी पत्नियाँ बन गईं, तब जाकर उन्होंने अलमारी से अपना पुराना सूट निकाला और कॉलर वाली कमीज़ पहनी जो उनकी मोटी गर्दन को चुभती थी। इस समय तक, उनकी कभी टूटी हुई टांग की हड्डियाँ और भी टेढ़ी-मेढ़ी हो गई थीं। उनके घुटने में गठिया हो गया था। वे बुरी तरह लंगड़ाते थे और इसलिए उन्हें नृत्य या मोमबत्ती जलाने जैसे किसी भी समारोह में शामिल होने से छूट मिल गई थी। उन्हें एक "बूढ़ा आदमी" माना जाता था, अकेला, अविवाहित, और फोटोग्राफर के आने पर मुस्कुराने के अलावा उनसे किसी और चीज़ की उम्मीद नहीं की जाती थी।

अब, यहाँ, अपने नौकरों वाले कपड़ों में, वह एक शादी से दूसरी शादी, एक रिसेप्शन से दूसरे रिसेप्शन, एक भाषा, एक केक और एक तरह के संगीत से दूसरी भाषा, दूसरे केक और दूसरे तरह के संगीत में घूमता रहता था। इस एकरूपता से एडी को कोई हैरानी नहीं हुई। वह हमेशा यही सोचता था कि यहाँ की शादी वहाँ की शादी से ज़्यादा अलग नहीं होती। उसे बस यह समझ नहीं आ रहा था कि इसका उससे क्या

लेना-देना है।

उसने एक बार फिर दहलीज पार की और खुद को एक इतालवी गांव में पाया। पहाड़ियों पर अंगूर के बाग थे और ट्रैवर्टाइन पत्थर से बने फार्महाउस थे। कई पुरुषों के घने, काले बाल थे, जो पीछे की ओर कंघी किए हुए और गीले थे, और महिलाओं की गहरी आंखें और तीक्ष्ण चेहरे की बनावट थी। एडी ने एक दीवार के सहारे जगह ढूंढी और दूल्हा-दुल्हन को दो हाथों से चलने वाली आरी से एक लट्ठे को दो हिस्सों में काटते हुए देखा। संगीत बज रहा था—बांसुरी वादक, वायलिन वादक, गिटार वादक —और मेहमान टैरेंटेला नृत्य करने लगे, एक जोशीले, घूमते हुए ताल में नाचते हुए। एडी कुछ कदम पीछे हट गया। उसकी नजर भीड़ के किनारे पर पड़ी।

एक लंबी लैवेंडर रंग की ड्रेस और सिलाई की हुई स्ट्रॉ हैट पहने एक ब्राइड्समेड मेहमानों के बीच से गुजर रही थी, जिसके हाथ में बादाम से भरी टोकरी थी। दूर से देखने पर वह लगभग 20 वर्ष की लग रही थी।

"कड़वे और मीठे के लिए?" उसने अपनी मिठाई आगे बढ़ाते हुए कहा। "कड़वे और मीठे के लिए? ... कड़वे और मीठे के लिए? ..."

उसकी आवाज़ सुनते ही एडी का पूरा शरीर कांप उठा। उसे पसीना आने लगा। एक तरफ उसे भागने का मन हुआ, वहीं दूसरी तरफ कुछ और भी था जिसने उसके पैरों को ज़मीन पर जमा दिया। वह उसकी तरफ आ रही थी। उसकी नज़रें टोपी के किनारे से, जिस पर कागज़ के फूल लगे थे, एडी पर टिक गईं।

"पेर ल'अमारो ई इल डोल्से?" उसने मुस्कुराते हुए बादाम आगे बढ़ाते हुए कहा। "कड़वे और मीठे के लिए?"

उसके काले बाल उसकी एक आँख पर आ गिरे और एडी का दिल मानो फट पड़ा। उसके होंठ खुलने में थोड़ा समय लगा, और गले से निकली आवाज़ भी धीरे-धीरे निकली, लेकिन आखिरकार वो उस नाम के पहले अक्षर पर आकर मिल गई जिसने उसे कभी ऐसा महसूस कराया था। वह घुटनों के बल बैठ गया।

"मार्गुराइट..." उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"कड़वे और मीठे दोनों के लिए," उसने कहा।

आज एडी का जन्मदिन है

एडी और उसका भाई मरम्मत की दुकान में बैठे हैं।

जो ने गर्व से ड्रिल मशीन को ऊपर उठाते हुए कहा, "यह सबसे नया मॉडल है।"

जो ने चेकदार स्पोर्ट्स कोट और काले-सफेद रंग के जूते पहने हैं। एडी को लगता है कि उसका भाई कुछ ज़्यादा ही दिखावटी लग रहा है—और दिखावटी का मतलब बनावटी होता है—लेकिन जो अब एक हार्डवेयर कंपनी में सेल्समैन है और एडी तो सालों से यही कपड़े पहनता आ रहा है, तो उसे क्या पता?

"जी सर," जो कहता है, "और सुनिए। यह उसी बैटरी से चलता है।"

एडी ने अपनी उंगलियों के बीच बैटरी पकड़ रखी है, जो निकल कैडमियम नामक एक छोटी सी चीज है। यकीन करना मुश्किल है।

"इसे चालू करो," जो ने ड्रिल मशीन उसे सौंपते हुए कहा।

एडी ने ट्रिगर दबाया। धमाके के साथ विस्फोट हुआ।

"अच्छा है ना?" जो चिल्लाता है।

उस सुबह, जो ने एडी को उसकी नई तनख्वाह बताई। यह एडी की मौजूदा तनख्वाह से तीन गुना ज़्यादा थी। फिर जो ने एडी को उसकी पदोन्नति पर बधाई दी: रूबी पियर में रखरखाव प्रमुख का पद, जो उसके पिता का पुराना पद था। एडी जवाब देना चाहता था, "अगर यह इतना अच्छा है, तो आप इसे क्यों नहीं ले लेते, और मैं आपकी नौकरी ले लूँगा?" लेकिन उसने नहीं कहा। एडी कभी भी अपने दिल की इतनी गहरी भावनाएँ ज़ाहिर नहीं करता था।

"हेलो? क्या यहाँ कोई है?"

मार्गुराइट दरवाज़े पर खड़ी है, उसके हाथ में नारंगी रंग के टिकटों का एक बंडल है। एडी की नज़रें हमेशा की तरह उसके चेहरे पर टिक जाती हैं, उसकी सांवली त्वचा और उसकी गहरी काली आँखों पर। उसने इस गर्मी में टिकट बूथ पर नौकरी कर ली है और उसने रूबी पियर की आधिकारिक वर्दी पहनी हुई है: एक सफेद कमीज़, एक लाल बनियान, काली पैंट, एक लाल बेरेट और कॉलरबोन के नीचे एक पिन पर उसका नाम। यह सब देखकर एडी को गुस्सा आ जाता है—खासकर अपने होशियार

भाई के सामने।
"उसे ड्रिल करके दिखाओ," जो कहता है। वह मार्गुराइट की ओर मुड़ता है। "यह बैटरी से चलती है।"
एडी दबाता है। मार्गुराइट अपने कान पकड़ लेती है।
"यह तुम्हारी खर्राटों से भी ज़्यादा तेज़ है," वह कहती है।
"वाह-वाह!" जो हंसते हुए चिल्लाता है। "वाह-वाह! उसने तुम्हें पकड़ लिया!"
एडी शर्मिंदा होकर नीचे देखता है, फिर अपनी पत्नी को मुस्कुराते हुए देखता है।
"क्या आप बाहर आ सकते हैं?" वह कहती है।
एडी ड्रिल को लहराते हुए कहता है, "मैं यहाँ काम कर रहा हूँ।"
"बस एक मिनट के लिए, ठीक है?"
एडी धीरे से उठता है, फिर उसके पीछे दरवाजे से बाहर निकल जाता है। सूरज की किरणें उसके चेहरे पर पड़ती हैं।
"जन्मदिन मुबारक हो, श्रीमान एडी!" बच्चों का एक समूह एक साथ चिल्लाता है।
"अरे वाह," एडी कहता है।
मार्गुराइट चिल्लाती है, "ठीक है बच्चों, केक पर मोमबत्तियाँ लगाओ!"
बच्चे पास की फोल्डिंग टेबल पर रखे वैनिला शीट केक की ओर दौड़ते हैं। मार्गुराइट एडी की ओर झुककर फुसफुसाती है, "मैंने उनसे वादा किया था कि तुम सारे अड़तीस केक एक साथ बुझा दोगे।"
एडी चिढ़कर बोला। वह अपनी पत्नी को समूह को व्यवस्थित करते हुए देख रहा था। मार्गरेट और बच्चों के साथ हमेशा की तरह, उनका मन खुश हो जाता था क्योंकि मार्गरेट उनसे सहजता से घुलमिल जाती थी, लेकिन बच्चों को संभाल न पाने की वजह से उनका मूड खराब हो जाता था। एक डॉक्टर ने कहा कि वह बहुत घबराई हुई थी। दूसरे ने कहा कि उसने बहुत देर कर दी, उसे 25 साल की उम्र तक बच्चे हो जाने चाहिए थे। समय के साथ, डॉक्टरों के लिए उनके पास पैसे खत्म हो गए। जो होना था सो हुआ।
लगभग एक साल से वह गोद लेने के बारे में बात कर रही है। वह पुस्तकालय गई। वह कागज़ात लेकर घर आई। एडी ने कहा कि वे बहुत पुराने हैं। उसने कहा, "एक बच्चे के लिए पुराना क्या होता है?"
एडी ने कहा कि वह इस बारे में सोचेगा।

"ठीक है," वह अब शीट केक के पीछे से चिल्लाती है। "चलो, मिस्टर एडी! इन्हें बुझा दो। अरे, रुको, रुको..." वह एक बैग में हाथ डालती है और एक कैमरा निकालती है, जो छड़ों, टैब और एक गोल फ्लैशबल्ब वाला एक जटिल उपकरण है।
"चार्लीन ने मुझे इसे इस्तेमाल करने दिया। यह एक पोलरॉइड कैमरा है।"
मार्गुराइट तस्वीर को इस तरह सेट करती है कि एडी केक के ऊपर खड़ा है, बच्चे उसके चारों ओर जमा होकर 38 छोटी-छोटी लौयों की प्रशंसा कर रहे हैं। एक बच्चा एडी को कोहनी मारता है और कहता है, "इन्हें बुझा दो, ठीक है?"
एडी नीचे देखता है। आइसिंग पूरी तरह से बिखरी हुई है, उस पर अनगिनत छोटे-छोटे हाथों के निशान हैं।
"मैं करूँगा," एडी कहता है, लेकिन वह अपनी पत्नी की ओर देख रहा होता है।

एडी युवा मार्गुराइट को घूर रहा था।
"यह तुम्हारी गलती नहीं है," उसने कहा।
उसने बादाम की टोकरी नीचे रख दी। वह उदास होकर मुस्कुराई। उनके पीछे टैरेंटेला नृत्य कर रही थी और सूरज सफेद बादलों की एक पतली पट्टी के पीछे छिप रहा था।
"यह तुम्हारी गलती नहीं है," एडी ने फिर कहा।
नर्तकों ने "हूहेय!" चिल्लाया। उन्होंने डफली बजाई।
उसने अपना हाथ बढ़ाया। एडी ने तुरंत, सहज रूप से, जैसे किसी गिरती हुई वस्तु को पकड़ने की कोशिश कर रहा हो, उसका हाथ थाम लिया। उनकी उंगलियां आपस में मिलीं और उसे ऐसा अहसास पहले कभी नहीं हुआ था, मानो उसकी अपनी त्वचा पर नई त्वचा बन रही हो, नरम, गर्म और लगभग गुदगुदी जैसी। वह उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गई।
"यह तुम्हारी गलती नहीं है," उसने कहा।
"यह मैं ही हूँ," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

हूहेय!
"यह तुम्हारी गलती नहीं है, यह तुम्हारी गलती नहीं है, यह तुम्हारी गलती नहीं है," एडी ने बुदबुदाते हुए अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया और अपनी मृत्यु के बाद पहली बार रोने लगा।

उनकी शादी क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सैमी हांग्स नामक एक मंद रोशनी वाले चीनी रेस्तरां की दूसरी मंजिल पर हुई। रेस्तरां के मालिक, सैमी, ने उस रात के लिए रेस्तरां किराए पर देने पर सहमति जताई, यह सोचकर कि उनके पास उस रात के अलावा कोई और काम नहीं होगा। एडी ने सेना से बचे हुए अपने पैसे रिसेप्शन पर खर्च कर दिए—भुना हुआ चिकन, चीनी सब्जियां, पोर्ट वाइन और एक अकॉर्डियन बजाने वाला एक व्यक्ति। समारोह के लिए इस्तेमाल की गई कुर्सियों की ज़रूरत रात के खाने के लिए थी, इसलिए प्रतिज्ञा लेने के बाद, वेटर ने मेहमानों को उठने के लिए कहा और फिर कुर्सियों को नीचे मेजों तक ले गए। अकॉर्डियन बजाने वाला व्यक्ति एक स्टूल पर बैठा था। वर्षों बाद, मार्गरेट मजाक में कहती थीं कि उनकी शादी में केवल "बिंगो कार्ड" की कमी थी।
खाना खत्म होने और कुछ छोटे-मोटे तोहफे दिए जाने के बाद, आखिरी टोस्ट दिया गया और अकॉर्डियन बजाने वाले ने अपना सामान समेटा। एडी और मार्गरेट सामने के दरवाजे से बाहर निकल गए। हल्की-हल्की बारिश हो रही थी, ठंडी बारिश, लेकिन दूल्हा-दुल्हन साथ-साथ घर की ओर चल पड़े, क्योंकि घर बस कुछ ही ब्लॉक दूर था। मार्गरेट ने अपनी शादी की पोशाक के ऊपर एक मोटा गुलाबी स्वेटर पहना हुआ था। एडी ने अपना सफेद सूट कोट पहना हुआ था, कमीज उसकी गर्दन पर कसी हुई थी। उन्होंने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा था। वे लैंप की रोशनी में आगे बढ़ रहे थे। उनके आसपास सब कुछ एकदम व्यवस्थित और सधा हुआ सा लग रहा था।

लोग कहते हैं कि उन्हें प्यार "मिल जाता है", मानो वह किसी पत्थर के पीछे छिपी हुई कोई वस्तु हो। लेकिन प्यार कई रूप धारण करता है, और यह हर पुरुष और स्त्री के लिए कभी एक जैसा नहीं होता। असल में, लोगों को एक खास तरह का प्यार मिलता

है। और एडी को मार्गरेट के साथ एक खास तरह का प्यार मिला, एक कृतज्ञता भरा प्यार, एक गहरा लेकिन शांत प्यार, एक ऐसा प्यार जिसे वह जानता था कि सबसे बढ़कर, जिसकी कोई जगह नहीं ले सकता। उसके जाने के बाद, उसने अपने दिन नीरस होने दिए। उसने अपने दिल को सुला दिया।

अब वह फिर से वहीं थी, उतनी ही जवान जितनी उनकी शादी के दिन थी। "मेरे साथ चलो," उसने कहा।

एडी ने खड़े होने की कोशिश की, लेकिन उसका चोटिल घुटना लड़खड़ा गया। उसने उसे बड़ी आसानी से उठा लिया।

"तुम्हारा पैर," उसने धुंधले निशान को कोमल आत्मीयता से देखते हुए कहा। फिर उसने ऊपर देखा और उसके कानों के ऊपर के बालों को छुआ।

"यह सफेद है," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

एडी की ज़बान अटक गई। वह बस उसे देखता ही रह गया। वह बिल्कुल वैसी ही थी जैसी उसे याद थी—बल्कि और भी खूबसूरत, क्योंकि उसकी आखिरी यादें तो एक बूढ़ी, दुखी औरत की थीं। वह चुपचाप उसके बगल में खड़ा रहा, जब तक कि उसकी गहरी आँखें सिकुड़ नहीं गईं और उसके होंठ शरारती अंदाज़ में ऊपर नहीं उठ गए।

"एडी।" वह लगभग हंस पड़ी। "क्या तुम इतनी जल्दी भूल गए कि मैं पहले कैसी दिखती थी?"

एडी ने घबराकर कहा, "मैं वह बात कभी नहीं भूला।"

उसने उसके चेहरे को हल्के से छुआ और गर्माहट उसके पूरे शरीर में फैल गई। उसने गाँव और नाचते हुए मेहमानों की ओर इशारा किया।

"हर शादी," उसने खुशी से कहा। "यही मेरी पसंद थी। हर दरवाजे के पीछे शादियों की दुनिया। ओह, एडी, यह कभी नहीं बदलता, जब दूल्हा घूंघट उठाता है, जब दुल्हन अंगूठी स्वीकार करती है, उनकी आँखों में जो संभावनाएं दिखती हैं, वह पूरी दुनिया में एक जैसी होती हैं। वे सचमुच मानते हैं कि उनका प्यार और उनकी शादी सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी।"

वह मुस्कुराई। "क्या आपको लगता है कि हमारे पास वह था?"

एडी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दे।

उन्होंने कहा, "हमारे पास एक अकॉर्डियन वादक था।"

वे रिसेप्शन से निकलकर एक पथरीले रास्ते पर चलने लगे। संगीत धीरे-धीरे पृष्ठभूमि की ध्वनि में बदल गया। एडी उसे सब कुछ बताना चाहता था जो उसने देखा था, जो कुछ भी हुआ था। वह उससे हर छोटी-बड़ी बात के बारे में पूछना चाहता था। उसके भीतर एक बेचैनी थी, एक रुक-रुक कर चलने वाली चिंता। उसे समझ नहीं आ रहा था कि शुरुआत कहाँ से करे।

"तुमने भी ऐसा ही किया?" उसने आखिरकार कहा। "तुम पाँच लोगों से मिले?"

उसने सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "पांच अलग-अलग लोग।"

उसने फिर सिर हिलाया।

"और उन्होंने सब कुछ समझाया? और उससे कुछ फर्क पड़ा?"

वह मुस्कुराई। "कितना फर्क है!" उसने उसकी ठोड़ी को छुआ। "और फिर मैंने तुम्हारा इंतजार किया।"

उसने उसकी आँखों को गौर से देखा। उसकी मुस्कान को। उसने सोचा कि क्या उसका इंतज़ार करना उसके इंतज़ार करने जैसा ही महसूस हुआ होगा।

"तुम मेरे बारे में कितना जानते हो...? मेरा मतलब है, तुम मुझे कब से जानते हो...?"

उसे अब भी यह कहने में दिक्कत हो रही थी।

आज एडी का जन्मदिन है

रेसट्रैक गर्मियों के ग्राहकों से खचाखच भरा है। महिलाएं भूसे की टोपियां पहने हैं और पुरुष सिगार पी रहे हैं। एडी और नोएल जल्दी काम छोड़कर डेली डबल में एडी का जन्मदिन नंबर, 39, खेलने जाते हैं। वे जालीदार तह वाली सीटों पर बैठते हैं। उनके पैरों के पास कागज के प्यालों में बीयर रखी है, और चारों ओर फेंके गए टिकटों का ढेर लगा है।

इससे पहले, एडी ने दिन की पहली रेस जीती थी। उसने अपनी जीती हुई रकम का आधा हिस्सा दूसरी रेस पर लगाया और उसे भी जीत लिया; ऐसा उसके साथ पहली बार हुआ था। इससे उसे 209 डॉलर मिले। छोटी रकम के दो दांव हारने के बाद, उसने छठी रेस में जीतने वाले घोड़े पर सारी रकम लगा दी, क्योंकि जैसा कि उसने और नोएल ने जोश में आकर सोचा था, वह लगभग खाली हाथ आया था, तो अगर वह उसी हालत में घर लौटता है तो क्या हर्ज है?

नोएल अब कहता है, "ज़रा सोचो, अगर तुम जीत गए, तो तुम्हारे पास बच्चे के लिए वह सारा पैसा होगा।"

घंटी बजती है। घोड़े दौड़ पड़ते हैं। दूर के सीधे ट्रैक पर वे एक साथ झुंड बना लेते हैं, उनकी रंगीन रेशमी पोशाकें उनकी ऊबड़-खाबड़ चाल से धुंधली हो जाती हैं। एडी के पास नंबर 8 का घोड़ा है, जिसका नाम जर्सी फिंच है, जो एक बुरा दांव नहीं है, चार के मुकाबले एक का भाव तो ठीक है, लेकिन नोएल ने अभी-अभी "बच्चे" के बारे में जो कहा है—वही बच्चा जिसे एडी और मार्गरेट गोद लेने की योजना बना रहे हैं—उसे अपराधबोध से भर देता है। वे उस पैसे का इस्तेमाल कर सकते थे। वह इस तरह की हरकतें क्यों करता है?

भीड़ उमड़ पड़ती है। घोड़े दौड़ते हुए आगे बढ़ते हैं। जर्सी फिंच बाहर की ओर मुड़ता है और पूरी रफ्तार पकड़ लेता है। घोड़ों के खुरों की गड़गड़ाहट के साथ तालियों की गड़गड़ाहट गूंजने लगती है। नोएल जोर से चिल्लाता है। एडी अपनी टिकट को कसकर पकड़ लेता है। वह जितना घबराया हुआ होना चाहता है, उससे कहीं ज्यादा घबराया हुआ है। उसकी त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। एक घोड़ा बाकी घोड़ों से आगे निकल जाता है।

जर्सी फिंच!

अब एडी के पास लगभग 800 डॉलर हैं।

"मुझे घर फोन करना होगा," वह कहता है।

"तुम इसे बर्बाद कर दोगे," नोएल कहता है।

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"

"अगर आप किसी को बता देते हैं, तो आप अपनी किस्मत खराब कर लेते हैं।"

"तुम पागल हो।"

ऐसा मत करो।

मैं उसे फोन कर रहा हूँ। इससे वह खुश हो जाएगी।
"इससे उसे खुशी नहीं मिलेगी।"
वह लंगड़ाते हुए एक पेफोन तक जाता है और उसमें एक निकल (सिक्का) डालता है। मार्गुराइट फोन उठाती है। एडी उसे खबर सुनाता है। नोएल सही था। वह खुश नहीं है। वह उसे घर आने को कहती है। वह उससे कहता है कि उसे यह बताना बंद करो कि उसे क्या करना है।
"हमारे घर में बच्चा आने वाला है," वह डांटते हुए कहती है। "तुम इस तरह का व्यवहार जारी नहीं रख सकते।"
एडी ने कानों में जलन महसूस करते हुए फोन रख दिया। वह वापस नोएल के पास गया, जो रेलिंग पर बैठकर मूंगफली खा रहा था।
"मुझे अनुमान लगाने दो," नोएल कहता है।
वे खिड़की के पास जाते हैं और दूसरा घोड़ा चुनते हैं। एडी अपनी जेब से पैसे निकालता है। उसका आधा मन अब उन पैसों की चाहत नहीं रखता और आधा मन दुगुने पैसे चाहता है, ताकि घर पहुँचकर उन्हें बिस्तर पर फेंक सके और अपनी पत्नी से कह सके, "लो, जो चाहो खरीद लो, ठीक है?"
नोएल उसे नोटों को छेद से अंदर धकेलते हुए देखता है। वह अपनी भौंहें ऊपर उठाता है।
"मुझे पता है, मुझे पता है," एडी कहता है।
उसे यह नहीं पता कि मार्गुराइट, उसे वापस कॉल न कर पाने के कारण, ट्रैक तक गाड़ी चलाकर उससे मिलने गई है। उसे चिल्लाने का बहुत बुरा लग रहा है, क्योंकि आज उसका जन्मदिन है, और वह माफ़ी मांगना चाहती है; वह यह भी चाहती है कि वह चुप हो जाए। उसे पिछली शामों से पता है कि नोएल ज़िद करेगा कि वे बंद होने तक रुकें—नोएल का स्वभाव ही ऐसा है। और चूंकि ट्रैक केवल दस मिनट की दूरी पर है, वह अपना हैंडबैग उठाती है और अपनी पुरानी नैश रैम्बलर कार से ओशन पार्कवे पर निकल पड़ती है। वह लेस्टर स्ट्रीट पर दाहिने मुड़ती है। सूरज डूब चुका है और आसमान बदल रहा है। ज़्यादातर गाड़ियाँ दूसरी दिशा से आ रही हैं। वह लेस्टर स्ट्रीट ओवरपास के पास पहुँचती है, जहाँ से ग्राहक ट्रैक तक पहुँचते थे, सीढ़ियों से ऊपर, सड़क पार करके और फिर सीढ़ियों से नीचे, जब तक कि ट्रैक मालिकों ने शहर को ट्रैफ़िक लाइट के लिए पैसे नहीं दिए, जिसके बाद ओवरपास लगभग सुनसान हो

गया।
लेकिन आज रात यह जगह सुनसान नहीं है। यहाँ दो किशोर हैं जो पकड़े नहीं जाना चाहते, दो 17 वर्षीय लड़के जो कुछ घंटे पहले ही एक शराब की दुकान से सिगरेट के पाँच कार्टन और ओल्ड हार्पर व्हिस्की के तीन पाइंट चुराकर भागे थे। अब, शराब खत्म करने और कई सिगरेट पीने के बाद, वे शाम से ऊब चुके हैं, और अपनी खाली बोतलें जंग लगी रेलिंग के किनारे पर लटका रहे हैं।
"क्या तुम मुझे चुनौती देते हो?" एक कहता है।
"हिम्मत है तो करके दिखाओ," दूसरे ने कहा।
पहले वाले ने बोतल गिरा दी और बाकी लोग धातु की जाली के पीछे छिपकर देखने लगे। बोतल बाल-बाल एक कार के पास से गुजरी और फुटपाथ पर गिरकर टूट गई।
"वाह!" दूसरा चिल्लाता है। "क्या तुमने वो देखा!"
"अब अपना नीचे रखो, डरपोक।"
दूसरा व्यक्ति खड़ा होता है, अपनी बोतल आगे बढ़ाता है, और दाहिनी लेन के कम यातायात वाले हिस्से को चुनता है। वह बोतल को आगे-पीछे हिलाता है, मानो यह कोई कला हो और वह कोई कलाकार हो, और वह वाहनों के बीच बोतल को गिराने का सही समय तय करने की कोशिश करता है।
उसकी उंगलियां छूट जाती हैं। वह लगभग मुस्कुराता है।
चालीस फीट नीचे, मार्गुराइट ऊपर देखने की ज़हमत ही नहीं उठाती, उसे कभी यह ख्याल नहीं आता कि उस ओवरपास पर कुछ घट रहा होगा, वह एडी को उस रेसट्रैक से निकालने के अलावा और कुछ नहीं सोचती, जब तक उसके पास कुछ पैसे बचे हों। वह सोच रही है कि ग्रैंडस्टैंड के किस हिस्से में देखे, तभी ओल्ड हार्पर की व्हिस्की की बोतल उसकी विंडशील्ड पर आकर टकराती है और कांच के टुकड़े बिखर जाते हैं। उसकी कार कंक्रीट के डिवाइडर से जा टकराती है। उसका शरीर गुड़िया की तरह उछलता है, दरवाज़े, डैशबोर्ड और स्टीयरिंग व्हील से टकराता है, जिससे उसके जिगर में चोट लगती है, बांह टूट जाती है और सिर इतनी ज़ोर से टकराता है कि वह शाम की आवाज़ों से बेखबर हो जाती है। उसे कारों की चीखें सुनाई नहीं देतीं। उसे हॉर्न की आवाज़ सुनाई नहीं देती। उसे रबर के सोल वाले स्नीकर्स की आवाज़ सुनाई नहीं देती, जो लेस्टर स्ट्रीट ओवरपास से नीचे रात के अंधेरे में गायब हो रहे हैं।

प्रेम, वर्षा की तरह, ऊपर से पोषण प्रदान करता है, दंपतियों को असीम आनंद से सराबोर कर देता है। लेकिन कभी-कभी, जीवन की उग्र गर्मी में, प्रेम सतह पर सूख जाता है और उसे नीचे से पोषण की आवश्यकता होती है, अपनी जड़ों की देखभाल करके, खुद को जीवित रखना पड़ता है।

लेस्टर स्ट्रीट पर हुए हादसे में मार्गुराइट को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें लगभग छह महीने तक बिस्तर पर आराम करना पड़ा। उनका क्षतिग्रस्त लिवर आखिरकार ठीक हो गया, लेकिन खर्च और देरी के कारण वे गोद लेने का सपना पूरा नहीं कर पाए। जिस बच्चे की उन्हें उम्मीद थी, वह किसी और को मिल गया। इस अनकहे दोष का कभी अंत नहीं हुआ—यह एक परछाई की तरह पति-पत्नी के बीच घूमता रहा। मार्गुराइट लंबे समय तक चुप रहीं। एडी काम में डूब गए। वह परछाई उनकी मेज पर घर कर गई और वे उसकी मौजूदगी में, कांटों और प्लेटों की अकेली खनक के बीच खाना खाते रहे। जब वे बात करते, तो छोटी-छोटी बातों पर करते। उनके प्यार का पानी जड़ों के नीचे छिपा हुआ था। एडी ने फिर कभी घोड़ों पर दांव नहीं लगाया। नोएल के साथ उनकी मुलाकातें धीरे-धीरे खत्म हो गईं, नाश्ते के दौरान दोनों में से कोई भी ऐसी बातचीत नहीं कर पाता था जो बोझिल लगे।

कैलिफ़ोर्निया के एक मनोरंजन पार्क में पहली बार ट्यूबलर स्टील की पटरियाँ लगाई गईं—ये पटरियाँ लकड़ी से असंभव तीखे कोणों पर मुड़ती थीं—और अचानक, रोलर कोस्टर, जो लगभग गुमनामी में चले गए थे, फिर से चलन में आ गए। पार्क के मालिक श्री बुलॉक ने रूबी पियर के लिए स्टील-ट्रैक मॉडल का ऑर्डर दिया था, और एडी निर्माण की देखरेख कर रहा था। वह इंस्टॉलर पर चिल्लाता था, उनकी हर हरकत पर नज़र रखता था। उसे इतनी तेज़ गति वाली किसी भी चीज़ पर भरोसा नहीं था। साठ डिग्री के कोण? उसे यकीन था कि कोई न कोई घायल हो जाएगा। खैर, इससे उसका ध्यान बँट जाता था।

स्टारडस्ट बैंड शेल को तोड़ दिया गया। ज़िपर राइड को भी हटा दिया गया। और टनल

ऑफ़ लव को भी, जिसे बच्चे अब बहुत पुराना और बचकाना मानते थे। कुछ साल बाद, एक नई नाव की सवारी बनाई गई जिसे लॉग फ्लूम कहा जाता था, और एडी को आश्चर्य हुआ कि यह बहुत लोकप्रिय हो गई। सवार पानी की नालियों से तैरते हुए गुजरते और अंत में एक बड़े छींटे वाले पूल में गिरते थे। एडी को समझ नहीं आता था कि लोग इतना गीला होना क्यों पसंद करते हैं, जबकि समुद्र केवल 300 गज की दूरी पर था। लेकिन उसने इसे वैसे ही बनाए रखा, पानी में बिना जूते पहने काम करता रहा, यह सुनिश्चित करते हुए कि नावें कभी भी पटरियों से न हटें।

समय बीतने के साथ, पति-पत्नी फिर से बातचीत करने लगे, और एक रात एडी ने गोद लेने के बारे में भी बात की। मार्गरेट ने अपना माथा रगड़ा और कहा, "अब हम बहुत बूढ़े हो गए हैं।"

एडी ने कहा, "बच्चे के लिए उम्र कितनी भी ज़्यादा क्यों न हो?"

साल बीतते गए। और भले ही उन्हें कभी संतान नहीं हुई, लेकिन उनका घाव धीरे-धीरे भरता गया, और उनका साथ उस खालीपन को भरने लगा जो वे किसी और के लिए बचा कर रखे हुए थे। सुबह वह उसके लिए टोस्ट और कॉफी बनाती, और वह उसे उसकी सफाई की नौकरी पर छोड़कर वापस घाट पर चला जाता। कभी-कभी, दोपहर में, वह जल्दी काम खत्म करके उसके साथ बोर्डवॉक पर टहलती, उसके चक्कर लगाती, हिंडोले के घोड़ों या पीले रंग से रंगी सीपियों पर सवारी करती, जबकि एडी उसे रोटर्स और केबल्स के बारे में समझाता और इंजनों की धीमी आवाज़ सुनता।

जुलाई की एक शाम, वे समुद्र किनारे टहल रहे थे, अंगूर की आइसक्रीम खा रहे थे और उनके नंगे पैर गीली रेत में धंस रहे थे। उन्होंने चारों ओर देखा और महसूस किया कि वे समुद्र तट पर मौजूद सबसे उम्रदराज लोग थे।

मार्गुराइट ने उन लड़कियों के बिकिनी सूट के बारे में कुछ कहा और बताया कि वह कभी भी ऐसा पहनने की हिम्मत नहीं कर पाएगी। एडी ने कहा कि लड़कियां खुशकिस्मत हैं, क्योंकि अगर वह पहन भी लेगी तो मर्द किसी और की तरफ देखेंगे ही नहीं। और हालांकि इस समय तक मार्गुराइट 40 के दशक के मध्य में थी, उसके कूल्हे मोटे हो गए थे और आंखों के आसपास झुर्रियां पड़ गई थीं, फिर भी उसने एडी को धन्यवाद दिया और उसकी टेढ़ी नाक और चौड़े जबड़े को देखा। उनके प्यार का पानी फिर ऊपर से बरसा और उन्हें उसी तरह भिगो दिया जैसे समुद्र उनके पैरों के पास इकट्ठा हो गया था।

तीन साल बाद, वह अपने अपार्टमेंट की रसोई में चिकन कटलेट पर ब्रेडिंग लगा रही थी। यह वही रसोई थी जिसे उन्होंने एडी की माँ की मृत्यु के बाद भी इतने लंबे समय तक संभाल कर रखा था, क्योंकि मार्गुराइट कहती थी कि यह उसे उनके बचपन की याद दिलाती है, और उसे खिड़की से पुराना हिंडोला देखना अच्छा लगता था। अचानक, बिना किसी चेतावनी के, उसके दाहिने हाथ की उंगलियाँ अनियंत्रित रूप से खुल गईं। वे पीछे की ओर मुड़ गईं। वे बंद नहीं हो रही थीं। कटलेट उसकी हथेली से फिसल गया। वह सिंक में गिर गया। उसकी बांह में तेज़ दर्द होने लगा। उसकी साँसें तेज़ हो गईं। उसने एक पल के लिए उस हाथ को देखा जिसकी उंगलियाँ आपस में जुड़ी हुई थीं, मानो वह किसी और का हाथ हो, जैसे कोई किसी बड़े, अदृश्य जार को पकड़े हुए हो। फिर सब कुछ चक्कर आने लगा।
"एडी?" उसने पुकारा, लेकिन जब तक वह पहुंचा, वह फर्श पर बेहोश हो चुकी थी।

उन्होंने यह निर्धारित किया कि यह मस्तिष्क में एक ट्यूमर था, और उसकी हालत में गिरावट कई अन्य लोगों की तरह ही होगी, ऐसे उपचार जिनसे बीमारी हल्की लगने लगी, बालों का झड़ना, सुबह का समय शोरगुल वाली विकिरण मशीनों के साथ बिताना और शाम को अस्पताल के शौचालय में उल्टी करते हुए बिताना।
अंतिम दिनों में, जब कैंसर विजयी हो गया, तो डॉक्टरों ने बस इतना ही कहा, "आराम करो। शांत रहो।" जब उसने सवाल पूछे, तो उन्होंने सहानुभूति से सिर हिलाया, मानो उनका इशारा किसी दवा की बूंद-बूंद से दिया जा रहा हो। उसे एहसास हुआ कि यह एक औपचारिकता थी, उनकी बेबसी में भी अच्छा व्यवहार करने का तरीका था, और जब उनमें से एक ने "अपने मामलों को व्यवस्थित करने" का सुझाव दिया, तो उसने अस्पताल से छुट्टी मांग ली। उसने पूछने से ज़्यादा बताया।
एडी ने सीढ़ियों से ऊपर चढ़ने में उसकी मदद की और अपार्टमेंट में चारों ओर देखते हुए उसका कोट टांग दिया। वह खाना बनाना चाहती थी, लेकिन एडी ने उसे बैठने के लिए कहा और चाय के लिए पानी गर्म किया। उसने एक दिन पहले ही मेमने के चॉप्स खरीदे थे, और उस रात उसने आमंत्रित मित्रों और सहकर्मियों के साथ किसी तरह

डिनर किया, जिनमें से अधिकांश ने मार्गुराइट और उसके पीले चेहरे को देखकर "देखो कौन वापस आ गया!" जैसे वाक्य कहे, मानो यह विदाई पार्टी नहीं बल्कि घर वापसी हो।

उन्होंने कॉर्निंगवेयर के बर्तन में मैश किए हुए आलू खाए और मिठाई के रूप में बटरस्कॉच ब्राउनी खाई, और जब मार्गुराइट ने वाइन का दूसरा गिलास खत्म किया, तो एडी ने बोतल ली और उसके लिए तीसरा गिलास भर दिया।

दो दिन बाद, वह चीखते हुए जाग उठी। भोर के सन्नाटे में वह उसे अस्पताल ले गया। उन्होंने संक्षिप्त वाक्यों में बात की, कि कौन सा डॉक्टर मौजूद होगा, एडी को किसे फोन करना चाहिए। और भले ही वह उसके बगल वाली सीट पर बैठी थी, एडी को हर चीज़ में उसकी मौजूदगी का एहसास हो रहा था - स्टीयरिंग व्हील में, गैस पैडल में, उसकी पलकें झपकने में, उसके गले साफ करने में। उसका हर कदम उसे थामे रखने के लिए था।

वह 47 वर्ष की थीं।

"क्या आपके पास कार्ड है?" उसने उससे पूछा।

"वह कार्ड..." उसने भावहीनता से कहा।

उसने गहरी सांस ली और अपनी आंखें बंद कर लीं, और जब उसने दोबारा बोलना शुरू किया तो उसकी आवाज पतली हो गई थी, मानो उस सांस की उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी हो।

"बीमा," उसने कर्कश आवाज में कहा।

"हां, हां," उसने जल्दी से कहा। "मुझे कार्ड मिल गया है।"

उन्होंने गाड़ी पार्किंग में खड़ी की और एडी ने इंजन बंद कर दिया। अचानक चारों ओर सन्नाटा छा गया। उसे हर छोटी से छोटी आवाज़ सुनाई दे रही थी, चमड़े की सीट पर उसके शरीर की चरमराहट, दरवाज़े के हैंडल की खट-खट, बाहर की हवा की सरसराहट, फुटपाथ पर उसके पैरों की आवाज़, चाबियों की खनक।

उसने उसका दरवाज़ा खोला और उसे बाहर निकलने में मदद की। उसके कंधे ठिठुर रहे थे, जैसे कोई ठंड से कांपता हुआ बच्चा हो। उसके बाल उसके चेहरे पर उड़ रहे थे। उसने सिसकी ली और क्षितिज की ओर देखा। उसने एडी को इशारा किया और दूर दिख रहे एक बड़े, सफेद झूले की ओर सिर हिलाया, जिस पर लाल रंग की गाड़ियाँ पेड़ की सजावट की तरह लटक रही थीं।

"आप इसे यहां से देख सकते हैं," उसने कहा।
"फेरिस व्हील?" उसने कहा। वह दूसरी तरफ देखने लगी।
"घर।"

क्योंकि एडी स्वर्ग में सोया नहीं था, इसलिए उसे ऐसा लगा कि उसने जिन लोगों से मुलाकात की थी, उनके साथ कुछ ही घंटे बिताए थे। लेकिन फिर, बिना रात-दिन के, बिना सोने-जागने के, बिना सूर्यास्त, बिना ज्वार-भाटे, बिना भोजन, बिना समय-सारणी के, उसे कैसे पता चला?
मार्गुराइट के साथ, वह बस समय चाहता था—और अधिक से अधिक समय—और उसे वह समय मिला, रातें, दिन और फिर रातें। वे अलग-अलग शादियों के दरवाज़ों से गुज़रे और हर वो बात की जो वो कहना चाहता था। एक स्वीडिश समारोह में, एडी ने उसे अपने भाई जो के बारे में बताया, जिसकी 10 साल पहले दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी, फ्लोरिडा में एक नया कॉन्डोमिनियम खरीदने के ठीक एक महीने बाद। एक रूसी समारोह में, उसने पूछा कि क्या उसने पुराना अपार्टमेंट रखा है, और उसने कहा कि हाँ, और उसने खुशी जताई। लेबनान के एक गाँव में एक खुले समारोह में, उसने बताया कि स्वर्ग में उसके साथ क्या हुआ था, और वह सुनती भी रही और समझती भी रही। उसने ब्लू मैन और उसकी कहानी के बारे में बताया, कि कुछ लोग क्यों मर जाते हैं जबकि दूसरे जीते हैं, और उसने कैप्टन और उसके बलिदान की कहानी के बारे में बताया। जब उसने अपने पिता के बारे में बात की, तो मार्गुराइट को वे कई रातें याद आ गईं जो उसने उस आदमी पर क्रोधित होकर बिताई थीं, उसकी चुप्पी से हैरान। एडी ने उससे कहा कि उसने सब कुछ ठीक कर दिया है, और उसकी भौंहें ऊपर उठीं और उसके होंठ फैल गए और एडी को एक पुरानी, गर्मजोशी भरी भावना का एहसास हुआ जिसकी उसे वर्षों से कमी महसूस हो रही थी, अपनी पत्नी को खुश करने का सरल कार्य।

एक रात, एडी ने रूबी पियर में हुए बदलावों के बारे में बात की, कि कैसे पुराने झूले तोड़ दिए गए थे, कैसे आर्केड में बजने वाला हल्का संगीत अब तेज़ रॉक 'एन' रोल में

बदल गया था, कैसे रोलर कोस्टर में अब कॉर्कस्क्रू ट्विस्ट और पटरियों से लटकने वाली गाड़ियाँ थीं, कैसे "डार्क" राइड्स, जिनका मतलब कभी ग्लो पेंट में रंगे काउबॉय कटआउट होते थे, अब वीडियो स्क्रीन से भरी हुई थीं, जैसे हर समय टेलीविजन देख रहे हों।

उसने उसे नए नाम बताए। अब डिपर या टम्बल बग नहीं रहे। सब कुछ ब्लिज़र्ड, माइंडबेंडर, टॉप गन, वोर्टेक्स था।

"अजीब लगता है, है ना?" एडी ने कहा।

उसने उदास स्वर में कहा, "ऐसा लगता है जैसे यह किसी और की गर्मियों का मौसम हो।"

एडी को एहसास हुआ कि वह वर्षों से ठीक यही महसूस कर रहा था।

"मुझे कहीं और काम करना चाहिए था," उसने उससे कहा। "मुझे अफ़सोस है कि मैं हम सबको वहाँ से नहीं निकाल पाया। मेरे पिताजी। मेरा पैर। युद्ध के बाद से मैं हमेशा खुद को एक निकम्मा महसूस करता रहा हूँ।"

उसने उसके चेहरे पर उदासी के भाव देखे।

"क्या हुआ था?" उसने पूछा। "उस युद्ध के दौरान?"

उसने उसे कभी खुलकर नहीं बताया था। सब कुछ समझ लिया गया था। उसके ज़माने में सैनिक अपना कर्तव्य निभाते थे और घर लौटने पर इसके बारे में बात नहीं करते थे। उसने उन लोगों के बारे में सोचा जिन्हें उसने मार डाला था। उसने पहरेदारों के बारे में सोचा। उसने अपने हाथों पर लगे खून के बारे में सोचा। उसने सोचा कि क्या उसे कभी माफ़ किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "मैं खुद को खो बैठा था।"

"नहीं," उनकी पत्नी ने कहा।

"हां," उसने फुसफुसाते हुए कहा, और उसने इसके अलावा कुछ नहीं कहा।

कभी-कभी, स्वर्ग में, वे दोनों एक साथ लेट जाते थे। लेकिन वे सोते नहीं थे। मार्गुराइट ने कहा, धरती पर, जब आप सोते थे, तो कभी-कभी आप अपने स्वर्ग का सपना देखते थे और वे सपने उसे आकार देने में मदद करते थे। लेकिन अब ऐसे सपनों का कोई कारण नहीं था।

इसके बजाय, एडी ने उसके कंधों को थाम लिया, उसके बालों में अपना चेहरा रगड़ा और लंबी-लंबी गहरी साँसें लीं। एक पल उसने अपनी पत्नी से पूछा कि क्या भगवान को पता है कि वह यहाँ है। वह मुस्कुराई और बोली, "बिल्कुल," जबकि एडी ने यह भी माना कि उसने अपने जीवन का कुछ हिस्सा भगवान से छिपते हुए बिताया था, और बाकी समय उसे लगता था कि कोई उसे देख नहीं रहा है।

चौथा पाठ

आखिरकार, कई बातचीत के बाद, मार्गुराइट एडी को दूसरे दरवाजे से अंदर ले गई। वे वापस उसी छोटे, गोल कमरे में आ गए। वह स्टूल पर बैठ गई और अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ लिया। उसने दर्पण की ओर देखा, और एडी ने उसमें अपना प्रतिबिंब देखा। उसका प्रतिबिंब, लेकिन एडी का नहीं।

"दुल्हन यहीं इंतज़ार कर रही है," उसने अपने बालों पर हाथ फेरते हुए कहा, अपनी छवि को निहारते हुए, मानो कहीं खोई हुई हो। "यही वो पल है जब तुम सोचती हो कि तुम क्या कर रही हो। किसे चुन रही हो। किससे प्यार करोगी। अगर सब ठीक रहा, एडी, तो यह कितना खूबसूरत पल हो सकता है।"

वह उसकी ओर मुड़ी।

"आपको कई वर्षों तक बिना प्यार के रहना पड़ा, है ना?"

एडी ने कुछ नहीं कहा।

"तुम्हें ऐसा लगा कि यह तुमसे छीन लिया गया, कि मैंने तुम्हें बहुत जल्दी छोड़ दिया।"

वह धीरे-धीरे नीचे झुका। उसके सामने उसकी लैवेंडर रंग की पोशाक फैली हुई थी।

"तुम बहुत जल्दी चले गए," उसने कहा।

"तुम मुझसे नाराज़ थे।"

"नहीं।"

उसकी आँखों में चमक आ गई।

"ठीक हां।"
उन्होंने कहा, "इसके पीछे एक वजह थी।"
"क्या वजह?" उसने कहा। "कोई वजह हो ही कैसे सकती है? तुम मर गई। तुम्हारी उम्र सैंतालीस साल थी। तुम हम सबकी जान-पहचान में सबसे अच्छी इंसान थी, और तुम मर गई और तुमने सब कुछ खो दिया। और मैंने भी सब कुछ खो दिया। मैंने उस अकेली औरत को खो दिया जिससे मैंने कभी प्यार किया था।"
उसने उसके हाथ पकड़ लिए। "नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया। मैं यहीं थी। और फिर भी तुमने मुझसे प्यार किया।"
"खोया हुआ प्यार भी प्यार ही होता है, एडी। बस उसका रूप बदल जाता है, और कुछ नहीं। आप उनकी मुस्कान नहीं देख सकते, उन्हें खाना नहीं खिला सकते, उनके बाल नहीं सहला सकते, उन्हें डांस फ्लोर पर नहीं नचा सकते। लेकिन जब ये भावनाएं कमजोर पड़ जाती हैं, तो एक और भावना प्रबल हो जाती है। यादें। यादें आपकी साथी बन जाती हैं। आप उन्हें संजोते हैं। आप उन्हें थामे रखते हैं। आप उनके साथ नाचते हैं।"
उसने कहा, "जीवन का अंत तो होना ही है। लेकिन प्यार का नहीं।"
एडी अपनी पत्नी को दफनाने के बाद बीते सालों के बारे में सोचने लगा। मानो वह किसी बाड़ के उस पार देख रहा हो। उसे बाहर एक अलग तरह की ज़िंदगी का एहसास था, भले ही वह जानता था कि वह कभी उसका हिस्सा नहीं बन पाएगा।
"मुझे कभी किसी और की चाहत नहीं थी," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"मुझे पता है," उसने कहा।
"मैं अब भी तुमसे प्यार करता था।"
"मुझे पता है।" उसने सिर हिलाया। "मैंने इसे महसूस किया।"
"यहाँ?" उसने पूछा।
"यहां भी," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "खोया हुआ प्यार इतना शक्तिशाली हो सकता है।"
वह खड़ी हुई और उसने एक दरवाजा खोला, और एडी उसके पीछे अंदर जाते हुए अपनी आँखें झपका गया। वह एक मंद रोशनी वाला कमरा था, जिसमें तह करने वाली कुर्सियाँ थीं, और कोने में एक अकॉर्डियन वादक बैठा था।
"मैं इसे बचाकर रख रही थी," उसने कहा।

उसने अपनी बाहें फैला दीं। और स्वर्ग में पहली बार, उसने पहल की, वह उसके पास आया, पैर को अनदेखा करते हुए, नृत्य, संगीत और शादियों के बारे में उसने जो भी अप्रिय धारणाएँ बना रखी थीं, उन्हें अनदेखा करते हुए, अब उसे एहसास हुआ कि वे वास्तव में अकेलेपन के बारे में थीं।

"बस एक ही चीज की कमी है," मार्गुराइट ने फुसफुसाते हुए उसका कंधा थाम लिया, "और वो हैं बिंगो कार्ड।"

वह मुस्कुराया और उसने अपना हाथ उसकी कमर के पीछे रख दिया।

"क्या मैं आपसे कुछ पूछ सकता हूँ?" उसने कहा।

"हाँ।"

"तुम आज भी वैसी ही क्यों दिखती हो जैसी शादी के दिन दिखती थी?"

मुझे लगा था कि आपको यह तरीका पसंद आएगा।

उसने एक पल सोचा। "क्या आप इसे बदल सकते हैं?"

"बदलना है?" वह मुस्कुराई। "किसमें?"

"अंत तक।"

उसने अपनी बाहें नीचे कर लीं। "आखिर में मैं इतनी सुंदर नहीं थी।"

एडी ने अपना सिर हिलाया, मानो कह रहा हो कि यह सच नहीं है।

"क्या आप कर सकते हैं?"

उसने एक पल का विराम लिया, फिर से उसकी बाहों में आ गई। अकॉर्डियन वादक ने जानी-पहचानी धुनें बजाईं। उसने उसके कान में गुनगुनाया और वे धीरे-धीरे एक साथ हिलने लगे, उस लय में जो एक पति केवल अपनी पत्नी के साथ ही साझा करता है।

तुमने मुझे तुमसे प्यार करना सिखाया
मैं ऐसा नहीं करना चाहता था
मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।
तुमने मुझे तुमसे प्यार करना सिखाया
और तुम्हें यह बात हमेशा से पता थी।
और तुम्हें यह बात हमेशा से पता थी. . . .

जब उसने अपना सिर पीछे किया, तो वह फिर से 47 वर्ष की लग रही थी, उसकी

आँखों के पास झुर्रियों का जाल, पतले बाल, ठुड्डी के नीचे ढीली त्वचा। वह मुस्कुराई और वह भी मुस्कुराया, और उसके लिए वह पहले की तरह ही खूबसूरत थी, और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और पहली बार वह कहा जो उसे उसे दोबारा देखने के क्षण से ही महसूस हो रहा था: "मैं आगे नहीं बढ़ना चाहता। मैं यहीं रहना चाहता हूँ।" जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो उसकी बाहों में अभी भी उसका शरीर थाम हुआ था, लेकिन वह जा चुकी थी, और उसके साथ सब कुछ भी चला गया था।

शुक्रवार, दोपहर 3:15 बजे

डोमिंगुएज़ ने लिफ्ट का बटन दबाया और दरवाज़ा गड़गड़ाहट के साथ बंद हो गया। अंदर का एक छोटा सा छेद बाहर के एक छोटे से छेद के सामने आ गया। लिफ्ट झटके से ऊपर उठी और जालीदार शीशे से उसने लॉबी को गायब होते देखा।
"मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि यह लिफ्ट अभी भी काम करती है," डोमिंगुएज़ ने कहा। "यह तो पिछली सदी की ही होगी।"
उसके बगल में बैठा एक संपत्ति वकील, दिलचस्पी दिखाने का नाटक करते हुए हल्के से सिर हिलाया। उसने अपनी टोपी उतार दी—उसे घुटन हो रही थी और पसीना आ रहा था—और पीतल के पैनल पर जलते हुए नंबरों को देखने लगा। यह दिन भर की उसकी तीसरी मुलाकात थी। एक और, और वह घर जाकर रात का खाना खा सकता था।
डोमिंगुएज़ ने कहा, "एडी के पास ज्यादा कुछ नहीं था।"
"हम्म," उस आदमी ने रुमाल से अपना माथा पोंछते हुए कहा। "तो फिर ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए।"

लिफ्ट झटके से रुकी और दरवाज़ा गड़गड़ाते हुए खुला। वे 6B की ओर मुड़े। गलियारे में अभी भी 1960 के दशक की काली-सफेद चेकर वाली टाइलें लगी हुई थीं और किसी के खाना पकाने की महक आ रही थी—लहसुन और तले हुए आलू की। अधीक्षक ने उन्हें चाबी दे दी थी—साथ ही एक समय सीमा भी दी थी, अगले बुधवार तक। जगह खाली करके नए किराएदार को बुलाना है।

"वाह..." डोमिंगुएज़ ने दरवाज़ा खोलकर रसोई में प्रवेश करते हुए कहा। "एक बूढ़े आदमी के लिए तो काफी साफ-सुथरा है।" सिंक साफ था। काउंटर पोंछे हुए थे। भगवान जाने, उसने सोचा, उसका घर कभी इतना साफ नहीं था।

"वित्तीय दस्तावेज़?" उस आदमी ने पूछा। "बैंक स्टेटमेंट? गहने?"

डोमिंगुएज़ को एडी के गहने पहने हुए याद आए और उसे लगभग हंसी आ गई। उसे एहसास हुआ कि वह बूढ़े आदमी को कितना याद कर रहा है, घाट पर उसका न होना कितना अजीब लग रहा था, वह आदेश देता हुआ, एक चील की तरह हर चीज़ पर नज़र रखता हुआ नज़र नहीं आता था। उन्होंने उसका लॉकर भी खाली नहीं किया था। किसी में इतनी हिम्मत नहीं थी। उन्होंने उसका सामान दुकान में ही छोड़ दिया था, जैसे कि वह कल वापस आएगा।

मुझे नहीं पता। क्या तुम उस बेडरूम वाली जगह पर जाँच करते हो?

"द ब्यूरो?"

"हाँ। आप जानते हैं, मैं खुद भी यहाँ सिर्फ एक बार आया हूँ। मैं एडी को सिर्फ काम के सिलसिले में ही जानता था।"

डोमिंगुएज़ मेज पर झुककर रसोई की खिड़की से बाहर देखने लगा। उसे पुराना हिंडोला दिखाई दिया। उसने अपनी घड़ी देखी। काम की बात हो रही है, उसने मन ही मन सोचा।

वकील ने बेडरूम की अलमारी का सबसे ऊपरी दराज खोला। उसने करीने से एक के अंदर एक रखे मोजों के जोड़े और कमरबंद के पास रखे सफेद बॉक्सर शॉर्ट्स को एक तरफ धकेल दिया। उनके नीचे एक पुराना चमड़े का बक्सा रखा था, जो देखने में गंभीर लग रहा था। उसने कुछ ढूंढने की उम्मीद में उसे खोला। लेकिन उसकी भौंहें तन गईं। कुछ खास नहीं मिला। न बैंक स्टेटमेंट, न बीमा पॉलिसी। बस एक काली बो टाई, एक चीनी रेस्तरां का मेनू, ताश का एक पुराना डेक, एक सेना पदक वाला पत्र और जन्मदिन के केक के पास बच्चों से घिरे एक आदमी की धुंधली पोलरॉइड तस्वीर।

"हे," डोमिंगुएज़ ने दूसरे कमरे से आवाज़ दी, "क्या तुम्हें यही चाहिए?"
वह रसोई के दराज से लिफाफों का एक गट्ठा लेकर बाहर आया, जिनमें से कुछ स्थानीय बैंक के थे और कुछ वयोवृद्ध प्रशासन के। वकील ने उन्हें पलटा और बिना ऊपर देखे कहा, "बस इतना ही काफी है।" उसने एक बैंक स्टेटमेंट निकाला और बैलेंस का मन ही मन हिसाब लगा लिया। फिर, जैसा कि अक्सर इन मुलाकातों में होता था, उसने चुपचाप अपने शेयरों, बॉन्डों और एक सुरक्षित सेवानिवृत्ति योजना के पोर्टफोलियो पर खुद को बधाई दी। यह निश्चित रूप से उस बेचारे आलसी आदमी की तरह होने से बेहतर था, जिसके पास एक साफ-सुथरी रसोई के अलावा दिखाने के लिए कुछ नहीं था।

एडी स्वर्ग में जिस पांचवें व्यक्ति से मिलता है

सफेद। अब बस सफेद ही सफेद था। न धरती, न आकाश, न ही इन दोनों के बीच कोई क्षितिज। बस एक शुद्ध और शांत सफेद रंग, उतना ही खामोश जितना कि सबसे शांत सूर्योदय के समय होने वाली सबसे गहरी बर्फबारी।
एडी को चारों ओर सफेद रंग ही दिखाई दे रहा था। उसे सिर्फ अपनी भारी साँसों की आवाज़ सुनाई दे रही थी, जिसकी गूंज सुनाई दे रही थी। उसने साँस ली और उसे एक और तेज़ साँस लेने की आवाज़ सुनाई दी। उसने साँस छोड़ी और उसके साथ भी एक और साँस छूटने की आवाज़ आई।
एडी ने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं। खामोशी तब और भी बुरी लगती है जब पता हो कि वह कभी टूटेगी नहीं, और एडी यह जानता था। उसकी पत्नी अब नहीं रही। वह उसे बहुत चाहता था, एक मिनट, आधा मिनट, पाँच सेकंड और, लेकिन उससे संपर्क करने, उसे पुकारने, उसे हाथ हिलाने या उसकी तस्वीर देखने का भी कोई रास्ता नहीं था। उसे ऐसा लगा जैसे वह सीढ़ियों से लुढ़क कर नीचे गिर गया हो और ज़मीन पर ढेर हो गया हो। उसकी आत्मा खाली थी। उसमें कोई भावना नहीं थी।

वह शून्य में बेजान और निर्जीव लटका हुआ था, मानो किसी हुक पर लटका हो, मानो उसके शरीर से सारा रस निकल गया हो। वह वहाँ एक दिन या एक महीने तक लटका रह सकता था। शायद एक सदी तक भी।

एक धीमी लेकिन रहस्यमयी आवाज़ सुनकर ही वह जागा, उसकी पलकें भारी होकर उठीं। वह पहले ही स्वर्ग के चार स्थानों पर जा चुका था, चार लोगों से मिल चुका था, और यद्यपि प्रत्येक स्थान पर पहुंचना रहस्यमय था, उसने महसूस किया कि यह कुछ बिल्कुल अलग था।

शोर की गड़गड़ाहट फिर से सुनाई दी, इस बार और तेज़। एडी ने अपनी जीवन भर की रक्षात्मक प्रवृत्ति के चलते मुट्ठियाँ भींच लीं, तभी उसने पाया कि उसका दाहिना हाथ एक छड़ी को कसकर पकड़े हुए है। उसकी कलाइयों पर जिगर के धब्बे पड़ गए थे। उसके नाखून छोटे और पीले थे। उसकी नंगी टांगों पर लाल चकत्ते थे—दाद—जो धरती पर उसके अंतिम सप्ताहों के दौरान हुए थे। उसने अपने तेज़ी से हो रहे क्षय से नज़रें फेर लीं। मानवीय गणना के अनुसार, उसका शरीर अपने अंत के करीब था।

अब फिर वही आवाज़ सुनाई दी, अनियमित चीखों और गड़गड़ाहटों की एक तीखी गड़गड़ाहट। एडी ने अपने जीवन में इस आवाज़ को बुरे सपनों में सुना था, और वह उस याद से कांप उठा: गाँव, आग, स्मिटी और यह शोर, यह कर्कश हंसी जो अंततः उसके अपने गले से निकली जब उसने बोलने की कोशिश की।

उसने अपने दांत भींच लिए, मानो इससे यह रुक जाएगा, लेकिन यह अनसुनी चेतावनी की तरह जारी रहा, जब तक कि एडी ने घुटन भरे सफेद सन्नाटे में चिल्लाकर नहीं कहा: "क्या बात है? तुम क्या चाहते हो?"

इसके साथ ही, तीखी आवाज़ पृष्ठभूमि में चली गई, एक दूसरी आवाज़ के ऊपर दब गई - एक बहती नदी की आवाज़ - और सफेदी मंद पड़कर चमकते पानी पर सूर्य के एक धब्बे जैसी हो गई। एडी के पैरों के नीचे ज़मीन दिखाई दी। उसकी छड़ी किसी ठोस चीज़ से टकराई। वह एक ऊँचे तटबंध पर था, जहाँ हवा उसके चेहरे पर बह रही थी और धुंध ने उसकी त्वचा को नम कर दिया था। उसने नीचे देखा और नदी में उन भयानक चीखों का स्रोत पाया, और उसे वैसी ही राहत मिली जैसे किसी ऐसे व्यक्ति को मिलती है जो बेसबॉल बैट पकड़े हुए यह पाता है कि उसके घर में कोई घुसपैठिया नहीं है। यह चीखने-चिल्लाने, सीटी बजाने और गूंजने वाली आवाज़, महज़ बच्चों की आवाज़ों का शोर थी - हज़ारों बच्चे नदी में खेल रहे थे, पानी में छपछपा रहे थे और

मासूम हंसी हंस रहे थे।
क्या यही वो सपना था जो मैं देख रहा था? उसने सोचा। इतने समय से? क्यों? उसने छोटे-छोटे बच्चों को गौर से देखा, कुछ उछल रहे थे, कुछ पानी में चल रहे थे, कुछ बाल्टियाँ लिए हुए थे जबकि कुछ ऊँची घास में लोट रहे थे। उसने एक और बात पर ध्यान दिया। वहाँ कोई वयस्क नहीं था। किशोर भी नहीं। ये सभी छोटे बच्चे थे, जिनकी त्वचा गहरे रंग की लकड़ी जैसी थी, मानो वे खुद को संभाल रहे हों।
फिर एडी की नज़र एक सफ़ेद पत्थर पर पड़ी। उस पर एक दुबली-पतली युवती खड़ी थी, बाकियों से अलग, उसकी ओर मुँह किए हुए। उसने दोनों हाथों से इशारा करके उसे अंदर आने को कहा। एडी झिझका। वह मुस्कुराई। उसने फिर हाथ हिलाया और सिर हिलाकर सहमति दी, मानो कह रही हो, हाँ, तुम।
एडी ने ढलान पर उतरने के लिए अपनी छड़ी नीचे कर ली। वह फिसल गया, उसका खराब घुटना लड़खड़ा गया, उसके पैर लड़खड़ा गए। लेकिन ज़मीन पर गिरने से पहले, उसे अपनी पीठ पर हवा का एक ज़ोरदार झोंका लगा और वह आगे की ओर उछलकर सीधा खड़ा हो गया, और फिर वह उस छोटी बच्ची के सामने ऐसे खड़ा था मानो वह हमेशा से वहीं रहा हो।

आज एडी का जन्मदिन है

उनकी उम्र 51 साल है। शनिवार का दिन है। मार्गुराइट के बिना यह उनका पहला जन्मदिन है। वे कागज़ के कप में सांका बनाते हैं और मार्जरीन लगे टोस्ट के दो टुकड़े खाते हैं। पत्नी की दुर्घटना के बाद के वर्षों में, एडी जन्मदिन के किसी भी उत्सव से दूर भागते थे, यह कहते हुए, "मुझे उस दिन की याद क्यों दिलाई जाए?" मार्गुराइट ने ज़िद की। उन्होंने केक बनाया। उन्होंने दोस्तों को आमंत्रित किया। वह हमेशा टॉफ़ी का एक पैकेट खरीदती थीं और उसे रिबन से बांधती थीं। "आप अपना जन्मदिन यूं ही नहीं दे सकते," वह कहती थीं।

अब जब वह चली गई है, एडी कोशिश करता है। काम पर, वह एक पर्वतारोही की तरह, अकेले ही रोलर कोस्टर के ऊंचे मोड़ पर सवार हो जाता है। रात में, वह अपार्टमेंट में टीवी देखता है। वह जल्दी सो जाता है। कोई केक नहीं, कोई मेहमान नहीं। अगर आप खुद को साधारण महसूस करते हैं, तो साधारण होने का दिखावा करना कभी मुश्किल नहीं होता, और समर्पण की उदासी एडी के दिनों का रंग बन जाती है।

उनकी उम्र 60 वर्ष है, बुधवार का दिन है। वे दुकान पर जल्दी पहुँच जाते हैं। वे अपना लंच बैग खोलते हैं और सैंडविच से बोलोग्ना का एक टुकड़ा तोड़ते हैं। उसे एक हुक में बाँधते हैं, फिर धागे को मछली पकड़ने वाले छेद में डाल देते हैं। वे उसे तैरते हुए देखते हैं। अंततः, वह समुद्र में समा जाता है और गायब हो जाता है।

उनकी उम्र 68 साल है, शनिवार का दिन है। वे अपनी गोलियां काउंटर पर फैलाते हैं। फोन की घंटी बजती है, उनके भाई जो फ्लोरिडा से फोन कर रहे हैं। जो उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं। जो अपने पोते के बारे में बात करते हैं। जो एक कॉन्डोमिनियम के बारे में बात करते हैं। एडी कम से कम 50 बार "हम्म" कहते हैं।

उनकी उम्र 75 वर्ष है और सोमवार का दिन है। वे चश्मा लगाते हैं और रखरखाव रिपोर्ट देखते हैं। उन्हें पता चलता है कि पिछली रात किसी ने ड्यूटी नहीं की थी और स्क्विगली विगली वर्म एडवेंचर के ब्रेक की जाँच नहीं हुई है। वे आह भरते हैं और दीवार से एक बोर्ड उतारते हैं—"रखरखाव के लिए अस्थायी रूप से बंद"—फिर उसे लेकर बोर्डवॉक पार करते हुए स्क्विगली वर्म के प्रवेश द्वार तक जाते हैं और वहाँ खुद ब्रेक पैनल की जाँच करते हैं।

उनकी उम्र 82 वर्ष है और मंगलवार का दिन है। पार्क के प्रवेश द्वार पर एक टैक्सी आती है। वे अपनी छड़ी को पीछे खींचते हुए आगे की सीट पर बैठ जाते हैं।

"ज्यादातर लोगों को पीछे बैठना पसंद होता है," ड्राइवर कहता है।

"तुम्हें कोई आपत्ति है?" एडी पूछता है।

ड्राइवर कंधे उचकाते हुए कहता है, "नहीं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है।" एडी सीधे आगे देखता है। वह यह नहीं कहता कि इस तरह गाड़ी चलाना ज़्यादा अच्छा लगता है, और दो साल पहले जब उसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया था, तब से उसने गाड़ी नहीं चलाई है।

टैक्सी उसे कब्रिस्तान ले जाती है। वह अपनी माँ और भाई की कब्र पर जाता है और

अपने पिता की कब्र के पास कुछ पल के लिए खड़ा रहता है। हमेशा की तरह, वह अपनी पत्नी की कब्र को सबसे आखिर में देखता है। वह छड़ी के सहारे खड़ा होता है और समाधि के पत्थर को देखता है और कई बातों के बारे में सोचता है। टॉफ़ी। वह टॉफ़ी के बारे में सोचता है। वह सोचता है कि अब तो इससे उसके दांत टूट जाएंगे, लेकिन फिर भी वह इसे खा लेगा, अगर इसका मतलब उसके साथ खाना हो।

अंतिम पाठ

वह छोटी बच्ची एशियाई लग रही थी, शायद पाँच या छह साल की। उसका रंग सांवला था, बाल गहरे बेर जैसे थे, नाक छोटी और चपटी थी, होंठ भरे हुए थे जो दाँतों के बीच के गैप को खुशी से ढक रहे थे, और उसकी आँखें बेहद आकर्षक थीं, सील की खाल जैसी काली, जिसमें पुतली के रूप में एक छोटा सा सफेद धब्बा था। वह मुस्कुराई और उत्साह से अपने हाथ फड़फड़ाने लगी, जब तक कि एडी एक कदम और करीब नहीं आ गया, जिसके बाद उसने खुद को उसके सामने पेश किया।

"ताला," उसने अपना नाम बताते हुए कहा, उसकी हथेलियाँ उसकी छाती पर थीं।

"ताला," एडी ने दोहराया।

वह ऐसे मुस्कुराई जैसे कोई खेल शुरू हो गया हो। उसने अपने कंधों पर ढीले-ढाले ढंग से लटके हुए और नदी के पानी से भीगे हुए कढ़ाईदार ब्लाउज की ओर इशारा किया।

"बारो," उसने कहा।

"बारो."

उसने अपने धड़ और पैरों के चारों ओर लिपटे बुने हुए लाल कपड़े को छुआ। "साया।"

"मुझे।"

फिर उसके लकड़ी के बने जूते—"बक्या"—सामने आए, फिर उसके पैरों के पास रखे चमकीले सीप—"कैपिज़"—और फिर उसके सामने बिछाई गई बुनी हुई बांस की चटाई—"बनिग"—। उसने एडी को चटाई पर बैठने का इशारा किया और वह भी बैठ

गई, अपने पैरों को मोड़कर।
बाकी बच्चों में से किसी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया। वे पानी में छपछपाते, लोटपोट होते और नदी की तलहटी से पत्थर इकट्ठा करते रहे। एडी ने देखा कि एक लड़का दूसरे लड़के के शरीर पर, उसकी पीठ पर, उसकी बाहों के नीचे पत्थर रगड़ रहा था।
"धुलाई," लड़की ने कहा। "जैसे हमारी दादी-नानी किया करती थीं।"
"इनास?" एडी ने कहा।
उसने एडी के चेहरे को गौर से देखा।
"माताओं," उसने कहा।
एडी ने अपने जीवन में कई बच्चों की आवाज़ें सुनी थीं, लेकिन इस बच्ची की आवाज़ में उसे बड़ों के प्रति सामान्य झिझक का कोई अंश नहीं दिखा। वह सोच रहा था कि क्या इस बच्ची और अन्य बच्चों ने नदी के किनारे के इस स्वर्ग को खुद चुना था, या उनकी कमज़ोर याददाश्त को देखते हुए, ऐसा शांत परिदृश्य उनके लिए चुना गया था।
उसने एडी की कमीज़ की जेब की ओर इशारा किया। उसने नीचे देखा। पाइप क्लीनर।
"ये?" उसने कहा। उसने उन्हें बाहर निकाला और आपस में मरोड़ दिया, जैसा कि वह घाट पर काम करते समय किया करता था। वह प्रक्रिया को देखने के लिए घुटनों के बल खड़ी हो गई। उसके हाथ कांप रहे थे। "देखा? ये एक..." उसने आखिरी मोड़ पूरा किया "...कुत्ता है।"
उसने उसे लिया और मुस्कुराई—ऐसी मुस्कान जो एडी ने हजारों बार देखी थी।
"तुम्हें यह पसंद आया?" उसने कहा।
"तुम मुझे जला दोगे," उसने कहा।

एडी को लगा कि उसका जबड़ा कस गया है।
"क्या कहा आपने?"
"तुम मुझे जलाते हो। तुम मुझे आग बना देते हो।"
उसकी आवाज सपाट थी, जैसे कोई बच्चा पाठ सुना रहा हो।
"मेरी मां ने कहा कि निपा के अंदर इंतजार करो। मेरी मां ने कहा कि छिप जाओ।"

एडी ने अपनी आवाज धीमी कर ली, उसके शब्द धीमे और सोच-समझकर बोले गए।
"तुम किससे छिप रही थी, छोटी बच्ची?"
उसने पाइप क्लीनर से बने कुत्ते को उंगलियों से छुआ, फिर उसे पानी में डुबो दिया।
"सुंडालोंग," उसने कहा।
"सैनिक?"
उसने ऊपर देखा।
"सैनिक।"
एडी को वह शब्द अपनी जीभ पर चाकू की तरह चुभता हुआ महसूस हुआ। उसके दिमाग में कई तस्वीरें कौंध गईं। सैनिक। विस्फोट। मॉर्टन। स्मिटी। कप्तान। आग फेंकने वाले यंत्र।
"ताला..." उसने फुसफुसाते हुए कहा।
"ताला," उसने अपना नाम देखकर मुस्कुराते हुए कहा।
"तुम स्वर्ग में क्यों हो?"
उसने जानवर को नीचे उतारा।
"तुम मुझे जलाते हो। तुम मुझे आग बना देते हो।"
एडी को अपनी आँखों के पीछे तेज़ दर्द महसूस हुआ। उसका सिर चकराने लगा। उसकी साँसें तेज़ हो गईं।
"तुम फिलीपींस में थे... वो परछाई... उस झोपड़ी में..."
"निपा। इना कहती है, वहाँ सुरक्षित रहना। उसका इंतज़ार करना। सुरक्षित रहना।" फिर ज़ोरदार आवाज़। ज़ोरदार आग। "तुम मुझे जला दोगे।" उसने अपने पतले कंधों को उचकाते हुए कहा, "सुरक्षित नहीं।"
एडी ने गहरी साँस ली। उसके हाथ काँप रहे थे। उसने उसकी गहरी, काली आँखों में देखा और मुस्कुराने की कोशिश की, मानो यह उस नन्ही बच्ची के लिए कोई दवा हो। बच्ची ने भी मुस्कुराकर जवाब दिया, लेकिन इससे वह और भी टूट गया। उसका चेहरा उतर गया और उसने उसे अपनी हथेलियों में छिपा लिया। उसके कंधे और फेफड़े जवाब दे गए। वह अंधकार जो इतने सालों से उस पर छाया हुआ था, आखिरकार प्रकट हो रहा था, वह वास्तविक था, सजीव था, यह बच्ची, यह प्यारी बच्ची, उसने उसे मार डाला था, उसे जलाकर मार डाला था, जो बुरे सपने उसने देखे थे, वह उन सभी का हकदार था। उसने कुछ देखा था! आग की लपटों में वह परछाई! उसके हाथों

मौत! उसके अपने ही जलते हाथों से! आँसुओं की बाढ़ उसकी उंगलियों से बह निकली और उसकी आत्मा मानो डूब गई।
तब वह विलाप करने लगा, और उसके भीतर से एक ऐसी चीख निकली जो उसने पहले कभी नहीं सुनी थी, उसके अस्तित्व की गहराई से निकली एक चीख, एक ऐसी चीख जिसने नदी के पानी को कंपकंपा दिया और आकाश की धुंधली हवा को हिला दिया। उसका शरीर कांप उठा, और उसका सिर बेतहाशा हिलने लगा, जब तक कि चीख प्रार्थना जैसी वाणी में तब्दील नहीं हो गई, हर शब्द पश्चाताप की बेदम लहर में निकला: "मैंने तुम्हें मार डाला, मैंने तुम्हें मार डाला," फिर फुसफुसाते हुए "मुझे क्षमा कर दो," फिर, "मुझे क्षमा कर दो, हे भगवान..." और अंत में, "मैंने क्या किया... मैंने क्या किया?..." वह रोता रहा, रोता रहा, जब तक कि रोने से वह कांपने लगा। फिर वह चुपचाप कांपने लगा, आगे-पीछे झूलने लगा। वह उस छोटी काली बालों वाली लड़की के सामने चटाई पर घुटनों के बल बैठा था, जो बहती नदी के किनारे पाइप क्लीनर से बने अपने जानवर के साथ खेल रही थी।

कुछ देर बाद, जब एडी का दर्द थोड़ा कम हुआ, तो उसे अपने कंधे पर किसी के थपथपाने का एहसास हुआ। उसने ऊपर देखा तो ताला ने उसे एक पत्थर पकड़ा हुआ था।
"तुम मुझे धो दो," उसने कहा। वह पानी में उतर गई और एडी की तरफ पीठ कर ली। फिर उसने कढ़ाईदार बैरो अपने सिर पर से उतार लिया।
वह पीछे हट गया। उसकी त्वचा बुरी तरह जल गई थी। उसका धड़ और पतले कंधे काले, झुलसे हुए और फफोलों से भरे हुए थे। जब वह मुड़ी, तो उसका सुंदर, मासूम चेहरा भयंकर निशानों से ढका हुआ था। उसके होंठ लटके हुए थे। केवल एक आँख खुली थी। उसके बाल जले हुए सिर की जगह-जगह से गायब हो गए थे, जो अब सख्त, धब्बेदार पपड़ियों से ढके हुए थे।
"तुम मुझे धो दो," उसने पत्थर आगे बढ़ाते हुए फिर कहा।
एडी खुद को घसीटते हुए नदी में उतरा। उसने पत्थर उठाया। उसकी उंगलियां कांप रही थीं।
"मुझे नहीं पता कैसे..." वह मुश्किल से सुनाई देने वाली धीमी आवाज़ में बोला। "मेरे

कभी बच्चे नहीं हुए..."
उसने अपना झुलसा हुआ हाथ उठाया और एडी ने उसे धीरे से पकड़ा और पत्थर को उसकी बांह पर तब तक रगड़ा जब तक कि निशान हल्के पड़ने लगे। उसने और ज़ोर से रगड़ा; निशान और भी गहरे उतर गए। उसने अपनी कोशिश तेज़ कर दी, जब तक कि झुलसी हुई त्वचा हटकर स्वस्थ त्वचा दिखाई देने लगी। फिर उसने पत्थर को पलट दिया और उसकी पतली पीठ, छोटे कंधों, गर्दन के पिछले हिस्से और अंत में उसके गालों, माथे और कानों के पीछे की त्वचा को रगड़ा।
वह पीछे की ओर झुककर उसके कंधे पर सिर रखकर, आंखें बंद कर लीं, मानो झपकी ले रही हो। उसने धीरे से उसकी पलकों पर हाथ फेरा। उसने उसके झुके हुए होंठों और सिर पर पड़े पपड़ीदार धब्बों पर भी ऐसा ही किया, जब तक कि उसके बालों की जड़ों से गहरे बैंगनी रंग के बाल नहीं निकल आए और वह चेहरा फिर से उसके सामने आ गया जिसे उसने पहले देखा था।
जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो उनकी सफेदी प्रकाशस्तंभ की तरह चमक उठी। "मैं पाँच साल की हूँ," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
एडी ने पत्थर नीचे रखा और हांफते हुए छोटी-छोटी सांसें लेने लगा। "पांच... उह-हुह... पांच साल का? ..."
उसने सिर हिलाकर मना किया। उसने पाँच उंगलियाँ उठाईं। फिर उसने उन्हें एडी की छाती पर दबाया, मानो कह रही हो कि तुम पाँच हो। तुम पाँचवें व्यक्ति।
एक गर्म हवा चली। एडी के चेहरे से एक आंसू लुढ़क गया। ताला ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई बच्चा घास में किसी कीड़े को देखता है। फिर उसने उन दोनों के बीच की खाली जगह से बात की।
"दुखी क्यों हो?" उसने कहा।
"मैं उदास क्यों हूँ?" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "यहाँ?"
उसने नीचे की ओर इशारा करते हुए कहा, "वहाँ।"
एडी सिसकियाँ भर रहा था, एक आखिरी खाली सिसकी, मानो उसका सीना खाली हो। उसने सारे बंधन तोड़ दिए थे; अब बड़ों और बच्चों के बीच कोई बातचीत नहीं रह गई थी। उसने वही कहा जो वह हमेशा कहता था, मार्गुराइट से, रूबी से, कैप्टन से, ब्लू मैन से, और सबसे बढ़कर खुद से।
"मैं दुखी था क्योंकि मैंने अपने जीवन में कुछ नहीं किया। मैं कुछ भी नहीं था। मैंने

कुछ भी हासिल नहीं किया। मैं खो गया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे वहां नहीं होना चाहिए था।"
ताला ने पाइप क्लीनर से बने कुत्ते को पानी से बाहर निकाला।
"उसे वहीं होना चाहिए था," उसने कहा।
"कहाँ? रूबी पियर पर?"
उसने सिर हिलाया।
"गाड़ियों की मरम्मत करना? क्या यही मेरा जीवन था?" उसने गहरी सांस ली। "क्यों?"
उसने अपना सिर इस तरह झुकाया मानो यह बात स्पष्ट हो।
"बच्चों," उसने कहा। "तुम उन्हें सुरक्षित रखो। तुम मेरे लिए अच्छा काम करो।"
उसने कुत्ते को उसकी कमीज से रगड़ा।
"तुम्हें यहीं होना चाहिए था," उसने कहा, और फिर हल्की हंसी के साथ उसकी कमीज पर लगे पैच को छूते हुए दो शब्द जोड़े, "एडी मेन-टेन-एन्स।"

एडी तेज़ बहते पानी में धंस गया। उसकी कहानियों के पत्थर अब उसके चारों ओर, सतह के नीचे, एक दूसरे को छूते हुए बिखरे पड़े थे। वह अपने शरीर को पिघलते, घुलते हुए महसूस कर रहा था, और उसे आभास हो गया था कि उसके पास ज़्यादा समय नहीं बचा है, कि स्वर्ग में जिन पाँच लोगों से मुलाकात होती है, उनके बाद जो भी आएगा, वह अब उस पर आ पड़ा है।
"ताला?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।
उसने ऊपर देखा।
"घाट पर खड़ी वो छोटी लड़की? क्या आप उसके बारे में जानते हैं?"
ताला ने अपनी उंगलियों के सिरों को देखा। उसने हां में सिर हिलाया।
"क्या मैंने उसे बचाया? क्या मैंने उसे रास्ते से हटाया?"
ताला ने सिर हिलाया। "कोई खिंचाव नहीं।"
एडी कांप उठा। उसका सिर झुक गया। बस, यही था उसकी कहानी का अंत।
"Push," Tala said.
उसने ऊपर देखा। "धक्का दें?"

"उसके पैरों को धक्का दो। खींचो मत। तुम धक्का दो। कहीं कोई बड़ी चीज गिर न जाए। तुम उसे सुरक्षित रखो।"
एडी ने इनकार करते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं। "लेकिन मैंने उसके हाथों को महसूस किया था," उसने कहा। "मुझे बस यही याद है। मैं उसे धक्का नहीं दे सकता था। मैंने उसके हाथों को महसूस किया था।"
ताला मुस्कुराई और नदी का पानी भरकर अपनी छोटी-छोटी गीली उंगलियाँ एडी के हाथों में रख दीं। एडी तुरंत समझ गया कि वे पहले भी यहाँ आ चुके हैं।
"उसके हाथ नहीं," उसने कहा। "मेरे हाथ। मैं तुम्हें स्वर्ग ले जाऊंगी। तुम्हें सुरक्षित रखूंगी।"

इसके साथ ही नदी का जलस्तर तेज़ी से बढ़ गया और एडी की कमर, छाती और कंधों को अपने में समा लिया। इससे पहले कि वह एक और साँस ले पाता, बच्चों का शोर उसके ऊपर से ओझल हो गया और वह एक तेज़ लेकिन शांत धारा में डूब गया। उसकी पकड़ अब भी ताला से जुड़ी हुई थी, लेकिन उसे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे उसका शरीर उसकी आत्मा से, मांस उसकी हड्डियों से अलग हो रहा हो, और उसके साथ ही उसके अंदर का सारा दर्द और थकान, हर निशान, हर ज़ख्म, हर बुरी याद, सब कुछ बह गया।
अब वह कुछ भी नहीं था, पानी में तैरता एक पत्ता मात्र था, और वह उसे धीरे से खींचती रही, छाया और प्रकाश के बीच से, नीले, हाथीदांत, नींबू और काले रंग की विभिन्न छटाओं के बीच से, और उसे एहसास हुआ कि ये सभी रंग, हमेशा से, उसके जीवन की भावनाएँ थीं। वह उसे एक विशाल धूसर सागर की टूटती लहरों के बीच से ऊपर खींच लाई और वह लगभग अकल्पनीय दृश्य के ऊपर चमकदार प्रकाश में प्रकट हुआ:
एक घाट हजारों लोगों से भरा हुआ था, पुरुष और महिलाएं, पिता और माताएं और बच्चे—इतने सारे बच्चे—बीते समय के और वर्तमान के बच्चे, वे बच्चे जो अभी पैदा भी नहीं हुए थे, कंधे से कंधा मिलाकर, हाथ में हाथ डाले, टोपी पहने, शॉर्ट्स में, बोर्डवॉक, झूलों और लकड़ी के प्लेटफार्मों पर, एक-दूसरे के कंधों पर बैठे, एक-दूसरे की गोद में बैठे। वे वहां थे, या वहां होंगे, क्योंकि एडी ने अपने जीवन में जो सरल,

रोजमर्रा के काम किए थे, जिन दुर्घटनाओं को उसने रोका था, जिन झूलों को उसने सुरक्षित रखा था, और जिन अनजाने बदलावों को उसने हर दिन प्रभावित किया था। और हालांकि उनके होंठ नहीं हिल रहे थे, एडी ने उनकी आवाजें सुनीं, जितनी उसने कल्पना भी नहीं की थी, और उसे एक ऐसी शांति मिली जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की थी। अब वह ताला की पकड़ से मुक्त हो चुका था, और वह रेत और लकड़ी के पुल के ऊपर, मेले के तंबूओं और मीनारों के ऊपर तैरता हुआ बड़े, सफेद फेरिस व्हील के शिखर की ओर बढ़ा, जहाँ एक गाड़ी धीरे-धीरे हिल रही थी और उसमें पीले रंग की पोशाक पहने एक महिला बैठी थी—उसकी पत्नी, मार्गरेट, बाहें फैलाए उसका इंतज़ार कर रही थी। उसने उसकी ओर हाथ बढ़ाया और उसने उसे मुस्कुराते हुए देखा और सारी आवाज़ें मिलकर ईश्वर के एक शब्द में बदल गईं:

घर।

उपसंहार

रूबी पियर स्थित पार्क दुर्घटना के तीन दिन बाद फिर से खुल गया। एडी की मौत की खबर एक हफ्ते तक अखबारों में छपी, और फिर अन्य मौतों की खबरें उसकी जगह लेने लगीं।

फ्रेडीज़ फ्री फॉल नामक झूला उस सीज़न के लिए बंद था, लेकिन अगले साल इसे एक नए नाम, डेयरडेविल ड्रॉप के साथ फिर से खोला गया। किशोर इसे साहस का प्रतीक मानते थे, और इसने कई ग्राहकों को आकर्षित किया, जिससे मालिक खुश हुए।

एडी का अपार्टमेंट, जिसमें वह पला-बढ़ा था, एक नए व्यक्ति को किराए पर दे दिया गया, जिसने रसोई की खिड़की में सीसे का कांच लगवा दिया, जिससे पुराने हिंडोले

का दृश्य छिप गया। डोमिंगुएज़, जिसने एडी की नौकरी संभालने पर सहमति जताई थी, ने एडी का थोड़ा-बहुत सामान रखरखाव की दुकान पर एक ट्रंक में रख दिया, साथ ही रूबी पियर से जुड़ी यादगार चीजें भी रख दीं, जिनमें मूल प्रवेश द्वार की तस्वीरें भी शामिल थीं।

निकी, वह युवक जिसकी चाबी से केबल कट गई थी, घर पहुँचकर नई चाबी बनवाई और चार महीने बाद अपनी कार बेच दी। वह अक्सर रूबी पियर लौटता था, जहाँ वह अपने दोस्तों से शेखी बघारता था कि उसकी परदादी के नाम पर ही इस जगह का नाम रखा गया था।

मौसम आते-जाते रहे। और जब स्कूल की छुट्टियाँ हुईं और दिन लंबे होने लगे, तो भीड़ फिर से विशाल धूसर समुद्र के किनारे बने मनोरंजन पार्क में लौट आई—थीम पार्कों जितनी बड़ी तो नहीं, लेकिन काफी बड़ी। गर्मी आते ही मन में एक नयापन आ जाता है, और लहरों के मधुर गीत से समुद्र तट अपनी ओर आकर्षित करने लगता है, और लोग हिंडोलों, फेरिस व्हील्स, मीठे ठंडे पेय और कॉटन कैंडी का आनंद लेने के लिए इकट्ठा होते हैं।

रूबी पियर पर कतारें लग गईं—ठीक वैसे ही जैसे कहीं और लगती हैं: पाँच लोग अपनी चुनी हुई पाँच यादों में इंतज़ार कर रहे थे, एमी या एनी नाम की एक छोटी बच्ची के बड़े होने, प्यार करने, उम्र बढ़ने और मरने का, और अंत में उसके सवाल का जवाब पाने का—कि वह क्यों जी रही थी और किसलिए जी रही थी। और अब उस कतार में एक मूंछों वाला बूढ़ा आदमी भी था, जिसने लिनेन की टोपी पहन रखी थी और जिसकी नाक टेढ़ी थी, जो स्टारडस्ट बैंड शेल नामक स्थान पर स्वर्ग के रहस्य का अपना हिस्सा साझा करने के लिए इंतज़ार कर रहा था: कि हर कोई दूसरे को प्रभावित करता है और दूसरा अगले को, और दुनिया कहानियों से भरी है, लेकिन सभी कहानियाँ एक ही हैं।

लेखक विन्नी कर्सी (अम्यूजमेंट्स ऑफ अमेरिका) और डाना वायट (सांता मोनिका पियर पर स्थित पैसिफिक पार्क के संचालन निदेशक) का आभार व्यक्त करना चाहता है। इस पुस्तक के शोध में उनकी सहायता अमूल्य थी और मनोरंजन पार्क के ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति उनका गर्व सराहनीय है। साथ ही, हेनरी फोर्ड अस्पताल के डॉ. डेविड कोलन का युद्ध घावों के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद। और केरी अलेक्जेंडर का भी, जो हर काम बखूबी संभालती हैं। बॉब मिलर, एलेन आर्चर, विल श्वालबे, लेस्ली वेल्स, जेन कॉमिन्स, केटी लॉन्ग, माइकल बर्किन और फिल रोज़ का मुझ पर अटूट विश्वास के लिए हार्दिक आभार; डेविड ब्लैक का एजेंट-लेखक संबंधों के आदर्श के लिए; जेनीन का, जिन्होंने धैर्यपूर्वक इस पुस्तक को कई बार पढ़कर सुनाया; रोड्डा, इरा, कारा और पीटर का, जिनके साथ मैंने पहली बार फेरिस व्हील का आनंद लिया; और मेरे चाचा, असली एडी का, जिन्होंने मुझे अपनी कहानियां सुनाने से बहुत पहले ही सुना दी थीं।

***** समाप्त *****

sjeet

संस्करण 1.1 - 17 मई, 2004 - बिलबो196 द्वारा प्रूफरीड किया गया